जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 17 संख्याः 209 प्रभात हिण्डौन सिटी, मंगलवार 3 जून, 2025 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

दिल्ली हाई कोर्ट ने सरकार से कोविड के पुनः सक्रिय होने पर रिपोर्ट मांगी

न्यायालय ने यह जानकारी भी मांगी कि क्या सैंपल कलैक्शन, सैंपल कलैक्शन सैंटर तथा सैंपल ट्रांसपोर्टेशन के स्टैन्डर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर तय कर दिये गये हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 जून। दिल्ली हाई कोर्ट ने यह कहते हुए कि "अगली कोविड-19 महामारी अभी खत्म नहीं हुई है", केन्द्र सरकार से सैंपल कलैक्शन संग्रह, सैंपल कलैक्शन सैंटर तथा सैंपल के परिवहन की नीति पर क्या निर्णय लिया गया है, इस पर स्थिति-रिपोर्ट मांगी है।

28 मई को दिए गए आदेश में न्यायमूर्ति अनीश दयाल ने कहा कि यह मामला अत्यंत आवश्यक हो गया है, क्योंकि बड़े पैमाने पर खबरें आ रही हैं कि "कोविड-19" सक्रिय हो गया है।

कोर्ट ने कहा, "वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह अपेक्षित है कि प्रतिवादी तत्काल उपायों का एक स्पष्ट खाका तैयार करे, ताकि स्टैण्डर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एस.ओ.पी.) लागू की जा सके और बैठक में लिया गया निर्णय अपने उचित निष्कर्ष तक पहुँचे।"

- न्यायालय ने कहा, 30 मई, 2023 को अतिरिक्त निर्देशक जनरल ऑफ हैल्थ सर्विसेज़, की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में कोविड के पुनः प्रसार को रोकने के लिए कई निर्णय लिये गये थे, जिनमें कोविड के संदर्भ में चार उपसमितियां गठित करने का भी निर्णय लिया गया था।
- न्यायालय ने 30 मई, 2023 को आयोजित इस बैठक में कोविड के संबंध में हुए निर्णयों के क्रियान्वयन के बारे में रिपोर्ट मांगी है।

यह मामला डॉ. रोहित जैन द्वारा दायर एक अवमानना याचिका से जुड़ा है, जिसमें उन्होंने 27 जनवरी, 2023 को हाई कोर्ट खंडपीठ द्वारा पारित आदेश का पालन न करने का आरोप लगाया है।

खंडपीठ ने इस मुद्दे पर जैन की याचिका को निस्तारित करते हुए, केन्द्र सरकार को इसे एक "रैप्रैज़ैन्टेशन" के रूप में मानकर 12 सप्ताह के भीतर कारण सहित निर्णय लेने का निर्देश दिया था। जैन का कहना था कि उक्त आदेशों के बावजूद, केन्द्र सरकार ने सैंपल लेने, संग्रह केन्द्रों और सैंपल ट्रांसपोर्ट के लिए न्यूनतम मानकों की स्थापना को लेकर कोई दिशा-निर्देश तैयार नहीं किए।

30 मई, 2023 को स्वास्थ्य सेवाओं के अतिरिक्त महानिदेशक की अध्यक्षता में एक बैठक हुई थी, जिसमें न्यायिक आदेशों के आधार पर जैन को भी आमंत्रित किया गया था।

इस बैठक में पैथॉलजी, बायोकैमिस्ट्री, हीमेटोलॉजी और माइक्रोबायॉलजी के विशेषज्ञों की चार उप-समितियों का गठन करने का निर्णय लिया गया था। ये समितियाँ केन्द्र सरकार के केन्द्रों और परिवहन नीति के लिए एस.ओ.पी. तैयार करनी थी और रिपोर्ट प्रस्तुत करनी थी।

आदेश में यह भी उल्लेख है कि दिशा-निर्देशों में स्टोरेज स्टैण्डर्ड्स (भंडारण मानकों) को भी शामिल किया जाना था। बैठक में अन्य कार्रवाइयों पर भी सहमति बनी थी, जिसे अदालत ने नोट किया।

न्यायमूर्ति दयाल ने कहा कि केन्द्र सरकार ने यह नहीं बताया कि 30 मई, 2023 की बैठक का क्या परिणाम निकला और क्या निर्णय लिया गया। अदालत ने यह भी कहा कि पहली दृष्टि में यह अवमानना याचिका बनी नहीं रह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

15 जून को होने वाली नीट-पीजी परीक्षा स्थगित

नयी दिल्ली, 02 जून। राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान परीक्षा बोर्ड ने कहा है कि 15 जून को आयोजित होने वाली नीट-पीजी 2025 परीक्षा को स्थगित कर दिया गया है और संशोधित तिथि शीघ्र घोषित की जाएगी।

बोर्ड ने सोमवार को यहां जारी एक नोटिस में बताया कि उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुरुप नीट - पीजी 2025 की परीक्षा एक पाली में आयोजित की जाएगी।

- परीक्षा बोर्ड ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार एक पाली में परीक्षा कराने की तैयारी की जा रही है, नई तिथि जल्दी ही घोषित की जाएगी।

नोटिस के अनुसार न्यायालय के निर्देशों के अनुरुप एक पाली में परीक्षा कराने के लिए आवश्यक व्यवस्था की जा रही है और परीक्षा की संशोधित तिथि शीघ्र घोषित की जाएगी। बोर्ड ने कहा है कि 15 जून को आयोजित होने वाली नीट-पीजी 2025 को स्थगित कर दिया गया है।

चीफ ऑफ डिफैंस स्टाफ की स्पष्ट स्वीकृति ने कई सवाल उठाये, "सरकार की तैयारी" के बारे में

सीडीएस अनिल चौहान ने वायु सेना की तैयारी और माडर्नाइजेशन के बारे में सरकार के दावों को खोखला साबित करने का प्रयास बताया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 जून। चीफ ऑफ डिफैंस स्टाफ अनिल चौहान ने भारत-पाक के हालिया टकराव में भारत के कुछ विमानों का नुकसान होने की बात कहकर विवाद खड़ा कर दिया है। उनके बयान ने मोदी सरकार की रक्षा खरीद की नीतियों व सैन्य तैयारियों की रणनीति पर नए सिरे से बहस शुरु हो गई है।

जनरल चौहान की टिप्पणी से रक्षा विशेषज्ञों में चिंता की लहर दौड़ गई है, जो काफी समय पहले ही अपर्याप्त नियोजन और भारत हवा में मार करने की क्षमता के आधुनिकीकरण में देरी पर चेतावनी दे चुके हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार निर्धारित समय में एयर क्राफ्ट डील करने की अत्यावश्यकता को नहीं समझती है, ना ही टैक्नॉलजी ट्रांसफर के जरिए स्वदेशी निर्माण सुनिश्चित किया जा रहा है। इससे भारतीय सेना की ऑपरेशनल क्षमता बुरी तरह से प्रभावितत हुई है।

रिटायर्ड विंग कमांडर अनुमा आचार्य ने कहा कि भारतीय वायु सेना स्वीकृत स्तर से कम की स्क्वॉड्रन क्षमता पर काम कर रही है। उन्होंने कहा, "कारगिल वॉर के बाद से ही हमारे पास पहले से ही 12 स्क्वॉड्रन कम हैं, तब डिफैन्स रिव्यू कमेटी बनाई गई थी। उसने कई महत्वपूर्ण सुझाव दिये थे लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि उनका गंभीरता से पालन नहीं किया गया।"

- एक अन्य रिटायर्ड विंग कमांडर अनुपमा आचार्य ने कहा कि कारगिल की लड़ाई के दौरान भी वायु सेना में 12 स्क्वॉड्रन की कमी थी तथा डिफैंस रिव्यु कमेटी ने भी वायु सेना की इस कमी पर काफी फोकस किया था।
- सभी सरकारों ने वायु सेना की इस कमी को बढ़ने से रोकने के लिए काफी प्रयास किये, पर, सीडीएस के अनुसार, गत ग्यारह साल में वायु सेना के माडर्नाइजेशन में इस कमी की भरपाई के लिए काफी कम प्रयास हुए।
- पूर्व जनरल मोहन भंडारी ने इस "स्लो डाउन" को स्वीकार किया, पर, इस बात पर भी जोर दिया कि डिफैंस लीडरशिप को युद्ध की तैयारी में पूरी तरह तत्पर ही नहीं बल्कि सेना के अधिकारियों को सार्वजनिक बातचीत में माहिर भी होना चाहिए। उन्होंने कहा, सेना के उच्च अधिकारियों को जनता से "बातचीत" करने में महारथ हासिल करना भी युद्ध के लिए तत्पर रहने जितना जरूरी हो गया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट ने असम के अल्पसंख्यक विद्यार्थी यूनियन की याचिका स्वीकार नहीं की

याचिका में कहा गया था कि विदेश मंत्रालय द्वारा नागरिकता के सत्यापन या गैर सत्यापन की प्रक्रिया पूरी किये बिना, लोगों को विदेशी करार कर, सीमा पर खदेड़ना गैर-कानूनी है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 जून। सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को "ऑल बीटीसी मायनॉरिटी स्टूटेन्ट्स' यूनियन" (एबीएमएसयू) द्वारा दायर की गई उस याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया, जिसमें असम सरकार द्वारा विदेशी माने जाने वाले लोगों को नज़रबंद करने तथा निर्वासित करने के लिये चलाये जा रहे "अविवेकपूर्ण" अभियान पर चिन्ता जताई गई है।

न्यायमूर्ति संजय करोल और सतीश चन्द्र शर्मा की बैंच ने सुझाव दिया कि उचित राहत पाने के लिये वादी संगठन गौहाटी उच्च न्यायालय जाये।

अदालत ने कहा, "कृपया गौहाटी उच्च न्यायालय जायें। हम इसे (याचिका) खारिज कर रहे हैं।"

असम के बोडोलैंड में काम कर रहे सामाजिक एवं विद्यार्थी संगठन एबीएमएसयू द्वारा दायर याचिका में असम पुलिस एवं प्रशासन -तंत्र द्वारा चलाये जा रहे निर्वासन के तरीके पर सवाल खड़े किये गये हैं। संगठन का कहना है कि पुलिस और प्रशासन संविधान या सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित बचाव तथा न्यायिक प्रक्रिया को अपनाये बिना अनौपचारिक "पुश बैक" तरीका काम में ले रहे हैं।

- सुप्रीम कोर्ट ने यह याचिका वापस लौटाते हुए कहा, याचिकाकर्ता को पहले गौहाटी हाई कोर्ट में राहत की अपील करनी चाहिए। वहाँ रिलीफ न मिलने के बाद ही उन्हें सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे खटखटाने चाहिए।

एडवोकेट अदील अहमद के माध्यम से दायर इस याचिका में कहा गया है, "यह "पुश बैक" नीति, जो धुबरी, दक्षिण शालमारा तथा गोलपारा जैसे सीमावर्ती जिलों में चलाई जा रही है, न केवल कानूनी रुप से अनुचित है, बल्कि यह भारतीय नागरिकों को राज्यविहीन बना रही है। इन लोगों में वे गरीब एवं वंचित लोग शामिल हैं, जिन्हें एक पक्षीय तौर पर विदेशी घोषित कर दिया गया है तथा वे इस स्थिति को चुनौती देने के लिये कानून का सहारा भी नहीं ले सकते हैं।"

याचिका में आगे कहा गया है कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

निर्विरोध चुने जा सकते हैं तमिलनाडु से सभी 6 राज्यसभा सदस्य

चेन्नई, 02 जून। तमिलनाडु में 19 जून को होने वाले द्विवार्षिक राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया सोमवार को शुरू हो गयी। सत्तारूढ़ द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) नेतृत्व वाले मोर्चे के चार और विपक्षी अन्नाद्रमुक नेतृत्व वाले गठबंधन के दो उम्मीदवारों के निर्विरोध चुने जाने की संभावना है।

रिटायर हो रहे छह मौजूदा सांसदों

- इनमें में 4 द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन से व दो अन्नाद्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन से होंगे।

में से पांच द्रमुक से हैं (जिसमें एक उसके सहयोगी एमडीएमके का है) और अन्नाद्रमुक के पूर्व सहयोगी पीएमके के पास एक सीट है। तमिलनाडु के छह सांसदों डॉ अंबुमणि रामदास (पीएमके), एम षणमुगम, एन चंद्रशेखरन, एम मोहम्मद अब्दुल्ला, पी विल्सन (सभी द्रमुक) और वाइको (एमडीएमके) का कार्यकाल 24 जुलाई को समाप्त हो जाएगा।

'इलाज के लिए घंटों इंतजार कराया, अन्ततोगत्वा दुष्कर्म पीड़ित बालिका ने दम तोड़ा'

बिहार में समूचे विपक्ष ने यह आरोप लगाते हुए बालिका की मृत्यु के लिए नीतीश सरकार को जिम्मेवार ठहराया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 जून। बिहार के मुज़फ्फरपुर जिले में नौ वर्ष की एक दलित बालिका, जिसके साथ गत सप्ताह कथित रुप से दुष्कर्म हुआ तथा नृशंस हमला किया गया, की मृत्यु से राज्य में एक राजनैतिक तूफान खड़ा हो गया है। विपक्ष इस अमानवीय घटना के लिये नीतीश कुमार सरकार को जिम्मेदार ठहरा रहा है।

स्थानीय मीडिया के अनुसार, आरोपी, जिसकी पहचान रोहित साहनी के रुप में हुई है, बालिका को कथित रुप से स्नैक्स का लालच देकर एक निर्जन स्थान पर ले गया, उसके साथ दुष्कर्म किया तथा उसके बाद, उसका गला चीर कर, वहाँ से भाग गया। बाद में, उसकी माँ को बेटी अर्द्धनग्न एवं लहुलुहान स्थिति में मिली।

बताया जाता है कि बालिका को पहले मुज़फ्फरपुर के श्रीकृष्ण मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एसकेएम सीएच) ले जाया गया, किन्तु बाद में उसे पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (पीएमसीएच) रैफर कर दिया गया।

लड़की के परिवार ने आरोप लगाया है कि शनिवार को पीएमसीएच के बाहर छः घंटे तक इन्तजार करने के बाद, उसे अस्पताल में देखा गया। रविवार को लड़की की मृत्यु हो गई।

हालाँकि पीएमसीएच के अधिकारियों ने इलाज में किसी प्रकार के विलम्ब से इनकार किया है, लेकिन इस घटना से राज्य में राजनैतिक बवाल मच गया है। विपक्षी दल कानून-व्यवस्था एवं इलाज में विलम्ब को लेकर नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली भाजपा-जेडीयू सरकार पर निशाना साध रहे हैं।

राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "दुष्कर्म के बाद जीवित बची मुज़फ्फरपुर की बेटी की मौत हो गई। "कुर्सी कुमार" का निर्मम एवं निष्क्रिय तन्त्र जीत गया। अमीर और गरीब के बीच फर्क करने वाला तन्त्र जीत गया और मानवता मर गई।"

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी राज्य सरकार की आलोचना की है। उन्होंने "एक्स" पर पोस्ट किया, "मुज़फ्फरपुर एक नाबलिग दलित के साथ की गई नृशंसता और उसके बाद, उसके इलाज में की गई उपेक्षा बहुत शर्मनाक है। अगर उसे समय पर इलाज मिल गया होता तो वह बचाई जा सकती थी। लेकिन डबल इंजन सरकार ने उसे सुरक्षा उपलब्ध

- सूत्रों के अनुसार, 9 वर्षीय बालिका को बेहद गंभीर अवस्था में श्रीकृष्ण मैडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां से उसे पटना मैडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल रैफर किया गया।
- बालिका के परिजनों ने आरोप लगाया कि शनिवार को पटना मैडिकल कॉलेज के बाहर उन्हें 6 घंटे तक इंतजार करना पड़ा।
- परिजनों और विपक्ष का आरोप है कि देरी के कारण बालिका की मौत हो गई।
- बिहार ही नहीं देशभर के सभी विपक्षी नेताओं ने इस घटना के लिए नीतीश सरकार को घेरा है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मंदिर से लौट रहे झालावाड़ भाजपा नेता की दिन दहाड़े हत्या

झालावाड़, 2 जून। मंडावर थाना क्षेत्र में भाजपा नेता सुरेन्द्र मेवाड़ा की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि सुरेन्द्र मेवाड़ा रोज की तरह मंदिर दर्शन के लिए गए

- मृतक भाजपा नेता का नाम 2012 के चर्चित सत्तू चौधरी हत्याकांड से जुड़ा रहा है। इस वारदात को भी उस मामले से जोड़ कर देखा जा रहा है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सेना के ईसाई अफसर की बर्खास्तगी को उचित माना दिल्ली हाई कोर्ट ने

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 जून। दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक ईसाई सेना अधिकारी की सेवाओं की समाप्ति को सही ठहराते हुए कहा है कि सशस्त्र बलों की एकता धर्म में विभाजित होने के बजाय उनकी वर्दी में निहित है। यह अधिकारी नियमित रेजीमेंटल धार्मिक परेडों में भागीदारी से लगातार इनकार करता रहा है।

न्यायमूर्ति नवीन चावला और शालिंदर कौर की पीठ ने भारतीय सेना के लेफ्टिनेंट द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने 3 मार्च 2021 को पारित उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसके तहत उन्हें पेंशन और ग्रेच्युटी के बिना सेना से बर्खास्त कर दिया गया था। वे एक स्क्वॉड्रन में "ट्रुप लीडर" के पद पर कार्यरत थे।

अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता ने अपने धर्म को अपने वरिष्ठ अधिकारी के वैध आदेश से ऊपर रखा, और सेना अधिनियम के तहत यह अवज्ञा एक अपराध है।

पीठ ने कहा, "इस मामले में प्रश्न धार्मिक स्वतंत्रता का नहीं, बल्कि अपने वरिष्ठ के वैध आदेश का पालन करने का है। याचिकाकर्ता ने यह स्वीकार किया है कि उसके वरिष्ठ अधिकारी उसे धार्मिक परेड में भाग लेने के लिए, यहां तक कि मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश कर कुछ अनुष्ठान करने को कह चुके थे, ताकि जवानों का मनोबल बढ़ाया जा सके। इस स्थिति में, याचिकाकर्ता ने अपने धर्म को सैन्य अनुशासन से ऊपर रखा, जो स्पष्ट रूप से अनुशासनहीनता है।"

अदालत ने आगे कहा,

"हमारे सशस्त्र बल विभिन्न धर्मों, जातियों, क्षेत्रों और मान्यताओं से आने वाले सैनिकों से मिलकर बने हैं, जिनका एकमात्र उद्देश्य देश की रक्षा करना है। इसलिए वे धर्म से नहीं, बल्कि अपनी वर्दी से एकजुट होते हैं।"

- न्यायालय का मत था कि बर्खास्त अफसर ने अपने धर्म को अपने वरिष्ठ अधिकारी को कानून संगत आदेश से ऊपर माना, यह अनुशासनहीनता है, आर्मी एक्ट के अनुसार, इस अफसर को बर्खास्त करना सही था
- यह अफसर लगातार साप्ताहिक रैजीमेंटल धार्मिक परेड में भाग लेने से मना करता रहा। इसे सरासर अनुचित माना न्यायालय ने।
- न्यायालय के अनुसार, अपनी यूनिफॉर्म में सब एक होते हैं तथा धर्म उन्हें नहीं बांट सकता।

याचिकाकर्ता ने अदालत में कहा कि उनकी रेजीमेंट में केवल एक मंदिर और एक गुरुद्वारा ही धार्मिक ज़रूरतों के लिए उपलब्ध है, जबकि वे एक ईश्वरवादी ईसाई धर्म के हैं। उन्होंने मांग की थी कि जब वे अपने सैनिकों के साथ साप्ताहिक धार्मिक परेड में शामिल हों तो उन्हें मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश करने से छूट दी जाए।

सेना के अधिकारियों ने उनके निष्कासन का बचाव करते हुए बताया कि उन्हें समझाने के प्रयास किए गए, अन्य ईसाई अधिकारियों और स्थानीय चर्च के पादरी के माध्यम से भी बातचीत हुई।

पादरी ने उन्हें बताया कि सर्व धर्म स्थल में अपने कर्तव्यों के निर्वहन हेतु जाना उनके ईसाई धर्म के विरुद्ध नहीं है, लेकिन अधिकारी अपने रुख पर अड़े रहे।

30 मई को दिए गए निर्णय में, अदालत ने सीमा पर दिन-रात विपरीत परिस्थितियों में डटे रहने वाले सैनिकों को सलाम करते हुए कहा कि वर्दी में एकरूपता और सभी धर्मों का सम्मान सैन्य अनुशासन और समन्वित कार्यप्रणाली के लिए अत्यंत आवश्यक है। सेना की आत्मा धर्म से पहले राष्ट्र को मानती है।

अदालत ने यह भी कहा कि हालाँकि कुछ रेजीमेंट के नाम ऐतिहासिक कारणों से धर्म या क्षेत्र से जुड़े हो सकते हैं, लेकिन इससे सेना के धर्मनिरपेक्ष चरित्र पर कोई आंच नहीं आती। धार्मिक नारे केवल प्रेरणादायक उद्देश्यों के लिए होते हैं, जिनका उद्देश्य सैनिकों में एकता और सहयोग की भावना को बढ़ाना होता है।

कोर्ट ने यह भी कहा कि इस केस में सेना प्रमुख ने याचिकाकर्ता के आचरण को सैन्य मूल्यों का उल्लंघन माना है और जब तक यह निर्णय स्पष्ट रूप से मनमाना न हो, अदालत को उसमें हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।

कोर्ट ने कहा: हालाँकि इस बात को नकारा नहीं जा सकता कि याचिकाकर्ता को अपने धर्म का पालन करने का अधिकार है, लेकिन एक कमांडिंग ऑफिसर के तौर पर उस पर अतिरिक्त जिम्मेदारियाँ भी हैं - युद्ध के समय नेतृत्व करना, सैनिकों को प्रेरित करना, उनमें अपनापन और विश्वास की भावना विकसित करना।

इसलिए, अदालत ने निष्कर्ष निकाला कि बार-बार समझाने और कई अवसर दिए जाने के बावजूद याचिकाकर्ता का साप्ताहिक रेजीमेंटल धार्मिक परेड में पूरी तरह भाग न लेना, यह दर्शाता है कि वह सैन्य सेवा की आवश्यकताओं के अनुरूप खुद को ढालने को तैयार नहीं था।

पद रिक्त नहीं हो तो सृजित करके नियुक्ति दें

जयपुर, 2 जून। राजस्थान हाईकोर्ट ने नर्सिंग ऑफिसर भर्ती-2023 में याचिकाकर्ता को एससी तलाकशुदा कोटे में समस्त परिलाभ सहित नियुक्ति देने को कहा है। अदालत ने कहा है कि यदि भर्ती के पद रिक्त नहीं है तो याचिकाकर्ता के लिए पद सृजित किया जाए। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने ये आदेश सुनील कुमारी सामरिया की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

- हाई कोर्ट नर्सिंग ऑफिसर भर्ती-2023 में याचिकाकर्ता को एससी तलाकशुदा कोटे में समस्त परिलाभ सहित नियुक्ति देने के आदेश दिये।

याचिका में अधिवक्ता आरपी सैनी ने बताया कि याचिकाकर्ता ने नर्सिंग ऑफिसर भर्ती-2023 में एससी महिला

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

घृणा हृदय का पागलपन है। –बायरन

हम गर्व किस बात पर करें?

गत कुछ दिनों से मैं एक धर्म संकट में हूं। यह समझ में नहीं आ रहा है कि मैं देश की आर्थिक स्थिति पर गर्व करूं अथवा शर्मिंदा होऊं? हाल ही में नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी कि भारत, जापान को पीछे छोड़ कर अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। हालांकि आई एम एफ ने शीघ्र स्पष्ट कर दिया कि वास्तव में जापान से अधिक जीडीपी भारत की इस वर्ष के अंत अर्थात दिसंबर 2025 तक होने की संभावना है। खैर, हम इस बहस को फिलहाल छोड़ देते हैं कि हम अभी चौथी सबसे बड़ी अर्थ व्यवस्था बन चुके हैं या दिसंबर 2025 तक बनेंगे।

कुछ भी हो, यह किसी भी भारतीय के लिए गर्व से सिर ऊंचा करने के लिए एक पर्याप्त अवसर है। प्रधानमंत्री जी से लेकर भाजपा के सभी नेता प्रतिदिन भारत के नागरिकों को यह याद दिला भी रहे हैं। यह कहा जाता है कि हम विश्व की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था भी हैं। मुझे गर्व करने का मन इसलिए भी होता है कि भारतीय मूल के व्यक्ति बड़ी-बड़ी बहु राष्ट्रीय कंपनियों में उच्च पदों पर पदस्थापित हैं। यूनिकॉर्न उद्यमियों की संख्या हमारे यहां पर तेजी से बढ़ रही है।

जब मैं इस नवीनतम उपलब्धि के बारे में सोच ही रहा था और अपने आप को सातवें आसमान पर अनुभव करने लगा था कि तभी कुछ और तथ्य एवं जानकारी सामने आती है, जिसके कारण इस उपलब्धि के दूसरे पहलू की ओर भी सोचने को बाध्य हुआ।

जापान और भारत, दोनों की जी डी पी लगभग 4.2 ट्रिलियन डॉलर है किंतु जापान की जनसंख्या 10 करोड़ है जबकि भारत की 145 करोड़ है।

जापान की प्रति व्यक्ति आय 35000 डॉलर है जबकि भारत की प्रति व्यक्ति आय लगभग 2800 डॉलर है।

पाठकों के लिए यह जानना दिलचस्प होगा कि चीन की जीडीपी भारत से लगभग पांच गुना और अमेरिका की जीडीपी भारत से लगभग 8 गुना है।

कई पाठकों को शायद यह नहीं पता हो कि जीडीपी की गणना किस प्रकार की जाती है? वैसे तो इसकी सही परिभाषा अर्थशास्त्री ही बता सकते हैं, किंतु एक सामान्य जिज्ञासु नागरिक के नाते जब मैने इसके बारे में जानने का प्रयास किया तो पता लगा कि देश के सभी नागरिकों द्वारा प्रति वर्ष किए जाने वाले व्यय का योग जीडीपी कहा जा सकता है। दूसरा तरीका यह है कि देश में उत्पादित सभी वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य का योग जीडीपी कहलाता है। एक तीसरा तरीका यह है कि देश के सभी लोगों की आय का कुल योग जी डी पी होती है। इसके साथ ही, वर्तमान बाजार मूल्य और किसी किसी एक संदर्भ वर्ष के आधार पर जीडीपी की गणना की जा सकती है। इसके अलावा किसी भी देश की मुद्रा की क्रय शक्ति कितनी है, उसके आधार पर भी इसका एडजस्टमेंट किया जाता है। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि जिस देश को जिस प्रकार का तरीका पसंद होगा उसी अनुसार अपने देश की जीडीपी की गणना करके अपने आप को बड़ी अर्थव्यवस्था घोषित कर सकता है।

मुख्य प्रश्न तो यह है कि क्या अधिक जीडीपी के कारण हम अपने देश पर गर्व कर सकते हैं? इसका उत्तर देने से पूर्व हमें निम्न बातों का भी ध्यान रखना होगा:–

किसी मैरिज गार्डन या किसी के घर में बड़ी पार्टी के बाद, झूठे डाले गए भोजन की प्लेटों में से बच्चों द्वारा चुन चुन कर कुछ बची हुई सामग्री को उठाकर खाने और अपने घर के अन्य लोगों के लिए इकट्ठा करने के दृश्य आम हैं।

हजारों बच्चे, बिना चप्पलों और बिना पर्याप्त कपड़ों के, सड़क पर फेंके हुए कचरे में से कचरा बीनते दिखाई देते हैं।

जयपुर में एक निर्धन परिवार की महिला को सड़क पर ही प्रसव करने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि अस्पताल ने उसे भर्ती करने के लिए इंकार कर दिया था.

संपत्ति के वितरण में भारत में सबसे अधिक असमानता है। यहां की एक प्रतिशत जनसंख्या के पास देश की कुल संपत्ति का लगभग 40 प्रतिशत है, जब कि निचली 50 प्रतिशत जनसंख्या के पास कुल संपत्ति का मात्र 1 प्रतिशत है।

भारत के क्रिकेट खिलाड़ी ऋषभ पंत को आईपीएल में एक रन बनाने पर जितना पैसा मिलता है, उतना पैसा तो भारत के 99 प्रतिशत लोग साल भर में भी नहीं कमा पाते। केवल एक प्रतिशत लोग ऐसे हैं जिनकी सालाना आय ऋषभ पंत की एक गेंद पर होने वाली आमदनी 10 लाख रुपए से अधिक है।

देश की लगभग 80 करोड़ जनसंख्या सरकार द्वारा दिए जा रहे मुफ्त राशन पर निर्भर हैं।

देश में लगभग 20 करोड लोग ऐसे हैं जो प्रतिदिन रात्रि को भूखे ही सोते हैं।

समाप्त होती सरकारी नौकरियों के कारण अच्छे खासे पढ़े-लिखे युवा डिलीवरी बॉय बनकर रह गए हैं। आप यदि किसी भी शहर में सड़क पर जा रहे हों, तो आपको तेज गति से मोटरसाइकिल पर पीछे बड़ा सा बॉक्स लटकाए हुए, तेजी से जाता हुआ युवा दिखाई दे, तो मान लीजिए कि वह देश का 'भविष्य' जा रहा है, जो एम ए, पीएच डी या बीटेक करने के बाद भी समुचित नौकरी नहीं मिलने के कारण पिज़्ज़ा या बर्गर किसी दुकान से घर तक पहुंचाने के काम में लगा हुआ है। कम समय में घरों पर डिलीवरी करने के लिए मिलने वाली प्रोत्साहन राशि के लोभ में वे कई बार लाल बत्ती को भी पार करने में नहीं हिचकते और अपनी जान जोखिम में डाल देते हैं। इस कारण होने वाली दुर्घटनाओं के समाचार हम नियमित रूप के पढ़ते हैं। हमारे युवाओं की यह स्थिति संकेत नहीं करती कि देश में कैसे हालात हैं?

वर्तमान में देश की 10-20 प्रतिशत जनता वास्तव में ऐसी है, जो देश पर गर्व कर सके। शेष जनता तो तब ही गर्व कर पाएगी जब प्रत्येक बच्चे को अच्छी शिक्षा मिले, किसी को कच्ची बस्ती में नारकीय स्थिति में नहीं रहना पड़े, किसी व्यक्ति को सेप्टिक टैंक में उतरकर जहरीले गैस से मरने के लिए बाध्य न होना पड़े, किसी भी बच्चे को होटल में बर्तन साफ नहीं करने पड़ें, जहां महिलाएं देश में किसी भी स्थान पर, किसी भी समय बे रोक-टोक जाने में अपने आप को सुरक्षित अनुभव करती हों।

जब कोई युवक गांव से शहर में आकर कोई थड़ी/ठेला लगाकर या छोटा-मोटा सामान बेचने का प्रयास करता है तो उससे भी पुलिस या नगर निगम के कर्मचारी प्रति माह 2000-3000 रुपए वसूली करने से नहीं चूकते। यदि कोई इस मासिक 'प्रक्रिया' में हिस्सेदारी निभाने में आनाकानी करे तो उसका ठेला उलटने में कोई समय नहीं लगाया जाता। गरीबों पर कानून लागू करने में हमारा पुलिस प्रशासन, नगर निगम और जेडीए प्रशासन सबसे अधिक तत्पर दिखाई देता है, चाहे उनकी इस 'अतिरिक्त तत्परता' के कारण निर्धन परिवार के सदस्यों को रात्रि को बिना भोजन के भूखा ही क्यों सोना पड़े?

देश में 30 प्रतिशत आबादी कच्चे या अनधिकृत घरों में रहती है। अनेक परिवार पानी के बड़े पाइपों के अंदर सोते हैं। जिन कच्ची बस्तियों में घास फूस के घर बना कर ये रहते हैं, पता नहीं, नगर विकास का अधिकारी आकर उन्हें भी कब तोड़ जाए। कई बार तो इन्हें केवल अपने स्थान पर बने रहने के लिए 'मंथली' राशि संबंधित थाने, नगर निगम या जे डी ए के अधिकारियों तक पहुंचाने होती है।

जिन बच्चों पर देश का भविष्य टिका है, उनमें से अधिकांश निम्न स्तर की शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। विभिन्न प्रकार के सर्वेक्षणों से यह तो स्पष्ट हो ही गया है कि पांचवी या छठी क्लास के बच्चे पहली या दूसरी क्लास की साधारण किताब भी नहीं पढ़ सकते हैं ।

देश में भूखे रहकर सोने वालों, बिना समुचित मकान के रहने वालों एवं कुपोषित बच्चों और व्यक्तियों की संख्या, किसी भी गरीब अफ्रीकी देश से भी अधिक है। प्रति व्यक्ति आय में हम 145वें स्थान पर हैं। वैसे यह प्रति व्यक्ति आय भी कोई विशेष मायने नहीं रखती क्योंकि यह औसत को दर्शाती है, जबकि बहुत बड़ी आबादी के पास मूलभूत आवश्यकता की पूर्ति के साधन भी उपलब्ध नहीं हैं ।

ऐसी स्थिति के कारण जब शर्मिंदा होने लगा, तब ही विचार आ गया कि भारत विशिष्ट अंतरिक्ष क्लब में शामिल है, भारत न्यूक्लियर क्लब में भी शामिल है और ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से हमने पाकिस्तान को धूल चटाई है। इसी समय, मेरे मन में यहां की चमचमाती हाईवे पर चलने वाली एक से एक आधुनिक सरपट दौड़ती हुई गाड़ियों के दृश्य दिखाई दिए। क्लबों, विदेश, यात्राओं और शदियों में अनाप-शनाप खर्च करने वालों का भी ध्यान आ जाता है, जिनकी संख्या बढ़ती जा रही है।

जब मैं असमंजस में था कि मैं गर्व करूं अथवा शर्मिंदा होऊं, प्रधानमंत्री ने गांधीनगर, गुजरात में एक सार्वजनिक सभा में 2047 तक विकसित भारत की बात करते हुए सब भारतीयों का आव्हान किया कि वे विदेशी वस्तुओं का उपयोग बंद करें। उन्होंने कहा कि आज दिन-प्रतिदिन काम आने वाली छोटी से छोटी चीज भी विदेशी है। इसकी व्यावहारिकता के बारे में सोचने लगा तो पाया कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में विदेशी वस्तुएं इतनी घर कर गई हैं कि उनके बिना रहना अकल्पनीय दिखाई देता है। गांव या शहर, गरीब या अमीर, सभी प्रातःकाल से शाम तक किसी न किसी विदेशी वस्तु का उपयोग करते हैं। उदाहरण के लिए जिस हवाई जहाज में प्रधानमंत्री जी यात्रा करते हैं वह विदेश में बना है, भारतीय यात्री भी विदेशी विमान से ही यात्रा करते हैं, हर कार्य स्थल या निवास पर एयर कंडीशनर विदेशी है। आजकल तो जूते, कपड़े सब विदेशी ब्रांड के हैं, यहां तक कि कंप्यूटर, लैपटॉप, मोबाइल, गूगल, व्हाट्सएप, फेसबुक सब विदेशी हैं। तो क्या इन सब का उपयोग करना बंद कर दें? यहां तक कि, पूजा सामग्री, गणेश मूर्ति, दिवाली पर लगने वाली एलइडी की लड़ियां, सब विदेशी हैं। यही नहीं, राफेल फाइटर प्लेन भी, जो अभी भारत ने हाल ही खरीदे, वह भी तो हमारे नहीं हैं। मेरे विचार से आत्मनिर्भरता का यह अर्थ नहीं है कि हम किसी भी विदेशी वस्तु का उपयोग न करें। आज पूरा विश्व एक वैश्विक गांव बन गया है, जहां सब एक-दूसरे पर अंतर निर्भर हैं। ऐसी स्थिति में इस अपील का क्या तात्पर्य है, यह तो प्रधानमंत्री जी स्वयं ही अपने किसी अगले उद्बोधन में विस्तार से समझा सकते हैं। यदि भाजपा समर्थक उद्योगपति या व्यापारी इसकी शुरुआत करते हुए अपने शोरूम/दुकान में केवल वही सामान रखें जो विदेशी न हो, तो यह अन्य देश वासियों के लिए अनुकरणीय उदाहरण होगा।

इस विषय पर पूरा मंथन और चिंतन करने के बाद मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि वर्तमान में देश की 10-20 प्रतिशत जनता वास्तव में ऐसी है, जो देश पर गर्व कर सके। शेष जनता तो तब ही गर्व कर पाएगी जब प्रत्येक बच्चे को अच्छी शिक्षा मिले, किसी को कच्ची बस्ती में नारकीय स्थिति में नहीं रहना पड़े, किसी व्यक्ति को सेप्टिक टैंक में उतरकर जहरीले गैस से मरने के लिए बाध्य न होना पड़े, किसी भी बच्चे को होटल में बर्तन साफ नहीं करने पड़ें, जहां महिलाएं देश में किसी भी स्थान पर, किसी भी समय बे रोक-टोक जाने में अपने आप को सुरक्षित अनुभव करती हों ।

यदि ऐसा हुआ तो देश के डेढ़ सौ करोड़ लोग एक साथ देश पर गर्व करेंगे और जश्न भी मनाएंगे। फिलहाल तो हम उस दिन की प्रतीक्षा ही करेंगे। यदि हम वर्तमान स्थिति पर गर्व करना प्रारंभ कर देंगे तो यह देश की 80 प्रतिशत आबादी के घाव पर नमक छिड़कने जैसा होगा। यह अपराध में नहीं करना चाहता हूं।

अत: फिलहाल, मैं ना शर्मिंदा हूं न गर्वित। अभी तो मैं स्थिति को बेहतर बनाने में मनोयोग से अपना योगदान करने के लिए तत्पर होने का संकल्प अवश्य लेता हूं ।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

खमीरा कला: दीवारों की वो कला जो मिट्टी से जन्मी है

अविनाश जोशी

राजस्थान, जहाँ की मिट्टी में लोकगाथाएँ जन्म लेती हैं और रंगों की भाषा में संस्कृति जीवित रहती है, वहाँ की लोककलाएँ केवल शिल्प नहीं, आत्मा की अनुभूति हैं। इन्हीं कलाओं में एक विशिष्ट परंपरा है 'खमीरा कला' यह कला दीवारों पर मिट्टी, गोबर, चूना और प्राकृतिक तत्वों से उभरी आकृतियों के माध्यम से सृजन का ऐसा संसार रचती है, जहाँ केवल सौंदर्य नहीं, आस्था, परंपरा और लोकसंस्कृति भी आकार पाती है।

खमीरा कला का नाम उसके मुख्य घटक 'खमीरा' से ही लिया गया है। यह मिश्रण चूना, गाय के गोबर, नीम की राख, स्थानीय रेत और कभी-कभी हल्के प्राकृतिक रंगों को मिलाकर तैयार किया जाता है। यह मिश्रण साधारण नहीं, बल्कि लोकज्ञान का परिणाम है। यह न केवल दीवारों को मजबूत करता है, बल्कि उन्हें जीवंत बना देता है। जब कोई ग्रामीण स्त्री अपनी हथेली या लकड़ी के उपकरण से इस खमीरे को दीवार पर चढ़ाकर आकृतियाँ बनाती है, तो उसमें केवल मिट्टी नहीं, पीढ़ियों की स्मृति, जीवन की आस्था और पारंपरिक सौंदर्यबोध भी समाहित होता है।

यह कला विशेष अवसरों पर जैसे विवाह, दीपावली, नवरात्रि, गणगौर, गोगाजी पूजा आदि पर घर की भींतों, दरवाज़ों, चौखटों और पूजा स्थलों पर रची जाती है। इन अवसरों पर खमीरे से उकेरे जाने वाले चित्र केवल सजावटी आकृतियाँ नहीं होते, वे मंगल प्रतीकों के रूप में घर की पवित्रता और समृद्धि की कामना का प्रतीक होते हैं। सूरज समृद्धि का द्योतक है, कमल सौभाग्य का, मोर रंगीन जीवन और सौंदर्य का, तो वहीं बेल-बूटे जीवन की निरंतरता और प्रकृति से सामंजस्य का संकेत देते हैं। इन आकृतियों को बनाते समय कलाकार किसी पंथ या वर्ग की सीमा में बंधा नहीं होता, बल्कि वह लोकमान्यताओं और प्रकृति से प्रेरणा लेकर रचना करता है।

खमीरा कला को पीढ़ियों से ग्रामीण महिलाओं द्वारा संरक्षित और संवर्धित किया गया है। यह उनकी रचनात्मकता का परिणाम है, जिसे उन्होंने अनौपचारिक शिक्षा, पारिवारिक परंपरा और लोकानुभवों के माध्यम से सीखा और सहेजा है। इन महिलाओं के लिए यह कला केवल दीवार की सजावट नहीं, उनके जीवन और श्रम सौंदर्य की अभिव्यक्ति है। वे जब इस शिल्प में रची-बसी होती हैं, तो वह कला साधना बन जाती है, ऐसी साधना जिसमें भौतिकता से परे जाकर एक सांस्कृतिक आत्मा आकार पाती है।

वर्तमान समय में खमीरा कला का अस्तित्व कुछ सीमित क्षेत्रों में ही रह गया है। राजस्थान के नागौर, जैसलमेर, बाड़मेर, चूरू, अलवर और झुंझुनू जैसे जिलों में आज भी यह कला जीवित है। नागौर जिले के कुठाला गाँव में श्रीमती गीता देवी जैसी लोक कलाकार आज भी विवाह और त्योहारों पर इस कला को सहेजकर अगली पीढ़ी को सिखा रही हैं। उनका मानना है कि यह केवल शिल्प नहीं, हमारे संस्कारों की दीवार है। जैसलमेर के कुछ गाँवों में गणगौर और गोगाजी पूजा के अवसरों पर खमीरे से अश्वारोही आकृतियाँ और पुष्प श्रृंखलाएँ दरवाज़ों के ऊपर बनाई जाती हैं। यह परंपरा वहाँ के भाटी राजपूत और हरिजन समुदायों में विशेष रूप से प्रचलित है।

चूरू की पुरानी हवेलियाँ खमीरा कला की भव्यता का उदाहरण हैं। यहाँ परंपरागत शैली को मुगल बेलबूटों और स्थानीय चित्रकला से जोड़ते हुए अत्यंत जटिल सजावट की जाती थी। यह शैली कभी राजपूत सेठों द्वारा संरक्षित की गई थी, जो आज भी कुछ हवेलियों में देखी जा सकती है। वहीं अलवर और झुंझुनू में दीपावली, हरियाली अमावस्या और अन्नपूर्णा पूजन जैसे त्योहारों पर यह कला घरों की अंगीठियों, चौखटों और रसोईघर की दीवारों पर विशेष रूप से अपनाई जाती है। यहाँ कुम्हार, जाट और गुर्जर समुदायों में खमीरे से मंगल प्रतीक बनाना एक सांस्कृतिक अनुष्ठान जैसा है।

हालाँकि, यह गौरवशाली परंपरा अब संकट के दौर में है। आधुनिकता, कंक्रीट दीवारें, बाजार-केन्द्रित सौंदर्यबोध और लोककलाओं के प्रति उपेक्षा के चलते खमीरा कला आज लगभग विलुप्तप्राय हो चुकी है। अधिकांश युवा इस कला से अनभिज्ञ हैं, और सरकार की ओर से भी इसके संरक्षण हेतु कोई ठोस नीति नहीं बनाई गई है। जो कलाकार आज भी इस परंपरा को बचाए हुए हैं, वे सीमित संसाधनों और सामाजिक उपेक्षा के बीच संघर्षरत हैं। चूरू के निवासी श्री देवीसिंह राठौड़, जिन्होंने अपनी पुश्तैनी हवेली की खमीरा भित्तियों का पुनरुद्धार करवाया, स्पष्ट शब्दों में कहते हैं यदि अब भी नहीं चेते, तो अगली पीढ़ी इस कला को केवल किताबों और तस्वीरों में देखेगी।

जयपुर की कुछ संस्थाएँ जरूर इस कला के पुनरुद्धार की दिशा में कार्य कर रही हैं, लेकिन यह प्रयास समुचित स्तर पर नहीं पहुँच पा रहे हैं। खमीरा कला को पुनर्जीवित करने के लिए आवश्यक है कि गाँवों में स्थानीय प्रशिक्षण केंद्र खोले जाएँ, विद्यालयों में लोककलाओं को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए, कलाकारों को आर्थिक सहायता दी जाए और डिजिटल माध्यमों से इनके कार्यों का संग्रहण व प्रचार-प्रसार किया जाए। सांस्कृतिक मेलों, शिल्प प्रदर्शनियों और अकादमिक मंचों पर इस कला को उचित स्थान देकर न केवल कलाकारों का सम्मान सुनिश्चित किया जा सकता है, बल्कि अगली पीढ़ी को इससे जोड़ा भी जा सकता है। खमीरा कला केवल दीवारों पर उकेरी गई आकृतियाँ नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक चेतना, जीवन दृष्टि और लोकआस्था का जीवंत दस्तावेज है। जब एक ग्रामीण स्त्री खमीरे से दीवार पर आकृति बनाती है, तो उसमें केवल सौंदर्य नहीं, पीढ़ियों का अनुभव, सामूहिक विश्वास और मिट्टी की आत्मा आकार पाती है। यह कला अतीत की स्मृति नहीं, वर्तमान की साँस लेती परंपरा है, जिसे सहेजना केवल कला का संरक्षण नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक ज़िम्मेदारी भी है।

यदि हम खमीरा कला को सहेज सकें, तो हम केवल एक लुप्त होती शैली को नहीं, बल्कि अपनी मिट्टी से जुड़ी पहचान, रचनात्मकता और सांस्कृतिक उत्तराधिकार को भी बचा सकेंगे। यह वह कला है जो मिट्टी से जन्मी है, और मिट्टी से ही हमारे जीवन को आकार देती है।

–अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक

शैक्षणिक स्वतंत्रता - क्या यह आवश्यक है?

अशोक कुमार

शैक्षणिक स्वतंत्रता उच्च शिक्षा में शिक्षकों, शोधकर्ताओं और छात्रों की स्वतंत्रता है कि वे अपने शैक्षणिक क्षेत्र में विचारों और निष्कर्षों की जांच, शिक्षण और चर्चा कर सकें, बिना किसी अनुचित हस्तक्षेप, प्रतिबंध या प्रशासकों, राजनीतिक हस्तियों, दाताओं या अन्य बाहरी संस्थाओं से प्रतिशोध के डर के। यह सामान्य अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से अलग है क्योंकि यह विशेष रूप से शैक्षिणक कार्य की व्यावसायिक जिम्मेदारियों और संदर्भों से जुड़ी हुई है।

शैक्षणिक स्वतंत्रता के प्रमुख पहलुओं में आम तौर पर शामिल हैं:

पढ़ाने की स्वतंत्रता: इसमें संकाय सदस्यों को पाठ्यक्रम सामग्री का चयन करने, शिक्षण विधियों को निर्धारित करने, असाइनमेंट बनाने और छात्र के प्रदर्शन का आकलन करने का अधिकार शामिल है, जब तक कि यह उनकी व्यावसायिक क्षमता और विषय वस्तु के साथ संरेखित हो।

शोध और प्रकाशन की स्वतंत्रता: शिक्षाविदों को छात्रवृत्ति के किसी भी क्षेत्र का पता लगाने, शोध करने और बिना सेंसरशिप या नियंत्रण के अपने निष्कर्षों को प्रसारित और प्रकाशित करने में सक्षम होना चाहिए, भले ही विषय या निष्कर्ष विवादास्पद हों।

आंतरिक भाषण की स्वतंत्रता: यह संकाय के अधिकार की रक्षा करता है कि वे अनुशासन के डर के बिना संस्थागत नीतियों या कार्यों के बारे में अपनी राय व्यक्त करें।

बाहरी भाषण की स्वतंत्रता: हालांकि असीमित नहीं है, लेकिन शैक्षिणक स्वतंत्रता अक्सर नागरिकों के रूप में बोलते या लिखते समय शिक्षाविदों की सुरक्षा तक फैली हुई है, हालांकि यह आमतौर पर उनकी शैक्षिणक विशेषज्ञता और स्थिति से घिरा हुआ है।

सीखने की स्वतंत्रता: छात्रों के लिए, शैक्षिणक स्वतंत्रता का अर्थ है प्रशिक्षकों से अनुचित व्यवहार या प्रतिशोध के डर के बिना विचारों को तलाशने, चुनौती देने और अपनी राय व्यक्त करने का अधिकार, और खुली बहस में शामिल होना।

क्या यह किसी संस्थान की प्रगति के लिए शैक्षिणक स्वतंत्रता आवश्यक है?

शैक्षिणक स्वतंत्रता को व्यापक रूप से किसी संस्थान की प्रगति के लिए और विस्तार से, पूरे समाज के लिए आवश्यक माना जाता है। सत्य की खोज और ज्ञान की उन्नित को बढ़ावा देता है: इसके मूल में, एक विश्वविद्यालय का मिशन ज्ञान की खोज और प्रसार करना है। शैक्षिणक स्वतंत्रता के बिना, विद्वान विवादास्पद या चुनौतीपूर्ण विषयों का पता लगाने में हिचकिचाएंगे, जिससे विचारों में ठहराव आएगा और स्थापित मानदंडों पर सवाल उठाने में अनिच्छा होगी। यह बौद्धिक जांच के उद्देश्य में बाधा डालता है।

आलोचनात्मक सोच और नवाचार को बढ़ावा देता है: शैक्षिणक स्वतंत्रता दृष्टिकोण, कार्यप्रणाली और सिद्धांतों की विविधता का पता लगाने की अनुमति देती है। यह खुला वातावरण आलोचनात्मक सोच, बौद्धिक बहस और विज्ञान और प्रौद्योगिकी से लेकर मानविकी और सामाजिक न्याय तक विभिन्न क्षेत्रों में नए समाधानों और सफलताओं के विकास को प्रोत्साहित करता है।

शीर्ष प्रतिभाओं को आकर्षित करता है और उन्हें बनाए रखता है: अग्रणी विद्वान और शोधकर्ता ऐसे संस्थानों की ओर आकर्षित होते हैं जहाँ वे बिना किसी अनुचित हस्तक्षेप के अपने बौद्धिक हितों को आगे बढ़ा सकते हैं। शैक्षिणक स्वतंत्रता के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता उच्च गुणवत्ता वाले संकाय और छात्रों के लिए एक चुंबक है, जो संस्थान की प्रतिष्ठा और क्षमताओं को बढ़ाता है।

शिक्षा और शोध की गुणवत्ता को बढ़ाता है: जब संकाय छात्रों की जरूरतों और रुचियों को पूरा करने के लिए अपने शिक्षण विधियों और पाठ्यक्रम सामग्री को अनुकूलित करने के लिए स्वतंत्र होते हैं, और जब शोधकर्ता कठोर और निष्पक्ष जांच कर सकते हैं, तो शिक्षा और शोध की समग्र गुणवत्ता में काफी सुधार होता है। यह सुनिश्चित करता है कि संस्थान अच्छी तरह से विकसित स्नातक और प्रभावशाली शोध का उत्पादन करता है।

संस्थानों को आम अच्छे की सेवा करने की अनुमति देता है: विश्वविद्यालय सार्वजनिक प्रवचन को सूचित करने, सत्ता को जवाबदेह ठहराने और सामाजिक चुनौतियों का समाधान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शैक्षिणक स्वतंत्रता उन्हें शिक्षाविदों को सत्ता के सामने सच बोलने, स्वतंत्र विश्लेषण करने और पेशेवर नतीजों के डर के बिना सामाजिक और राजनीतिक आलोचना में संलग्न होने की अनुमति देकर इस भूमिका को पूरा करने में सक्षम बनाती है।

संस्थागत स्वायत्तता की रक्षा करता है: शैक्षिणक स्वतंत्रता संस्थागत स्वायत्तता से निकटता से जुड़ी हुई है यह एक बुनियादी सिद्धांत है जो किसी भी शैक्षिणक संस्थान की बौद्धिक जीवंतता, नवाचार और सामाजिक योगदान को रेखांकित करता है। इसके बिना, संस्थानों के प्रतिध्वनि कक्ष बनने, रचनात्मकता को दबाने और अंततः ज्ञान को आगे बढ़ाने और सार्वजनिक भलाई की सेवा करने के अपने मिशन में विफल होने का जोखिम है।

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर,
गोरखपुर विश्वविद्यालय,
विभागाध्यक्ष राजस्थान
विश्वविद्यालय जयपुर

भरतपुर जिले में मेधावी छात्राओं को नहीं मिली स्कूटी

भरतपुर, (निसं)। मेधावी छात्राओं के लिए खरीदी गई स्कूटी कबाड़ होने के कगार पर पहुंच चुकी है। सत्र 2023 और 2024 की छात्राओं के लिए यह स्कूटी वितरित होनी थी, लेकिन कई छात्राओं का आरोप है कि उन्हें स्कूटी नहीं मिली है, जबकि उनका नाम लिस्ट में है। आरडी गर्ल्स कॉलेज प्रशासन का कहना है कि प्रथम चरण की छात्राओं को स्कूटी वितरित कर दी गई है और जल्द ही शेष छात्राओं को भी स्कूटी मिल जाएगी।

भरतपुर निवासी छात्रा तनु ने बताया कि उसके द्वारा दो साल पहले आमंत्रित किया गया था लेकिन अभी तक उसे स्कूटी नहीं मिली है वह कई बार कॉलेज प्रशासन से मिल चुकी है। छात्रा मीना कुमारी ने बताया कि उसके द्वारा एक साल पहले स्कूटी के लिए आमंत्रित किया गया था। उसका लिस्ट में नाम था लेकिन एक साल से कई बार चक्कर लगा चुकी है लेकिन उसे भी स्कूटी नहीं दी गई। आरडी गर्ल्स कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. सुजाता चौहान ने बताया कि इस महाविद्यालय में स्कूटी वितरण का काम सुचारू रूप से चल रहा है। सरकार की ओर से प्रथम चरण के लिए 392 स्कूटी आई थी। जिनमें से 332 स्कूटियों का वितरण कर दिया गया, जो छात्राएं डिफॉल्टर थी उन बच्चियों को स्कूटी नहीं दी गई है, जिनकी संख्या 60 के आसपास थी। दूसरे चरण में 64 स्कूटियों का वितरण होना है जिनमें हमारे पास 45 स्कूटी हैं। बाकी स्कूटियों के लिए डीलर को बोल दिया गया है और डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन का जो काम है वह चल रहा है जल्द ही छात्राओं को स्कूटी दे दी जाएगी।

मेधावी छात्राओं को मिलने वाली स्कूटी कबाड़ होने के कगार पर पहुंची।

राशिफल मंगलवार 3 जून, 2025

पंडित अनिल शर्मा

ज्येष्ठ मास, शुक्ल पक्ष, अष्टमी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2082, पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र रात्रि 12:59 तक, हर्षण योग प्रात: 8:08 तक, विष्टि करण प्रात: 9:16 तक, चन्द्रमा आज सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-कर्क, बुध-वृष, गुरू-मिथुन, शुक्र-मेष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

रवियोग रात्रि 12:59 से आरम्भ होगा। भद्रा प्रात: 9:16 तक है। आज दुर्गाष्टमी, भौमाष्टमी, धूमावती जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:01 से 10:43 तक, लाभ अमृत 10:43 से 2:07 तक, शुभ 3:49 से 5:31 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 5:37, सूर्यास्त 7:13

मेष
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

कर्क
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

कन्या
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय है। मन में असंतोष और मानसिक तनाव बना रहेगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

तुला
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

धनु
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

कुंभ
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सार-समाचार

प्रह्लाद-ध्रुव चरित्र का किया वर्णन

हिण्डौन सिटी, (निसं)। समीपवर्ती जगरोटी आंचल के देवलेन गांव में रामचरण पटेल के यहां चल रही सात दिवसीय श्रीमद भागवत कथा के तीसरे दिन श्रोताओं को एक अद्भुत आध्यात्मिक अनुभव मिला । व्यास पंडित प्रदीप शास्त्री जी ने भक्त प्रह्लाद और ध्रुव की कथा का वर्णन किया, जिसने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। कथा में शास्त्री जी ने भगवान के नाम की महिमा का विशेष वर्णन करते हुए कहा कि भक्त प्रह्लाद और ध्रुव को अपने जीवन मे कठिन परीक्षाओं का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने भगवान का नाम कभी नही छोड़ा । उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि ईश्वर प्राप्ति में आयु कोई बाधा नही है, जिसका प्रणाम है कि बाल भक्त ध्रुव को अल्पायु में ही भगवान के दर्शन प्राप्त हुए। व्यास जी ने परमात्मा प्राप्ति के दो मार्ग बताए, पहला सदमार्ग जिसे भक्त प्रह्लाद ने अपनाया और दूसरा असद मार्ग जिससे हिरणकश्यप को मोक्ष मिला। उन्होंने श्रोताओं को समझाया कि जीवन की वास्तविकता को समझते हुए हर पल सत्कर्म और भगवान के भजन करने चाहिए।भूपेन्द्र खटाना ने बताया कि शास्त्री जी द्वारा मुखारविंद से भजनों को श्रोताओं हृदय विभोर होकर नृत्य करने लगे जिसे देख पांडाल में बैठे श्रोताओं ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ भजन आनंद लिया । आयोजक समिति के राजरोसी गुर्जर, रमेश गुर्जर, हंसराज, राजेन्द्र गुर्जर, मुनीम, रामहरि, भूपेन्द्र अधैत, ईशवेन्द्र देवलेन, आलम, बाबू, मल्ला, बच्चू, भाग्यसिंह, जतन, वीरेन्द्र, जीतेन्द्र, विश्वेन्द्र, तेजेन्द्र, राहुल, गजेन्द्र, रितेश सहित सैकड़ों श्रोताओं ने कथा का रसपान कर धर्मलाभ उठाया।

फायरिंग का आरोपी गिरफ्तार

हिण्डौन सिटी, (निसं)। सदर थाना पुलिस ने फायरिंग कर जान से मारने के प्रयास के मामले में 5 हजार रुपए के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। सदर थाना प्रभारी देवेंद्र शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी पालनपुर निवासी प्रयास मीना उर्फ गोलू है। घटना 19 फरवरी की है, जब कोटरी में एक महिला दुकानदार ने सिगरेट के पैसे मांगे तो आरोपियों ने फायरिंग कर दी थी। इस घटना में महिला के पैर में गोली लगी थी। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था। इस मामले का मुख्य आरोपी रविंद्र उर्फ हिटलर मीना पहले ही गिरफ्तार हो चुका है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एसपी ने 5 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था।पुलिस को सूचना मिली कि फरार आरोपी पालनपुर में है। इस पर एएसआई बनय सिंहके नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। टीम में हेमेंद्र, संजय, समय सिंह, प्रधान, हेमराज, भूपेंद्र और अमित शामिल थे। पुलिस ने दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

आरोपी को पकड़ने की मांग

गंगापुर सिटी, (निसं)। एक महीने पहले हुई 25 लाख रुपए की ठगी के मामले में पुलिस के हाथ खाली हैं। पीडित परिवार और स्थानीय लोगों ने सोमवार को उपखंड अधिकारी और पुलिस उप अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। 21 मई की सुबह 8:30॰बजे ईदगाह मोड स्थित शनिदेव मंदिर में भागवत आचार्य जगदीश प्रसाद शर्मा पूजा करवा रहे थे। एक अनजान व्यक्ति दान देने के बहाने आया। उसने 2000 रुपए का नोट देकर 50 हजार की गड्डी दिखाई। नोट हाथ में लेते ही जगदीश प्रसाद का मानसिक संतुलन बिगड गया। आरोपी ने दो पंडितों की मौजूदगी में जगदीश प्रसाद को बातों में उलझाकर उनके घर जाने को कहा। वहां उसने किसी महिला की सोने की चूडी पर पैसे रखकर दान करने की बात कही। जगदीश प्रसाद ने अपनी पत्नी, पुत्रवधू और पुत्री को 500-500 के नोट दिए। घर पहुंचकर आरोपी ने जगदीश प्रसाद और उनकी पत्नी को एक कमरे में रोका। पुत्री और पुत्रवधू को बाहर भेज दिया। फिर घर में रखे सोने के जेवर निकलवाए और उन पर पैसे रखने का नाटक करके 25 लाख रुपए के जेवर लेकर फरार हो गया। कोतवाली थाने में एफआईआर दर्ज है। सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस को सौंपे गए हैं।

आईआईटी में पहला प्रयास और सीधा चयन

गंगापुर सिटी, (निसं)। कुहू इंटरनेशनल एकेडमी के लिए यह अत्यंत गौरव का क्षण है कि हमारे चार विद्यार्थियों ने आईआईटी जेईई एडवांस 2025 परीक्षा में प्रथम प्रयास में ही शानदार सफलता प्राप्त की है। कक्षा 12वीं के 17 विद्यार्थियों ने जेईई मैंस परीक्षा में भाग लिया था, जिनमें से 10 छात्रों ने मैन्स क्वालीफाई किया। इसके बाद, 4 विद्यार्थियों अभिषेक मीना, पूजा मीना, पूरण मीना ओर महेन्द्र जाटव ने फाइनल सलेक्शन प्राप्त कर पूरे संस्थान और गंगापुर सिटी का नाम रोशन किया। जैसे ही परीक्षा परिणाम घोषित हुआ, विद्यालय में उत्सव का माहौल बन गया। विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों ने एक-दूसरे को बधाइयाँ दीं। विद्यालय के बाहर पटाखे जलाकर और मिठाई बाँटकर इस ऐतिहासिक सफलता का जश्न मनाया गया। यह दृश्य विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और संस्था के समर्पित प्रयासों का जीवंत प्रमाण था। इस अवसर पर फाउंडेशन के एचओडी भूपेंद्र केवट, कौशलेंद्र सिंह, विनोद सुमन, भूपेश कुमावत, धनंजय शर्मा, प्रभारी हिमांशु शर्मा व दुर्गेश शर्मा भी उपस्थित थे। एकेडमी के निदेशक डॉक्टर हेमंत शर्मा ने बताया कि यह सफलता न केवल विद्यार्थियों की कडी मेहनत का फल है, बल्कि संस्थान द्वारा प्रदान किए गए उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण, अनुभवी शिक्षकों के मार्गदर्शन, नियमित मॉक टेस्ट एवं अभिभावकों के सहयोग का भी प्रतिफल है।

ट्रेन की चेपट से दो जनों की मौत

गंगापुर सिटी, (निसं)। दिल्ली-मुंबई रेल मार्ग पर दो अलग-अलग हादसों में दो युवकों की मौत हो गई। पहली घटना रविवार रात 8 बजे पीलोदा रेलवे स्टेशन पर हुई। कोटा से मथुरा जा रही मेमू ट्रेन से एक व्यक्ति गिर गया। हादसे में उसके दोनों हाथ कट गए। घायल को राजकीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई। मृतक 35-4॰ वर्ष का था। उसने नीला पैंट और हरी शर्ट पहन रखी थी। उसके पास कोई पहचान पत्र नहीं मिला। दूसरी घटना सोमवार तडके करीब 4 बजे गंगापुर सिटी रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 3 पर हुई। मालगाडी की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। मालगाडी के लोको पायलट ने स्टेशन प्रबंधक को सूचना दी। जीआरपी थानाधिकारी दलवीरसिंह के अनुसार दूसरे युवक के दाहिने हाथ पर अंग्रेजी में राजू कुमार गौरव लिखा हुआ है। दोनों शव राजकीय जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखे गए हैं।

श्रीमद्भागवत का आयोजन

सवाई माधोपुर, (निसं)। श्री श्री 1008 बाबा रामलाला जी महाराज अखिल भारतीय सीठा वंशज गांव चौरु में चल रही श्रीमद् भागवत महापुराण में श्री कृष्ण की बाल लीला,माखन चोरी लीला, चीर हरण लीला,ओर श्री गोवर्धन पूजा की कथा का विस्तार से वर्णन किया गया। कथा का वाचन करते हुए आचार्य कैलाशचंद जी तेहरिया ने बताया कि जो भगवान के उत्सवों का आनंद लेते है उनके घरों में भी ऐसे ही उत्सव मनाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि भागवत के ब्राह्मणों को स्वाध्याय या श्रवण करने से ज्ञान का बोध होता है, क्षित्रयों को शत्रु पर विजय प्राप्त होती है, वैश्यों को राजलक्ष्मी प्राप्त होती है, तथा शूद्रों को निरोगी काया प्राप्त होती है ।जब मनुष्य के जन्म जन्मांतर के पुण्य एकत्र होते हैं तब भागवत श्रवण करने का सौभाग्य प्राप्त होता है। उन्होंने गोवर्धन महाराज की कथा का वर्णन करते हुए कहा की व्यक्ति को जीवन में गोवर्धन महाराज की परिक्रमा अवश्य करनी चाइये। यह भगवान श्री कृष्ण की लीलास्थली है। यहीं पर भगवान श्री कृष्ण ने द्वापर युग में ब्रजवासियों को इन्द्र के प्रकोप से बचाने के लिये गोवर्धन पर्वत अपनी कनिष्ठ अंगुली पर उठाया था। यह परिक्रमा 21 किलोमीटर लंबी है, जिसे 7 कोस भी कहा जाता है। इस अवसर पर अखिल भारतवर्षीय श्री गुर्जर गौड़ ब्राह्मण महासभा के प्रदेश सूचना एवं प्रसारण मंत्री सुरेंद्र शर्मा पत्रकार का सीठा परिवारों की ओर से स्वागत किया गया।

बारिश ने तैयारियों की पोल खोली

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर में हाल ही में हुई तेज बारिश ने नगर निगम की तैयारियों की पोल खोल कर रख दी है। शहर के कई इलाकों में जलभराव की गंभीर स्थिति देखने को मिल रही है, जिनमें जामा मस्जिद क्षेत्र, सुभाष नगर, शीतला गेट और गोवर्धन गेट जैसे प्रमुख इलाके शामिल हैं। जामा मस्जिद क्षेत्र में तो हालत ये हो गई कि लोगों को घुटनों तक भरे पानी से होकर निकलना पड़ा। दुकानों और घरों में पानी घुस जाने से लोगों का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर साल बारिश में यही हाल होता है, लेकिन नगर निगम सिर्फ दावे करता है, जमीनी काम नजर नहीं आता।कई जगहों पर नालों की सफाई नहीं होने और जल निकासी व्यवस्था फेल होने के कारण ये हालात बने हैं। नगर निगम की लापरवाही और खराब प्लानिंग अब शहरवासियों पर भारी पड़ रही है।लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द जल निकासी की उचित व्यवस्था की जाए और बारिश से पहले पुख्ता तैयारी हो, ताकि हर साल भरतपुर को इस तरह की परेशानी से न जूझना पड़े।

'बेहतर सड़क मार्ग की सुविधा देने के लिए प्रभावी मॉनिटरिंग करें'

गृह राज्य मंत्री बेढ़म ने पंचायत समिति सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली।

डीग/भरतपुर, (निसं)। गृह, गौपालन, पशुपालन, डेयरी तथा मत्स्य विभाग राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि डीग जिले में प्रत्येक व्यक्ति को बेहतर सड़क मार्ग की सुविधा मिल सके इसके लिए सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारी नियमित रूप से प्रभावी मॉनिटरिंग करें एवं बजट घोषणाओं में वर्णित सभी कार्यों को पूर्ण कर उनका शिलान्यास करवाए।

उन्होंने कहा कि राजस्थान के चहूंमुखी विकास को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में समस्त विभाग निरंतर कार्यरत है। गृह राज्य मंत्री ने कहा कि डीग बायपास, नगर बायपास, कामां से पहाड़ी सड़क मार्ग, नगर सड़क से बेढ़म, अढ़ावली, नगला भजना, हयातपुर होकर जटेरी धाम तक की सड़क, मवई से जनुथर सड़क सहित अन्य सड़क मार्गों के बन जाने से लोगों को यातायात के लिए सुगम सड़क मार्ग मिल सकेगा जिससे नवगठित डीग जिले में विकास कार्यों को गति मिलेगी।

गृह राज्य मंत्री बेढ़म सोमवार को पंचायत समिति सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों से बजट घोषणाएं 2025-2026 में अंकित कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा बजट घोषणाओं में डीग जिले को विकसित डीग बनाने के साथ-साथ विकसित राजस्थान का सपना साकार करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने डीग-कुम्हेर-भरतपुर में सांवई-खेड़ा डिप्रेशन से गोवर्धन ड्रेन तक पानी लिफ्ट करने के कार्य के प्रगति के बारे में भी जानकारी ली। जल संसाधन विभाग के अधिशाषी अभियंता द्वारा बताया गया कि तीन दिन पूर्व ही उक्त कार्य के अंतर्गत पानी निकलना शुरू हो गया है। वहीं पाइपलाइन का भी कार्य अब पूरा हो गया।

कार्यस्थल तक पहुंच मार्ग बन चुका है और फाउंडेशन तक चिनाई का कार्य भी पूर्ण है। बेढ़म ने कहा कि बरसात के मौसम को देखते हुए अधिकारी इसकी नियमित मॉनिटरिंग करें ताकि जलभराव जैसी समस्याएं क्षेत्र में उत्पन्न न हो। उन्होंने नगर में मुड़िया के पास जलभराव की समस्या और भरतपुर अलवर मार्ग निर्माण के संबंध में आरएसआरडीसी के उच्च अधिकारी से दूरभाष पर संपर्क कर निर्देशित किया कि वह जलभराव के संदर्भ में स्थानीय प्रशासन और नगर पालिका के साथ समन्वय बनाते हुए समस्या का समाधान करवाए। वही अलवर भरतपुर मार्ग को लेकर उन्होंने आवश्यक जानकारी ली और कार्य को समय पर पूरा करने की बात कही।

इससे पूर्व जिला कलेक्टर उत्सव कौशल ने अधिकारियों को जल स्वावलंबन पखवाड़ा, हरियालो राजस्थान, जल शक्ति अभियान, एनएफएसए, बजट घोषणा सहित अन्य विषयों पर चर्चा कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कृषि मार्केटिंग बोर्ड से डीग और कामां में चल रहे बस स्टैंड निर्माण कार्य के बारे में जानकारी ली और कार्य को दी गई टाइमलाइन तक पूरा करने को कहा।

एनएफएसए 2022 में नगर में लंबित प्रकरणों को देखते हुए कौशल ने उपखंड अधिकारी नगर को प्रकरणों की निरंतर मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए हैं। वहीं नगर में जलभराव की समस्या को देखते हुए उन्होंने नगर पालिका, उपखंड अधिकारी और आरएसआरडीसी के अधिकारी को मौका देखने के साथ ही समस्या का समाधान करने को कहा ताकि आम लोगों को राहत मिल सकें।

'कांग्रेस संविधान की रक्षा के लिए सदैव मजबूती से खड़ी है'

विधायक आवास पर संविधान बचाओ अभियान के बारे में चर्चा की।

हिण्डौन सिटी, (निसं)। कांग्रेस पार्टी द्वारा संविधान बचाओ रैली के कार्यक्रम विधायक आवास पर आयोजन रखा गया और संविधान बचाओ अभियान के बारे में विस्तृत चर्चा की।

इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी द्वारा लगाए विधानसभा प्रभारी रवि गुर्जर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी सदैव संविधान का सम्मान करती है विपक्ष में बैठी सरकार संविधान का हनन करके जवान और किसान का दमन करना चाहती है और सेना जो देश की रक्षा करती है उसे भी राजनीतिक मुद्दों में विपक्ष धकेलना चाहता है,विधानसभा कोऑर्डिनेटर सूरज पेंचला ने कहा की कांग्रेस पार्टी संविधान के लिए उसकी रक्षा के लिए सदैव मजबूती से खडी है, हिंडौन विधायक अनीता जाटव ने कहा कि भाजपा सरकार सदैव सरकारी संस्थाओं का दुरुपयोग करके आम जन के संवैधानिक अधिकारों का दमन करती है भाजपा सरकार सदैव संविधान को कुचलने का प्रयास करती है जिसे हम किसी भी कीमत पर सहन नहीं करेंगे जिला अध्यक्ष शिवराज मीणा ने कहा कि कांग्रेस संविधान को अपनी आत्मा में संजो कर रखती है जब भी संविधान का कोई भी सरकार दुरुपयोग करके खत्म करने का प्रयास करेगी हम लोग पुरजोर तरीके से विरोध करेंगे पूर्व जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश मामू ने कहा कि संविधान की रक्षा के लिए हम हमेशा एक सिपाही की भांति खड़े है इस अवसर पूर्व पार्षद गोपेन्द्र पावटा,देहात ब्लॉक अध्यक्ष योगेन्द्र मावई,कार्यकारी ब्लॉक अध्यक्ष ब्रजकिशोर ने भी विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर हिंडौन विधायक अनीता जाटव हिंडौन विधानसभा प्रभारी रवि गुर्जर, कांग्रेस जिला अध्यक्ष शिवराज मीणा, पूर्व जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश मामू, विधानसभा कोऑर्डिनेटर सूरज पेंचला, ब्लॉक अध्यक्ष योगेंद्र मावई, कार्यकारी अध्यक्ष बृजकिशोर शर्मा, गोपेन्द्र पावटा, दलवीर चौधरी, नेमीचंद, देवीसहाय दत्ता, चांदराम, राजेश मूंडिया, रामेश्वर मुंडरी, लखन पौडवाल, राजू चांदन गांव, इंद्राज चांदन गांव, महेश बरगमा आदि मौजूद रहे।

सहायक अभियंता को सौंपा ज्ञापन

गंगापुर सिटी, (निसं)। उस्मान कॉलोनी के निवासियों को पानी की समस्या का सामना करना पड रहा है। लोगों ने वार्ड पार्षद मुहम्मद इस्माइल के नेतृत्व में जलदाय विभाग के सहायक अभियंता को ज्ञापन सौंपा। लोगो ने बताया कि कॉलोनी में पानी की स्थिति गंभीर है। यहां दो दिन में एक बार पानी आता है। कई घरों में नल तक पानी नहीं पहुंचता। जिन घरों में पानी आता है, वह भी गंदा है। पार्षद इस्माइल ने सात दिन के भीतर समस्या का समाधान करने की मांग की है। इस्लामपुरा मोहल्ले में भी पानी की समस्या से लोग जूझ रहे हैं। यहां की महिलाओं ने जलदाय विभाग कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई है। पिछले 15-20 दिनों से नलों में गंदा पानी आ रहा है। जलापूर्ति मात्र 10-15 मिनट के लिए होती है। वार्ड निवासी इकबाल मोहम्मद के अनुसार कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। दोनों क्षेत्रों के निवासियों ने नियमित रूप से स्वच्छ और पर्याप्त पानी की आपूर्ति की मांग की है। ज्ञापन देने के दौरान शाहरुख, फारुख तेली, वकील सहित सैकडों कॉलोनीवासी उपस्थित थे।

भोजन खिलाया

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर में माहेश्वरी मंडल समिति जिला भरतपुर के तत्वाधान में प्रारंभ हुआ तीन दिवसीय महेश नवमी समारोह। जिसके तहत अन्नदान महादान के सन्देश के साथ प्रथम दिवस में आज फूलचंद माहेश्वरी के सौजन्य से अन्नपूर्णा रसोई आर बी एम अस्पताल के पास भरतपुर पर जरूरतमंदों को खीर पूडी आलू छोले की सब्जी दाल की प्रसादी 200 लोगों को खिलाई गयी।

चंचल मेहरा का किया सम्मान

डीग/भरतपुर, (निसं)। समृद्ध भारत अभियान के निदेशक सीताराम गुप्ता के द्वारा माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान की कक्षा-10वीं परीक्षा परिणाम 2025 में प्रदेश स्तर पर टॉप करने वाली छात्रा डीग जिले के पहाडी ब्लॉक के गांव पाण्डेका निवासी चंचल मेहरा पुत्री धर्मपाल मेहरा का जिला कलेक्टर कार्यालय डीग पर अतिरिक्त जिला कलक्टर देवी सिंह के मुख्य आतिथ्य, समृद्ध भारत अभियान के प्रदेश प्रभारी पुनीत गुप्ता के विशिष्ठ आतिथ्य एवं कुम्हेर के सीडीपीओ महेन्द्र अवस्थी की अध्यक्षता में सम्मान किया।

टॉपर छात्रा चंचल मेहरा को ग्यारह हजार रुपये की नकद राशि का पारितोषिक प्रदान किया। साथ ही कस्बा डीग के छत्ता मोहल्ला निवासी अमन पुत्र लक्ष्मीनारायण कोली सहित कक्षा-10 वीं में टॉप रही बालिका चंचल मेहरा के पिता धर्मपाल मेहरा, माता सुमन मेहरा, इनके गुरूजन मंगल सिंह व गिरिराज सिंह, अमन के गुरूजन गौरव शर्मा, भीष्मेन्द्र गर्ग, भोजराज शर्मा, सुरेश शर्मा व राजेन्द्र प्रसाद आदि का भी सम्मान भी किया गया। अतिरिक्त जिला कलक्टर देवी सिंह ने कहा कि ग्रामीण अंचल में शिक्षा की प्रतिभाए छुपी हुई है, जो समय पर ही उजागर होती है। इसका मुख्य कारण शिक्षा के क्षेत्र में आज बच्चों में होड बनी रहना।

शिव शक्ति महायज्ञ व भागवत कथा में उमड़ा जनसैलाब

गंगापुर सिटी में आयोजित यज्ञ शाला में पूजन कराते संत।

गंगापुर सिटी, (निसं)। समीपवर्ती पंचमुखी हनुमान मंदिर पर चल रहे शिव शक्ति महायज्ञ में दर्शनार्थ जन सैलाव उमड रहा है। श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ के तृतीय दिवस आयोजक श्री श्री 1॰8 महंत राम स्वरूप दास त्यागी जी के सानिध्य में में चल रहे श्री शिव शक्ति महायज्ञ का भाव और दिव्या आयोजन किया जा रहा है।

श्री अयोध्या धाम से पधारे कथा व्यास महंत गणेश दास महाराज की सभी भक्तगणों ने पूजा अर्चना की और भागवत कथा का पूजन किया उसके पश्चात कथा व्यास गणेश दास जी

- **यज्ञ शाला की परिक्रमा कर पुण्य लाभ उठा रहे हैं महिला पुरूष**

महाराज ने अपनी अमृतवाणी से मनु वंश का वर्णन किया और मनुवंश में ही भक्त राज बालक ध्रुव का पावन चरित्र सुनाया की किस प्रकार से ध्रुव ने तपस्या करके मात्र 6 माह में भगवान का दर्शन किए। उन्होने प्रभू इच्छा से 36000 वर्ष तक राजा बनाकर राज्य सुख का भोग कर फिर भगवान के धाम गए। कथा में पधारे चित्रकूट धाम से श्याम दास महाराज, श्री अयोध्या धाम से केशव दास महाराज, कौशल शरण पहलवान राम पुकार दास, रामनाथ दास, दिनेश दास आदि सभी संतो के साथ हजारों की संख्या में लोगों ने बैठकर कथा श्रवण किया। आयोजन से जुडे दर्शन सिंह गुर्जर ने बताया कि आज रामलीला के प्रसंग में सीता स्वयंवर और धनुष भंग का दर्शन कराया गया। भक्तों का जनसैलाब उमड रहा है और यज्ञशाला में प्रधान कुंड और अन्य कुंड पर बैठे हुए यजमानों को यज्ञाचार्य पंडित अशोक दीक्षित ने विधि विधान से पूजा अर्चना करवा कर यज्ञ में आहुतियां दिलाई। सोमवार को प्रधान कुंड 81000मे रामकेश प्रजापत उघाडमल बालाजी ने लिया उसके साथ अन्य 8 कुंड पर भी यजमानों ने 2100 रुपए हर कुंड पर बोली लगाकर प्राप्त किया और यज्ञ में आहुति दी। वहीं भक्तगण यज्ञ शाला के दर्शन कर परिक्रमा कर रहे है। यज्ञशाला एवं यज्ञ में भक्तों का अपार जन सैलाब श्रद्धा का भाव उमड रहा है। प्रतिदिन शुद्ध देसी घी का भंडारा दोपहर 12 बजे से लेकर शाम 7 तक अटूट चल रहा है जिसमें हजारो लोग पंगत प्रसादी ले रहे है।

सार-समाचार

पेयजल समस्या को लेकर किया प्रदर्शन

करौली, (निसं)। करौली के मुरलीपुरा क्षेत्र स्थित नौलखा बाग के पास रामनगर कॉलोनी में पिछले दो माह से पेयजल संकट बना हुआ है। स्थानीय निवासियों ने सोमवार को सडको पर उतर कर खाली बर्तनों के साथ प्रदर्शन किया।क्षेत्रवासियों का कहना है कि जलदाय विभाग के अधिकारी उनकी समस्या की अनदेखी कर रहे हैं। पंप चालक की मनमानी से वॉल्व बंद करने के कारण कॉलोनी के पिछले हिस्से में पानी नहीं पहुंच पाता है। रामनगर के रोशन प्रजापत,रमेश प्रजापत, प्रकाशी और जलवाई ने बताया कि उन्होंने कई बार अधिकारियों को इस समस्या से अवगत कराया लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। गर्मी के मौसम में यह परेशानी और बढ़ गई है। विद्युत आपूर्ति बंद होने पर लोगों को पानी की तलाश में दूर-दूर तक जाना पड़ता है। मजबूरी में निवासियों को निजी बोरवेल का सहारा लेना पड़ रहा है। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएं,बच्चे और बुजुर्ग शामिल हुए। सभी ने जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान करने कि मांग करते हुए चेतावनी दी की समस्या का समाधान नही किया गया तो आगे धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

ट्रेन की चपेट से युवक की मौत

नदबई, (निसं)। नदबई रेलवे स्टेशन परिसर में यॉर्ड के समीप शनिवार रात ट्रेन की चपेट से एक युवक की मौके पर मौत हो गई। स्टेशन अधीक्षक संजीव मीणा की सूचना पर भरतपुर जीआरपी पुलिस ने मौके पर जांच पडताल कर शव को कब्जे में लेते हुए नदबई चिकित्सालय के मुर्द्रवाघर में रखवाया। बाद में रविवार दोपहर परिजनों की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम कराया। विभागीय सूत्रों की मानें तो बिहार बक्सर निवासी अरुण कुमार सिन्हा पुत्र बक्शी सुशील सिन्हा, लुमिनो इण्डस्ट्रीज लिमिटेड कम्पनी में बिजली इंजनियर पद पर कार्य कर रहा। जो कि, शनिवार शाम लक्ष्मनगढ़ थाना क्षेत्र के गांव जाबली में ड्यूटी कर भरतपुर आया। वही, विद्युत लाइन सर्वे को लेकर प्रताप एक्सप्रेस में भरतपुर से बीकानेर जा रहा। इसी दौरान खुजराहो-उदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस आगे चलने के चलते प्रताप एक्सप्रेस का नदबई स्टेशन पर ठहराव किया गया। नदबई स्टेशन पर ठहराव होने के चलते अरुण सिन्हा, ट्रेन से नीचे उतर गया। बाद में एक्सप्रेस ट्रेन को रवाना होने पर युवक ने दुबारा ट्रेन में चढऩे का प्रयास किया। लेकिन, असंतुलित होकर ट्रेन के नीचे आने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई। स्टेशन अधीक्षक की सूचना पर भरतपुर जीआरपी पुलिस ने मौके पर जांच पडताल करते हुए परिजनों को सूचना दी। बाद में जीआरपी पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में नदबई चिकित्सालय में शव का पोस्टमार्टम कराया।

ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से दम्पति घायल

नदबई, (निसं)। नदबई-खेडली मार्ग पर गांव कोल्हूपुरा के समीप अचानक असंतुलित होकर ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से ट्रैक्टर सवार दम्पत्ति घायल हो गई। घायल दम्पत्ति को 108 एम्बूलेंस से चिकित्सालय में भर्ती कराया। बाद में गंभीर स्थिति के चलते महिला को जिला मुख्यालय रैफर कर दिया। सूत्रों की मानें तो लुहासा निवासी समयसिंह अपनी पत्नी जमीली के साथ ईंट भट्टा से लौट रहा। इसी दौरान अचानक असंतुलित होकर सडक से नीचे ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से हादसा हो गया। हादसे में ट्रैक्टर सवार दम्पत्ति घायल हो गई। बाद में ग्रामीणों ने 108 एम्बूलेंस से घायल दम्पत्ति को चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां गंभीर स्थिति होने पर महिला को जिला मुख्यालय रैफर कर दिया गया।उधर, नदबई-जनूथर सड़क मार्ग पर गांव ऐचेंरा के समीप अज्ञात वाहन की चपेट से बाइक सवार युवक घायल हो गया। ग्रामीणों ने घायल युवक को नदबई चिकित्सालय में भर्ती कराया। बाद में गंभीर स्थिति होने पर घायल को रैफर किया गया। सूत्रों की मानें तो कठूमर थाना क्षेत्र के गांव इशरौती निवासी हरिराम सिंह पुत्र पूरन, बाइक से अपने गांव जा रहा। इसी दौरान गांव ऐचेंरा के समीप अज्ञात वाहन की चपेट से घायल हो गया। इस संदर्भ में समाचार लिखे जाने तक पुलिस में मामला दर्ज नही किया गया।

जल स्त्रोतों की साफ-सफाई के निर्देश

करौली, (निसं)। अतिरिक्त जिला कलक्टर हेमराज परिडवाल की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट में आवश्यक सेवाओं के सम्बन्ध में साप्ताहिक समीक्षा व समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। आगामी मानसून को देखते हुए अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने जल स्त्रोतों की साफ सफाई के निर्देश दिये। बैठक के दौरान सीनियर आईएएस आलोक एसीएस ऊर्जा विभाग के निधन पर दो मिनट का मौन रख के शोक व्यक्त भी किया गया। अतिरिक्त जिला कलक्टर ने सीएमएचओं डॉ. जयंतीलाल मीणा को विभिन्न स्वास्थ्य एवं चिकित्सा संस्थानों के नियमित निरीक्षण, चिकित्सालयों में दवाईयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने, मौसमी बीमारियों के संबंध में विशेष सतर्कता बरतने, विद्युत विभाग के अधिकारी को सुचारू रूप से बिजली की आपूर्ति सुचारू रूप से बनाये रखने के लिए आदेशित किया। गर्मी के मौसम को देखते हुए अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सुव्यवस्थित जलापूर्ति बनाए रखने के लिए जन-स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के अधीक्षण अभियंता प्रकाशचंद मीना को निर्देशित किया। जिससे गर्मियों के दिनों में किसी भी प्रकार के पेयजल संकट की स्थिति उत्पन्न नहीं हो। बैठक में उन्होंने अधीक्षण अभियंता से मौजूदा पेयजल आपूर्ति व्यवस्था से संबन्धित जानकारी प्राप्त की।

हरि कीर्तन दंगल कल से

हिण्डौन सिटी, (निसं)। समीप के गांव जमालपुर के श्री बांके बिहारी मंदिर पर बुधवार से पांच दिवसीय हरि कीर्तन दंगल का समरोह पूर्वक शुभारंभ होगा। जानकारी के अनुसार समीर के गांव जमालपुर के समस्त ग्राम वासियों की ओर से बुधवार से पांच दिवसीय हरि कीर्तन दंगल का आयोजन किया जावेगा जा रहा है। 8 जून तक चलने वाले इस हरि कीर्तन दंगल में आसपास के क्षेत्र सहित दूर दराज से से आने वाली लगभग दो दर्जन हरि कीर्तन दंगल की पार्टियां प्रस्तुतियां देंगी। इस आयोजन को लेकर के ग्राम वासियों ने बैठक आयोजित कर जिम्मेदारियां सौंप दी हैं। ग्रामीणों ने बताया की हरि कीर्तन दंगल के आयोजन को लेकर समस्त तैयारी पूरी कर ली गई हैं। ग्राम वासियों ने हरि कीर्तन दंगल कार्यक्रम में उपस्थित होने की अपील की।

अपील की सुनवाई के लिये नियम दिन की प्रत्यर्थी को सूचना
(आदेश 41 के नियम 14)
नाम न्यायालय:-RAA कैम्प स्थान:- करौली
रूपकिशोर वगै. विरूद्ध कन्हैया बगै.
अपील : 27 सन् 2025
..... के न्यायालय की तारीख ... को की अपील 1. नाम तुषार पुत्र गोपाल जाति तेली निवासी भूडारा बाजार करौली तहसील व जिला करौली राजस्थान।
2. नाम राहुल पुत्र गोपाल जाति तेली निवासी भूडारा बाजार करौली तहसील व जिला करौली राजस्थान।
3. संध्या पुत्री गोपाल जाति तेली निवासी भूडारा बाजार करौली तहसील व जिला करौली राजस्थान।
आपको सूचना दी जाती है कि मामले में अपीलार्थी की डिक्री की अपील अपीलार्थी द्वारा उपस्थित की गई इस न्यायालय में रजिस्टर कर ली गई है और इस अपील की सुनवाई के लिये इस न्यायालय द्वारा तारीख 12.6.2025 नियत की गई है।
यदि इस अपील में आपकी ओर से आप स्वंय या आपके प्लीडर या आपके लिये कार्य करने के लिये विधिना प्राधिकृत कोई व्यक्ति उपसंजात नहीं होगा तो यह आपकी अनुपस्थिति में सुनी और विनिश्चिम की जावेगी।
यह आज तारीख 22 माह 5 सन् 25 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मद्रा लगाकर दी गई।
(मुहर) राजस्व अपील अधिकारी
सवाई माधोपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत रवाँजना डुंगर
पं.स. चौथ का बरवाड़ा, सवाई माधोपुर
ई-निविदा सूचना 01/2025-26
ग्राम पंचायत रवाँजना डुंगर में महानरेगा व अन्य योजनाओं के करवाये जा रहे कार्यों हेतु निर्माण सामग्री उपापन की निविदा **दिनांक 10.06.2025** को सायं **6:00 बजे तक** आमंत्रित की जाती है एवं विस्तृत विवरण जानकारी sppp.rajasthan.gov.in व eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
UBN No.: ZSM2526WSOB00442 | NIB No.: ZSM2526A0385
सुमन किवाड, प्रशासक, ग्राम पंचायत रवाँजना डूंगर
मीनाक्षी मीणा, ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत रवाँजना डूंगर

अच्छी शिक्षा पद्धति ही किसी देश को बलवान और चरित्रवान बनाती है : राज्यपाल बागड़े

बीकानेर तकनीकी वि.वि. का दीक्षांत समारोह आयोजित, मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक व डिग्री प्रदान की

दीक्षांत समारोह में मेधावी विद्यार्थियों को राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने स्वर्ण पदक व डिग्री प्रदान की। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, केंद्रीय विधि मंत्री अर्जुन राम मेघवाल मौजूद रहे।

- राज्यपाल बागड़े ने नशे की बढ़ती प्रवृति पर चिंता जताई और कहा कि युवा इसके सबसे अधिक शिकार हो रहे हैं
- आज राजस्थान देश भर में तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी राज्यों में शामिल है : वासुदेव देवनानी

बीकानेर, (निसं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि अच्छी शिक्षा पद्धति ही किसी देश को बलवान और चरित्रवान बनाती है, जिस देश की शिक्षा पद्धति बिगड़ती है, वह देश चारित्रिक रूप से कमजोर हो जाता है। बागड़े ने सोमवार को बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करते हुए यह विचार व्यक्त किए।

राज्यपाल ने कहा कि हमारा देश तकनीक के क्षेत्र में आरम्भ से ही अत्यंत समृद्ध रहा है। रणकपुर मंदिर के कला कौशल्य को मूर्त रूप देने कलाकार अपनी कला में निपुण थे। दक्षिण का गोरखपुर मंदिर और अजंता एलोरा की गुफाएं भी हमारी तकनीकी समृद्धता को दर्शाती हैं। राज्यपाल ने कहा कि अच्छे तकनीकी विशेषज्ञ तैयार करना इंजीनियरिंग कॉलेजों और तकनीकी विश्वविद्यालयों का कार्य है। बीकानेर का तकनीकी विश्वविद्यालय इसे समझते हुए देश को अच्छे तकनीकी विशेषज्ञ उपलब्ध करवाए। बागड़े ने नशे की बढ़ती प्रवृति पर चिंता जताई और कहा कि युवा इसके सबसे अधिक शिकार हो रहे हैं। इससे युवाओं की शारीरिक और मानसिक शक्ति प्रभावित हो रही है। उन्होंने शिक्षा को किसी भी देश की प्रगति का मूल बताया और कहा कि एक हजार वर्षों में विदेशी आक्रांताओं ने देश की शिक्षा पद्धति को प्रभावित करने का प्रयास किया।

राज्यपाल ने कहा कि तकनीकी विश्वविद्यालय के विद्यार्थी देश के प्रति सकारात्मक भाव रखते हुए आगे बढ़ें और चरित्रवान बनें। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि प्रदेश में तकनीकी शिक्षा का सतत विकास हुआ है। आज राजस्थान देश भर में तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी राज्यों में शामिल है। उन्होंने कहा कि दीक्षांत कार्यक्रम सिर्फ डिग्री प्राप्त करने का कार्यक्रम नहीं है, यह हमें हमारे दायित्वों का बोध करवाने वाला कार्यक्रम है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के डिफेंस सिस्टम ने शत्रु देश के इरादों को नेस्तनाबूद कर दिया। यह हमारे तकनीकी ज्ञान का नायाब उदाहरण था। उन्होंने कहा कि आज के दौर में स्टार्टअप और मेक इन इंडिया जैसी व्यवस्थाएं हमारे पास हैं, हमें इन्हें समझते हुए नौकरी मांगने वाला नहीं बल्कि नौकरी देने वाला बनना जरूरी है।

केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि स्टीम के आविष्कार से लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की खोज तकनीक में आमूलचूल बदलाव आया है। भारत में भी इसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिले हैं। उन्होंने कहा कि तकनीक के विकास के बिना किसी भी देश का विकास संभव नहीं है। किसी भी देश के निवासियों का चरित्र और नैतिक बल मजबूत होगा, तो उसे देश को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकेगा। उन्होंने स्वामी विवेकानंद की उक्तियों के माध्यम से इसे समझाया। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि तकनीकी शिक्षा व्यक्ति नहीं बल्कि समूचे समाज और देश की उन्नति का मार्ग प्रशस्त करती है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों पर समाज को अपार उम्मीदें हैं। विश्वविद्यालय से निकले विद्यार्थी इन पर खरे उतरें। बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. अखिल रंजन गर्ग ने स्वागत उद्बोधन दिया और विश्वविद्यालय का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कुल सचिव रचना भाटिया ने आभार जताया। इससे पहले अतिथियों ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। दीक्षांत समारोह में राज्यपाल ने 27 मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए। इस दौरान 4 हजार 80 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। कार्यक्रम में खाजूवाला विधायक डॉ. विश्वनाथ मेघवाल, श्रीडूंगरगढ़ विधायक ताराचंद सारस्वत, बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास, जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि और पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सागर सहित विश्वविद्यालय के स्टाफ सदस्य, विश्वविद्यालय प्रबंध मंडल सदस्य, अभिभावक और विद्यार्थी मौजूद रहे।

इनामी आरोपी गिरफ्तार

बौंली-बामनवास, (निसं)। सवाई माधोपुर जिले की कुंडेरा थाना पुलिस ने दुष्कर्म के आरोप में 10 माह से फरार चल रहे पांच हजार के इनामी आरोपी मानसिंह उर्फ पुखराज उर्फ मुक्का मीणा को सवाई माधोपुर के रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया है। कुंडेरा थाना प्रभारी भरत सिंह ने बताया कि 9 अगस्त 2024 को पीड़िता के पिता ने मामला दर्ज कराकर बताया था कि 9 अगस्त को सुबह करीब 11:30 बजे आरोपी मानसिंह उर्फ़ मुक्का उनके बाड़े में घुस गया एवं मेरी बेटी के साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश में अनेक जगह पर दबिश दी, लेकिन आरोपाचकमा देता रहा। इसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ सीजेएम कोर्ट सवाई माधोपुर से स्थाई वारंट प्राप्त कर उसे गिरफ्तार किया।

कार्यालय नगरपालिका खुडाला फालना स्टेशन जिला-पाली
टेलि न./फैक्स न. – (02938) 236170/236883, ई-मेल – eombfalna@gmail.com

Notice Inviting Bid

Bids for Development Work Of Subject matter(s) of Procurement are invited from interested bidders From 11.00 AM Date 30.05.2025 to 05.00 PM Date 08.06.2025 Other particulars of the bid may be Visited on the procurement portal (http://Sppp.raj.nic.in, https://eproc.rajasthan.gov.in) of the state and **Muncipal Board Khudala-Falna Office,**
UBN :- DLB2526WSOB06275
Raj.Samwad/C/25/3373 — Executive Officer

कृषि महाविद्यालय
(श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर), कोटपूतली-303107, जिला : कोटपूतली-बहरोड (राजस्थान)
क्रमांक :- एफ( )/लेखा/कृ.म./केटीपी/2025/128 — दिनांक :- 30/05/2025

खुली निविदा सूचना

कृषि प्रायोगिक एवं कृषि से संबंधित अन्य कार्य के लिए सभी श्रेणी के श्रमिक आपूर्ति हेतु खुली निविदा आमंत्रित की जाती है। विस्तृत निविदा वेबसाईट **www.sknau.ac.in & sppp.rajasthan.gov.in** पर देखा जा सकता है। निविदा प्रपत्र कृषि महाविद्यालय, कोटपूतली में दिनांक 10.06.2025 को दोपहर 12.00 बजे तक जमा कराये जायेंगे। निविदा दिनांक 10.06.2025 को दोपहर 12.30 बजे कृषि महाविद्यालय, कोटपूतली में खोली जायेगी।
UBN No. : SKN2526SSOB00072
NIB code : SKN2526A0070
राज.संवाद/सी/25/3393 — अधिष्ठाता

कार्यालय नगर परिषद हिण्डौन सिटी जिला करौली (राज.)
क्रमांक :– 6567 — दिनांक – 23.05.2025

ई–निविदा सूचना वर्ष 2025–26

नगर परिषद हिण्डौन सिटी द्वारा मानसून को मध्येनजर रखते हुए वर्ष 2025–26 के तहत पूल शाखा में संसाधन उपलब्ध कराने हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्यूरमेन्ट के माध्यम से ऑनलाईन ई–निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। जिसमें पंजीकृत संवेदको/एन.जी.ओ./प्लेसमेन्ट एजेन्सियों/उत्पादको/संभरण कर्ताओ एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदको से ई–निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण बेबसाईट sppp.rajasthan.gov.in तथा eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। इच्छुक संवेदको को ई–निविदा में भाग लेने हेतु बेबसाईट eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड होना अनिवार्य है। **NIB CODE : DLB2526A1885**
सभापति, नगर परिषद हिण्डौन — आयुक्त, नगर परिषद हिण्डौन
राज.संवाद/सी/25/3409

बीकानेर नगर निगम
नगर निगम मार्ग, बीकानेर (राजस्थान) फैक्स नं :– 0151–2226906, फोन नं:– 0151–2226902, 2226905, Email Address :- bikanernagarnigam@gmail.com, Website :- www.bikanermc.org
क्रमाक/निर्माण/2025–26/8673–74 — दिनांक 30.05.2025

(ई–निविदा सूचना 33/2025–26)

बीकानेर नगर निगम के नगरीय क्षेत्र में नगर निगम की **Notice Inviting Online Bids for Storm Water Drainage work with 5 year Defect Liability Period and 10 years O&M in Bikaner** निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्योरमेंट प्रक्रिया से ऑनलाईन निविदाएँ आंमत्रित की जाती हैं। निविदा से सम्बधित विवरण राज्य सरकार की ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in तथा नगर निगम, बीकानेर की वेबवाईट www.bikanermc.org पर देखी व डाउनलोड की जा सकती हैं।
निविदा का कुल अनुमानित लागत:– 6767.00 लाख
UBN Number : DLB2526WLOB06371
राज.संवाद/सी/25/3412 — आयुक्त, नगर निगम, बीकानेर

कार्यालय नगर पालिका इटावा जिला कोटा (राज.)
E-mail id – npitawa01@gmail.com — Phone No. – 07458-294015
क्रमांक : न.पा.इ./2025–26/765 — दिनांक : 30.05.2025

NIB No. 13/2025-26/ Preparation of Detailed Project Report (DPR) for Sewerage Project and Drainage Work, Itawa

Municipal Board, Itawa, District Kota, Rajasthan, invites online unconditional bid through e-procurement portal http;//eproc.rajasthan,gov.in from eligible bidders in accordance with the RTPP act 2012 and RTPP rules 2013, amended up to date, and under Open Competitive Bidding (OCB) national with single stage-two envelope bidding procedure for the work **"Preparation of Detailed Project Report (DPR) for Sewerage Project and Drainage Work".**

The details of NIB can be seen at e-procurement portal of state government sppp.rajasthan.gov.in from date 01-06-2025 at ....hours till the end date of online submission of bid i.e. 11-05-2025 up to ....hours. Any subsequent addendum/corrigendum shall be published only at the e-procurement portal.
NIB Code : DLB2526A1892
UBN No : DLB2526SLOB06344
Raj.Samwad/C/25/3368 — Executive Officer, Municipal Board Itawa

कार्यालय नगरपालिका टोडारायसिंह जिला टोंक (राज.)
E-Mail – nptodaraisingh@gmail.com — Ph. – 01433-294303
क्रमांक : न.पा.टो./ विकास/ई निविदा/2025–26/369 — दिनांक :– 28.05.2025

ई–निविदा सूचना संख्या (03/2025–26)

एतदद्वारा यह है कि राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्नलिखित कार्यो के लिए राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में मोहरबन्द निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर भी उपलब्ध हैं एवं किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय में आकर देखी जा सकती है।

निविदा के कुल कार्य	02 (दो)
निविदा की अनुमानित लागत	राशि रू. 18.91 (लाखों में)
निविदा जारी करने की दिनांक	28.05.2025
निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने की शुरूआती दिनांक व समय	30.05.2025 9:00 AM
निविदा दस्तावेजों को अपलोड करने हेतु अन्तिम दिनांक व समय	13.06.2025 12:00 PM
निविदा शुल्क के डी.डी./दस्तावेज जमा करवाने हेतु दिनांक व समय	16.06.2025 11:00 AM
तकनिकी बिड खोलने की दिनांक व समय	17.06.2025 2:00 PM
वित्तीय बिड खोलने की दिनांक व समय	Will be Intimated Latter to the technically Qualified Bidders
बिड की वैधता समयावधि	180 दिन

NIB CODE : DLB2526A1871
UBN NO. DLB2526WSOB06260, 06262
राज.संवाद/सी/25/3375 — अध्यक्ष, नगरपालिका टोडारायसिंह — अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका टोडारायसिंह

राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान
(श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय) दुर्गापुरा, जयपुर-302018

कृषि प्रायोगिक एवं कृषि से संबंधित अन्य कार्य हेतु सभी श्रेणी के श्रमिक आपूर्ति की ई-निविदा सूचना

राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा, जयपुर द्वारा कृषि प्रायोगिक एवं कृषि से संबंधित अन्य कार्य हेतुसभी श्रेणी के श्रमिक की आपूर्ति की दर संविदा हेतु प्रतिष्ठित एवं अनुभवी पंजीकृत सेवा प्रदात्ता संस्थाओं/फर्मो से ई–निविदाएँ निम्न विवरणानुसार आमंत्रित की जाती हैः–

निविदा क्रमांक :	एफ.9 ()श्रीकनकृविवि/निदे.राकृअसं/लेखा/2025/01 दिनांकः 28.05.5025
विवरण	कृषि प्रायोगिक एवं कृषि से संबंधित अन्य कार्य हेतु सभी श्रेणी के श्रमिक आपूर्ति
ई–निविदा बेचने की तिथि व समय	28.05.2025 प्रातः 10:00 बजे से
प्री–बिड दिनांक, समय व स्थान	30.05.2025 समय प्रातः 12.00 बजे स्थान निदेशक कार्यालय, राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा, जयपुर
ऑनलाईन बिड प्रस्तुत करने की अंतिम दिनांक एवं समय	11.06.2025 प्रातः 11:00 बजे तक
ई–निविदा प्रपत्र खोलने की तिथि एवं समय	11.06.2025 दोपहर 2:00 बजे
अनुमानित राशि	रूपये 99.00 लाख
निविदा प्रपत्र शुल्क एवं बोली प्रतिभूति (Bid Security)	रू.1000/– + 18 % GST निविदा प्रपत्र शुल्क एवं बोली प्रतिभूति रू. 200000/–निदेशक, राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा, जयपुर के पक्ष में देय
RISL प्रोसेसिंग शुल्क	1500/– रू.(प्रबन्ध निदेशक, आर.आई.एस.एल. जयपुर के पक्ष में देय) (MDRISL JAIPUR)

ई–निविदा प्रपत्र शुल्क, आर.आई.एस.एल. प्रोसेसिंग फीस एवं बोली प्रतिभूति (bid security)के डी.डी./बैंकर चैक उपर्युक्त नाम से निदेशक, राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा, जयपुर के कार्यालय में दिनांक 11.06.2025 प्रातः 11:00 बजे तक भौतिक रूप से (Physically) प्रस्तुत करने होगें।

Details may be seen in the Bidding Document at our office or on the website of the State Public Procurement Portal http://sppp.rajasthan.gov.in or our website www.sknau.ac.in and may be downloaded from there or obtained from our office on payment of its price in cash/ demand draft.
राज.संवाद/सी/25/3395 — निदेशक

सीकर में मौसम बदला, तेज आंधी के साथ बारिश हुई

प्रदेश के मौसम में एक नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव

सीकर, (निसं)। प्रदेश के मौसम में एक नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव हो चुका है। इसके असर से सीकर में दोपहर बाद मौसम बदल गया। तेज आंधी चलने के साथ बारिश हुई। इससे पहले सीकर में दोपहर तक बादलों की आवाजाही रहने के साथ उमस रही। मौसम एक्सपर्ट्स की मानें तो सीकर में पांच जून तक आंधी चलने और बारिश होने की संभावना है।

सीकर के कृषि अनुसंधान केंद्र फतेहपुर पर सोमवार सुबह न्यूनतम तापमान में करीब 4 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। यहां न्यूनतम तापमान 25.5 डिग्री और अधिकतम तापमान 39 डिग्री रहा। इससे पहले रविवार को यहां पर न्यूनतम तापमान 29.5 और अधिकतम तापमान 38.5 डिग्री रहा था। रविवार को बादलों की आवाजाही के बीच सीकर में पूरे दिन उमस रही थी। मौसम एक्सपर्ट्स के मुताबिक प्रदेश के मौसम में नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होने के चलते ज्यादातर इलाकों में आंधी चलने और बारिश होने की संभावना है। सीकर में भी 5 जून तक 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी चलने और बारिश होने की संभावना है। बारिश के चलते लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी। प्रदेश के समस्त इलाकों में दोपहर में तापमान भी 45 डिग्री से कम रहेगा। वहीं जयपुर मौसम केंद्र के द्वारा आज सीकर में बारिश होने के साथ 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी चलने का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इसके बाद यहां 3 से 5 जून तक 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे के रफ्तार से तेज आंधी चलने और बारिश होने का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

चूरू में बारिश के बाद राहत मिली

चूरू, (निसं)। अंचल में पड़ रही गर्मी से सोमवार दोपहर हुई बारिश के बाद लोगों ने राहत की सांस ली। सोमवार दोपहर बाद हुई बारिश से लोगों के चेहरे खिल उठे। हालांकि ये मानसून की बारिश नहीं है, फिर भी लोगों को कुछ हद तक गर्मी से निजात मिली है। मौसम विभाग के अनुसार सोमवार को चूरू में शाम 6 बजे तक 11.8 एम.एम. बारिश दर्ज की गई और उसके बाद भी रुक–रुककर बारिश होती रही। मौसम विभाग की माने तो तीन दिन तक यही सिलसिला चलने की संभावना है। वहीं अधिकतम तापमान 38.02 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24.0 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

जेएनवीयू के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष विनोद भगासरा की करंट से मौत

विनोद भगासरा

- विनोद भगासरा घर पर ही बिजली का प्लग ठीक कर रहे थे, तभी करंट की चपेट में आ गए

जोधपुर, (कासं)। जयनारायण व्यास वि.वि. (जेएनवीयू) के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष और उम्मेद क्लब के एक्जिक्यूटिव सदस्य विनोद भगासरा की रविवार रात को घर में करंट लगने से मौत हो गई। वे अपने घर पर ही बिजली का प्लग ठीक कर रहे थे। तब अचानक करंट की चपेट में आ गए। परिजन तत्काल उन्हें अस्पताल लेकर गए लेकिन मौत हो चुकी थी।

महामंदिर थानाधिकारी देवेंद्र सिंह देवड़ा ने बताया कि बीजेएस कॉलोनी कालवी प्याऊ क्षेत्र में रहने वाले विनोद भगासरा (50) रविवार रात करीब पौने नौ बजे अपने घर में बिजली का प्लग ठीक कर रहे थे। तब ही बिजली का तार छू आने से उन्हें जोर का झटका लगा और नीचे गिर पड़े। उन्हें मुख्य मंडोर रोड पर भदवासिया पुलिया के पास स्थित श्रीराम हॉस्पिटल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टर ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

अस्पताल के संचालक डॉ. सुनील चांडक ने बताया कि परिजन उन्हें लेकर पहुंचे थे, उससे पहले ही उनकी मौत हो चुकी थी। उनका शरीर भी नीला पड़ चुका था। घटना की जानकारी मिलने के बाद अस्पताल पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर एमजीएच मोर्चरी में रखवाया।

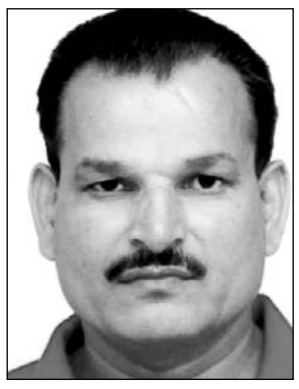

विनोद भगासरा की असामयिक मृत्यु की खबर मिलते ही शहर में शोक की लहर दौड़ गई। केंद्रीय मंत्री गजेंद्रसिंह शेखावत, जो स्वयं भी जेएनवीयू के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष रह चुके हैं, ने गहरा दुख व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि शेखावत भी 1989 से 2004 के बीच जेएनवीयू के छात्रसंघ अध्यक्ष रहे थे। इसी तरह, पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने भी भगासरा के निधन पर शोक व्यक्त किया है। कांग्रेस पार्टी से जुड़े विभिन्न नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनकी मृत्यु को राजस्थान की छात्र राजनीति के लिए एक बड़ी क्षति बताया है। विनोद भगासरा का राजनीतिक सफर 1990 के दशक में शुरू हुआ था जब वे जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय में छात्र थे। 1997 में उन्होंने नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) के टिकट पर छात्रसंघ अध्यक्ष का चुनाव जीता था। उनका हर किसी से आदर व स्नेह से मिलना उनकी खासियत थी। वे पहली ही मुलाकात में सामने वाले का दिल जीत लेते थे।

युवती ने फांसी लगाई

अजमेर, (कासं)। दरगाह थाना क्षेत्र के लोबान चौकी मोती कटला में रहने वाली एक युवती ने फंदा लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। मां ने जब युवती को खाने के लिए आवाज लगाई तो वह कमरे से नहीं आई, तब भाई ने कमरे का दरवाजा खटखटाया, गेट नहीं खोलने पर खिड़की से देखा तो युवती फंदे पर लटकी हुई थी। भाई व परिजन ने फंदे से उतार कर जेएलएन अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने मृतक घोषित कर दिया। सोमवार सुबहपुलिस ने युवती का पोस्टमार्टम करा शव परिजन के सुपुर्द कर दिया।

मोती कटला क्षेत्र लोबान चौक रहने वाली नेहा परवीन ने रविवार देर रात को फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। भाई शोहल खान पुत्र मोहम्मद अनीस ने दरगाह थाने पुलिस को रिपोर्ट दी है। दर्ज रिपोर्ट में मृतक युवती के भाई शोहल खान ने बताया कि उसकी बहन करीब 7 बजे से कमरे में थी, रात 10 बजे मां मेहसर ने उसे खाने के लिए आवाज लगाई, लेकिन वह बाहर नहीं आई। तब मैं घर से बाहर था। मां ने फोन पर बताया कि बहन ने दरवाजा नहीं खोला, जब घर लौटा और बहन के कमरे को खटखटाया, लेकिन दरवाजा नहीं खोला, तब खिड़की से देखा तो बहन फंदे पर लटकी थी। इसके बाद अपने भाई अरबाज के साथ मिलकर दरवाजा तोड़ा। बहन को पंखे से नीचे उतारकर जेएलएन अस्पताल लेकर गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस कॉन्स्टेबल सुनील खिलेरी की हत्या के मुख्य आरोपी ने कोर्ट में आत्मसमर्पण किया

- पुलिस कॉन्स्टेबल सुनील खिलेरी की डंपर से कुचलकर हत्या का मामला

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर जिले के लूणी थाना क्षेत्र में अवैध बजरी खनन के खिलाफ कार्रवाई के दौरान पुलिस कॉन्स्टेबल सुनील खिलेरी की डंपर से कुचलकर हत्या के मामले में मुख्य आरोपी डंपर चालक राणाराम ने सोमवार को जोधपुर की कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया, जिसे कोर्ट ने अग्रिम जांच के लिए पुलिस के हवाले कर दिया। इससे पहले पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी पर 20 हजार रुपए का इनाम घोषित कर रखा था। इस मामले में पुलिस द्वारा एक सरपंच पति समेत चार आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

जानकारी के अनुसार 25 मई की सुबह लूणी थाना पुलिस की टीम को खेजड़ली कला इलाके में अवैध बजरी खनन की सूचना मिली थी। टीम मौके पर पहुंची तो सरपंच पति हापुराम और उसके साथी जेसीबी से बजरी डंपर में भरवा रहे थे। पुलिस को देखकर डंपर चालक राणाराम डंपर लेकर भाग निकला। पुलिस ने डंपर का पीछा किया। इसी दौरान सफेद कार में सवार रविंद्र गोदारा ने पुलिस को धमकी दी कि डंपर का पीछा न करें, लेकिन पुलिस ने पीछा जारी रखा। गुलजी की प्याऊ के पास कच्ची सड़क पर पहुंचकर बदमाश राणाराम डंपर में भरी बजरी खाली करने लगा। उसके रुकते ही कॉन्स्टेबल सुनील खिलेरी ने डंपर को पकड़ने की कोशिश की। तभी चालक राणाराम ने डंपर को तेजी से टर्न लिया और कॉन्स्टेबल सुनील खिलेरी को कुचल दिया। डंपर का पिछला पहिया उनके पेट और पैरों के ऊपर से गुजर गया। गंभीर रूप से घायल सुनील को तत्काल एमडीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां तीन दिन तक इलाज के बाद 27 मई की रात उनकी मौत हो गई। तब पुलिस ने मामले में हत्या की धारा जोड़कर शेष आरोपियों की तलाश में छापेमारी अभियान चला रखा था। घटना के बाद हरकत में आई पुलिस ने सरपंच पति हापुराम बिश्नोई, रविंद्र गोदारा, सागर सैन और महेंद्र डूडी को गिरफ्तार किया। इन सभी को कोर्ट में पेश कर तीन दिन की रिमांड पर लिया गया। इसके साथ ही पुलिस ने मौके से एक जेसीबी मशीन और 1240 टन अवैध बजरी का स्टॉक भी जब्त किया।

गोभक्तों ने 59 मवेशियों से भरा ट्रक पकड़ा, दो गिरफ्तार

सूचना मिलने पर बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गये।

- ट्रक में बने दो पार्टेशन में ठूंस-ठूंस कर मवेशी भरे हुए थे

बीदासर, (निसं)। कस्बे में रविवार की रात्रि में सीकर–नोखा स्टेट हाइवे स्थित राजकीय लता लक्ष्मी चौरड़िया बस स्टैण्ड के पास नोखा की तरफ से आ रहे मवेशियों से भरे एक ट्रक को गौ भक्तों ने इशारा करके रुकवा लिया। ट्रक को रुकवाने के बाद गौ भक्तों ने ट्रक पर चढ़कर देखा तो ट्रक में बने दो पाटेशन में ठूस–ठूसकर मवेशी भरे हुए थे। ट्रक में भरे मवेशियों की खबर सोशल मीडिया पर ज्यों ही चली तो सैकड़ों की संख्या में युवा बस स्टैण्ड पर पहुंच गए तथा मवेशियों से भरे ट्रक को जाने नहीं दिया तथा इस प्रकार वाहन में पशु क्रूरता से मवेशी ले जाने को लेकर जमकर आक्रोश प्रकट करते हुए पुलिस प्रशासन को सूचना दी।

सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने ट्रक के ऊपर चढ़कर देखा तो ट्रक की बॉडी में दो पार्टेशन में रस्सी से बंधे बड़े मवेशी ठूस–ठूस कर भरे हुए थे। पुलिस ने ट्रक चालक को इतनी बड़ी संख्या में पशुओं को ले जाने बाबत लाइसेंस व परमिशन के बारे में पूछा तो उन्होंने अपने पास होना नहीं बताया। बस स्टेंड पर भीड़ व वाहनों का आवागमन होने से भलीभांति चैक करने हेतु वाहन को सुरक्षित स्थान शिव कृष्ण गौशाला समिति ले जाकर पशुओं को युवकों की सहायता से ट्रक से नीचे उतरवाकर गिनती की गई, तो 59 मवेशी मिले जिन्हें पुलिस ने कब्जे में लेकर गौशाला में उतरवाया तथा पुलिस ने ट्रक चालक करण सिंह निवासी नावली पुलिस थाना फिरोजपुर जिला मेवात व परिचालक शंकर बंजारा निवासी झाखेड़ा पुलिस थाना खंडेला जिला सीकर को गिरफ्तार कर पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर वाहन को सीज कर लिया है।

पुलिस ने बताया कि जब्त किए गए 59 पशुओं को थाना में चारा पानी व रखरखाव की व्यवस्था नही होने के कारण अस्थाई तौर पर शिव कृष्ण गौशाला में गौपाला रक्षक सहीराम सांसी को सुपुर्द्ध किए गए हैं।

एक व्यक्ति ने ससुराल में जहरीला पदार्थ खाया, मौत

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर के अटल बंद थाना इलाके में एक व्यक्ति ने अपनी ससुराल में जहरीला पदार्थ खा लिया। इलाज के दौरान मौत हो गई। सोमवार को व्यक्ति के शव का पोस्टमार्टम करवाया गया। व्यक्ति ने आठ साल पहले लव मैरिज की थी। व्यक्ति के पिता का कहना है कि उसके ससुराल वालों ने उसकी पत्नी को उसके खिलाफ कर दिया। जब वह अपनी पत्नी और बच्चों से मिलने जाता था तो, वह मेरे बेटे के साथ मारपीट करते थे।

चंद्रपाल सिंह निवासी बजरंग नगर ने पुलिस को शिकायत देते हुए बताया कि मेरे बेटे गौरव सिंह साल 2017 में मौना निवासी जवाहर नगर से लव मैरिज की थी। मौना के परिवार वाले इस शादी से खुश नहीं थे। वह गौरव और हमारे परिवार को जान से मारने की धमकी देकर प्रताड़ित करने लगे। डर के कारण गौरव मौना को लेकर भरतपुर से बाहर रहने लगा। जब गौरव और मौना के दो बच्चे हो गए तो, गौरव मौना को लेकर हमारे घर आ गया, जिसके बाद मौना के परिजन भी हमारे घर मौना और गौरव से मिलने आने लगे। एक दिन मौना के परिजन उसे हमारे घर ले गए और अपने घर ले जाकर गौरव के खिलाफ भड़काया। गौरव के पिता का आरोप है जब गौरव उसे लेने गया तो मौना के परिजनों ने उसे भेजने से मना कर दिया। गौरव जब भी मौना और अपने बच्चों से मिलने जाता तो, उसे बच्चों से मिलने नहीं दिया जाता और मौना की मां मंजीत कौर और दादा शेर सिंह गौरव से मारपीट करते। इससे गौरव मानसिक रूप से परेशान रहने लगा। मौना के पीहर वालों ने गौरव के खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज करवा दिया। एक जून को फिर से गौरव अपनी पत्नी मौना और अपने बच्चों से मिलने के लिए ससुराल गया। तब गौरव के साथ मौना, उसकी मां मंजीत कौर और दादा शेर सिंह ने मारपीट की और घर से भगा दिया। मौना ने गौरव से कहा कि वह मर जाए। जिससे आहत होकर गौरव ने अपनी ससुराल में ही जहरीला पदार्थ खा लिया। जिसके बाद उन्होंने हमें सूचना दी। गौरव को आरबीएम अस्पताल में भर्ती करवाया गया, कल उसकी मौत हो गई। सोमवार को गौरव के शव का पोस्टमार्टम करवाया गया। गौरव के पिता का आरोप है उसकी मौत के जिम्मेदार मौना, उसकी मां और दादा हैं। एएसआई हरीश ने बताया कि मृतक गौरव के पिता ने शिकायत दे दी है, जिसे दर्ज कर लिया जाएगा।

पूर्व मंत्री सालेह मोहम्मद के निजी सचिव शकूर खान को प्राप्त था राजनीतिक सरंक्षण : महंत प्रतापपुरी

'पाक जासूसी मामले में निजी सचिव की गतिविधियों से मंत्री अनजान, यह चिंता, चिंतन और निदंनीय विषय'

जयपुर। पोकरण से भाजपा विधायक महंत प्रतापपुरी ने सोमवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेस बाइट के दौरान कहा कि कांग्रेस के पूर्व मंत्री सालेह मोहम्मद के निजी सचिव शकूर खान मंगालिया को राजनीतिक सरंक्षण प्राप्त था, इसके चलते वो सरकारी कार्मिक होते हुए बिना किसी सूचना के पाकिस्तान की यात्राएं कर चुका। इतना ही नहीं, शकूर खान को राजनीतिक सरंक्षण प्रदान करने वाले लोगों की भी निष्पक्ष जांच होगी। विधायक प्रतापपुरी ने कहा कि सालेह मोहम्मद के तत्कालीन निजी सचिव शकूर खान लंबे समय तक उनके साथ जुड़े रहे और इस दौरान क्षेत्र में आयोजित होने वाले सैन्य कार्यक्रम में तत्कालीन मंत्री के साथ भी शामिल हुए होंगे। ऐसे में पूरी संभावनाएं है कि शकूर खान ने गोपनीय सूचनाएं लीक की होगी। ऐसे व्यक्ति की गतिविधियों से मंत्री अनजान रहे हों, यह बहुत चिंता, चिंतन और निदंनीय विषय है।

पोकरण से भाजपा विधायक महंत प्रतापपुरी ने सोमवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेस को संबोधित किया।

प्रतापपुरी ने कहा कि इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ से शिष्टाचार भेंट की तथा केंद्रीय नेतृत्व को भी पत्र लिखकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। प्रतापपुरी ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने इस पर गंभीरता से संज्ञान लेते हुए उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाया है। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी इस विषय में बहुत गंभीर है।

■ 'पाक जासूसी मामले में निजी सचिव को रानजीतिक सरंक्षण प्रदान करने वालों की भी होगी जांच'

विधायक प्रतापपुरी ने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में लगातार संदिग्ध गतिविधियां हो रही हैं, जो बेहद चिंताजनक हैं। इस क्षेत्र के पूर्व जनप्रतिनिधियों द्वारा धर्म और शिक्षा का सहारा लेकर खोले गए संस्थानों की गतिविधियों पर भी सरकार को नजर रखनी चाहिए। विधायक प्रतापपुरी ने बताया कि सालेह मोहम्मद के पिता स्व. गाजी खान पर 2013 में तत्कालीन एसपी पंकज चौधरी ने हिस्ट्रीशीट खोली, लेकिन राजनैतिक रसूख के चलते मामले को रफा दफा करवा दिया गया। उन्होंने बताया कि इनके कार्यकाल में राजनैतिक प्रभाव से ग्रामदानी योजना में इस क्षेत्र में किन-किन लोगों को लाभान्वित किया गया, जमीनों को आवंटन नियमानुसार हुआ या नहीं, इस विषय की भी जांच होनी चाहिए। इसके साथ ही इस क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों द्वारा अर्जित की गई संपत्ति तथा उनकी विदेश यात्राओं की भी जांच होनी चाहिए। सालेह मोहम्मद से जुड़ा अश्लील सीडी मामला राजनीतिक सरंक्षण के चलते दबा दिया गया। ऐसे में देश की सुरक्षा से जुड़े मामले में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाना चाहिए। शकूर खान की गिरफ्तारी के बाद स्थानीय लोगों में चर्चा है कि आईपीएस पंकज चौधरी द्वारा की गई कार्रवाई की निष्पक्षता से जांच होती तो आज देश की गोपनीय सूचनाएं लीक नहीं होती और अब आशा है कि समय पर जांच होगी और सरकार जनता की उम्मीदों के अनुरूप कार्रवाई करेगी।

बदला मौसम, बदले नज़ारे : मौसम के तीनों रूप देखने को मिले। दिनभर उमस से गर्मी शाम को आसमान में काली घटाये छाने व ठंडी हवाओं से मौसम सुहाना हुआ तो रात को तेज बारिश से मौसम का मिजाज बदला। फोटो : दिनेश भारद्वाज

प्रदेश में आए करोना संक्रमण के 15 नए मामले

जयपुर। प्रदेश में कोरोना संक्रमण के मामलों में एक बार फिर उछाल देखने को मिला है। सोमवार को प्रदेशभर से 15 नए मरीज सामने आए, जिनमें जयपुर के 10, जोधपुर के 3 और उदयपुर के 2 मामले शामिल हैं। इसके साथ ही इस साल अब तक कुल 113 संक्रमित मरीज दर्ज किए जा चुके हैं। चिकित्सा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार एसएमएस अस्पताल, एसएन मेडिकल कॉलेज, बी. लाल लैब से एक-एक मामला, एम्स जोधपुर, आरएनटी मेडिकल कॉलेज उदयपुर से 2-2, राजस्थान अस्पताल, जयपुर से 3, एम जेनिक्स, जयपुर से सर्वाधिक 5 मामले सामने आए है।

जानकारी के अनुसार जयपुर में 34, 23, 24, 51 वर्षीय महिलाएं जबकि 63, 79, 47, 50, 61 वर्षीय पुरुष, इसी प्रकार चूरू से 31 वर्षीय पुरुष, जोधपुर से 36 और 64 वर्षीय दो महिलाएं जबकि 29 वर्षीय एक पुरुष, उदयपुर से 27 वर्षीय पुरुष, 15 वर्षीय किशोरी कोरोना संक्रमित पाए गए। प्रदेश के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती मरीजों की स्थिति की बात की जाए तो वर्तमान में 16 मरीजों का इलाज चल रहा है। जिसमें मरुधर, जेके लोन, एसएमएस, साकेत और राजस्थान अस्पताल (जयपुर) में एक-एक मरीज, आरएनटी मेडिकल कॉलेज, उदयपुर में 3 मरीज, एम्स, जोधपुर में सबसे ज्यादा 8 मरीज भर्ती हैं।

जयपुर: 63, उदयपुर 14, जोधपुर 11, डीडवाना 5, बीकानेर 6, अजमेर, बालोतरा, दौसा 2-2, चित्तौड़गढ़, चूरू, डूंगरपुर, फलौदी, राजसमंद, सवाई माधोपुर, सीकर 1-1 व अन्य (मध्यप्रदेश) 1 मरीज कोरोना संक्रमित पाया गया है जबकि एक मरीज की अब तक मौत हो चुकी है। जिससे विभाग सतर्क हो गया है।

आर्यमन ने जेईई एडवांस में देश में 93 वीं रैंक प्राप्त की

जयपुर। आईएएस दंपति संदीप वर्मा और श्रेया गुहा के बेटे आर्यमन देव वर्मा ने जेईई एडवांस्ड 2025 परीक्षा में 93वीं ऑल इंडिया रैंक हासिल की है। इस परीक्षा का परिणाम सोमवार सुबह घोषित किया गया। आर्यमन जयपुर शहर से इस परीक्षा में दूसरे स्थान पर रहे हैं।

संदीप वर्मा और श्रेया गुहा, दोनों ही राजस्थान सरकार में अतिरिक्त मुख्य सचिव के पद पर कार्यरत हैं।

उनके बड़े बेटे, आयुष्मान देव वर्मा, भी 2018 में जयपुर के टॉपर्स में शामिल थे। वे बाद में आईआईटी बॉम्बे में चयनित हुए और अब यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबरा में मैथमैटिकल इकोनॉमिक्स में पीएचडी कर रहे हैं।

आर्यमन देव वर्मा

मां श्रेया गुहा, आईएएस, स्वयं भी अपने स्नातक दिनों में दिल्ली विश्वविद्यालय की टॉपर रही हैं, और बाद में आईएएस के लिए चयनित हुईं।

■ आर्यमन देव वर्मा आईएएस दंपति संदीप वर्मा एवं श्रेया गुहा के पुत्र हैं

पिता संदीप वर्मा, आईआईटी दिल्ली से पढ़े हैं और कैट परीक्षा के माध्यम से दो बार आईआईएम अहमदाबाद में एमबीए के लिए चयनित हुए, लेकिन अंतत: उन्होंने आईएएस बनने का निर्णय किया और आईएएस परीक्षा में देशभर में 5वीं रैंक प्राप्त की।

राजेश कुमार अग्रवाल ट्राई जयपुर में सलाहकार नियुक्त

जयपुर। राजेश कुमार अग्रवाल ने आज भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) के क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर में सलाहकार के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। राजेश कुमार अग्रवाल भारतीय दूरसंचार सेवा के 1993 बैच के अधिकारी हैं। अग्रवाल को दूरसंचार क्षेत्र में 30 वर्षों से अधिक का अनुभव प्राप्त है। उन्होंने जयपुर मेट्रो में निदेशक और भारत संचार निगम लिमिटेड जयपुर में प्रधान महाप्रबंधक के रूप में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है।

राजस्थान के अतिरिक्त मुख्य सचिव आलोक का निधन

जयपुर। राजस्थान कैडर के 1993 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव (ऊर्जा) आलोक का सोमवार को नई दिल्ली में निधन हो गया। पिछले कुछ समय से आलोक दिल्ली में इलाज चल रहा था। उनके निधन के उपरांत दिल्ली स्थित निवास स्थान पर भारतीय प्रशासनिक सेवा, पुलिस सेवा एवं अन्य विशिष्ट सेवाओं के अधिकारियों सहित राज्य सरकार के दिल्ली स्थित राजकीय कार्यालयों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें श्रद्धांजली अर्पित की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की तरफ से मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल और प्रमुख शासन सचिव आलोक गुप्ता ने स्वर्गीय आलोक के पार्थिव देह पर पुष्प चक्र अर्पित किया।

कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़, ऊर्जा राज्यमंत्री हीरालाल नागर, मुख्य सचिव और नई दिल्ली में राजस्थान सरकार के मुख्य आवासीय आयुक्त सुधांश पंत, आई. ए. एस. अखिल अरोड़ा, आनंद कुमार, भास्कर सावंत, अपर्णा अरोड़ा, सहित बहुतायत संख्या में भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों सहित अन्य विशिष्ट लोगों ने लोधी रोड स्थित शवदाह गृह पहुंचकर स्व. आलोक की अंत्येष्टी में सम्मिलित हुए। इसके अतिरिक्त भारत सरकार में पदस्थापित आई.ए.एस. अधिकारी तन्मय कुमार, नरेश पाल गंगवार, रोली सिंह, राज्य के पूर्व मंत्री युनुस खान और सेवानिवृत अधिकारियों सुनील अरोड़ा, पांडेय इत्यादि ने भी उनकी देह पर पुष्प चक्र अर्पित करते हुए शोक संतृप्त परिवार को सांत्वना व्यक्त की।

उल्लेखनीय है कि स्व. आलोक वर्तमान में उर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव तथा दिल्ली में प्रमुख आवासीय आयुक्त के पद पर अपनी सेवाएं दे रहे थे। इसके अतिरिक्त आलोक ने केन्द्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, विभागों और प्राधिकरणों सहित सहित राज्य सरकार के महत्वपूर्ण विभागों में अपनी सेवाएं दी हैं।

स्वर्गीय आलोक को श्रद्धांजली अर्पित करने के लिए मंगलवार को नई दिल्ली स्थित बीकानेर हाउस में सांय 6 बजे से 7 बजे तक एक श्रद्धांजली सभा का आयोजन रखा गया है।

■ राजस्थान के कैबिनेट मंत्री और मुख्य सचिव सहित विभिन्न सेवाओं के अधिकारी हुए अंत्येष्टी में शामिल

ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने अतिरिक्त मुख्य सचिव (ऊर्जा) आलोक के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। नागर ने कहा कि आलोक काबिल एवं कर्तव्यनिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी थे। उन्होंने राजस्थान को ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के संकल्प को साकार रूप प्रदान करने की दिशा में अथक प्रयास किए। उनके असामयिक निधन से जो क्षति हुई है, वो अपूरणीय है। अस्वस्थ होने के बाद कुछ दिन पूर्व ही मैं उनसे दिल्ली स्थित मैक्स अस्पताल मिला था। यकीन नहीं हो रहा कि इतनी जल्दी ही वे साथ छोड़ जाएंगे। नागर ने ईश्वर से दिवंगत की आत्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिजनों के साथ अपनी गहरी संवेदना प्रकट की है।

अनफिट परिचालक से रूट पर ड्यूटी कराने के आदेश पर रोक

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने सेवा के दौरान दुर्घटनाग्रस्त होकर अनफिट हुए रोडवेज परिचालक से लाइट ड्यूटी की बजाए रूट पर काम कराने के आदेश पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में रोडवेज एमडी सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश ममता की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता करौली बस स्टैंड पर बुकिंग की लाइट ड्यूटी दी गई थी। वहीं हाल ही में याचिकाकर्ता का ड्यूटी से जाते समय एक्सीडेंट हो गया था और उसकी पटेला बोन टूट गई थी। इस पर याचिकाकर्ता ने मेडिकल बोर्ड से प्रमाण पत्र बनवाकर रोडवेज प्रशासन को पेश किया।

निरीक्षण के बाद भी सुधार नहीं तो होगी अनुशासनात्मक कार्रवाई : गजेन्द्र सिंह खींवसर

जयपुर। प्रदेश के मेडिकल कॉलेज एवं इनसे संबद्ध अस्पतालों का अब नियमित निरीक्षण होगा। निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों का निर्धारित अवधि में निस्तारण नहीं होने पर संबंधित अधिकारी के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, साफ-सफाई, मरम्मत, जांच, दवा एवं उपचार की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करते हुए अस्पतालों को पेशेंट फ्रेण्डली बनाया जाएगा।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों एवं इनसे संबद्ध अस्पतालों का निरीक्षण कर लौटी टीमों से सोमवार को सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के सभागार में चर्चा करते हुए इस संबंध में निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य का विषय बेहद संवेदनशील है, इसमें किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जा सकती। सभी अधिकारी अपने क्षेत्राधिकार से संबंधित अस्पतालों का नियमित निरीक्षण करें और निरीक्षण में पाई गई कमियों में तत्काल सुधार भी करें।

चिकित्सा मंत्री खींवसर ने कहा कि चिकित्सा अधिकारी अस्पताल को अपना घर और रोगियों को परिवार का सदस्य मानते हुए मानवीय भाव के साथ सेवाएं दें।

एक करोड़ 11 लाख गौवंश को लगेगा लम्पी से बचाव का टीका

जयपुर। प्रदेश में गौवंश को लम्पी स्किन डिजीज जैसी जानलेवा बीमारी से सुरक्षित रखने के लिए 'लम्पी स्किन डिजीज रोग प्रतिरोधक टीकाकरण अभियान' का सोमवार से आगाज हो गया है। यह अभियान 2 जून से 2 अगस्त तक संचालित किया जाएगा, जिसमें गॉट पॉक्स वैक्सीन (उत्तरकाशी स्ट्रेन) का उपयोग कर 4 माह से अधिक उम्र के स्वस्थ गौवंश का टीकाकरण किया जाएगा। श्रीपिंजरापोल गौशाला में आयोजित कार्यक्रम में पशुपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने टीकाकरण अभियान की टीम को वैक्सीन किट भेंट कर किया। इससे पहले मंत्री ने गौपूजन कर गौशाला का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि इस बार अभियान के तहत दो माह में एक करोड़ 11 लाख 57 हजार गौवंश का टीकाकरण किया जाएगा।

जोराराम कुमावत ने कहा कि वर्ष-2022-23 में लंपी बीमारी महामारी के रूप में आई थी, जिससे करीब 76 हजार गौवंश की मौत हो गई। इसके बाद राज्य सरकार ने इस बीमारी की रोकथाम के लिए युद्धस्तर पर कार्य किया और पिछले साल मानसून से पहले व्यापक स्तर पर अभियान चलाकर करीब 95 फीसदी गौवंश का टीकाकरण किया गया। इसका परिणाम ये रहा कि इस बीमारी से कोटा व झालावाड़ जिलों के अलावा प्रदेश के अन्य जिलों में इसका प्रकोप देखने को नहीं मिला। यह वैक्सीन इतनी कारगर सिद्ध हुई की विगत वर्ष गौवंश की इस बीमारी से मृत्युदर महज 5 फीसदी ही रही।

इस मौके पर पशुपालन विभाग के डायरेक्टर डॉ. आनंद सेजरा ने बताया कि यह टीकाकरण मानसून से पूर्व इसलिए किया जा रहा है ताकि वेक्टर जनित संक्रमणों की गतिविधि बढ़ने से पहले ही पशुओं में रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित की जा सके।

नारायणा हॉस्पिटल जयपुर ने विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर वॉकथॉन का आयोजन किया

जयपुर। नारायणा हॉस्पिटल जयपुर ने विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर सफलतापूर्वक वॉकथॉन का आयोजन संपन्न किया। इस कार्यक्रम को जयपुर निवासियों से जबरदस्त समर्थन मिल, वकाथन के माध्यम से ढाई सौ से ज्यादा लोगों ने तंबाकू के हानिकारक असर को समझा और जागरूकता अभियान में भाग लिया। वॉकथॉन का समापन अस्पताल परिसर में हुआ, जहां सभी प्रतिभागियों ने तंबाकू मुक्त जीवन जीने की शपथ ली।

नारायणा हॉस्पिटल के विशेषज्ञों ने तंबाकू और धूम्रपान के हानिकारक प्रभावों पर प्रकाश डाला, जो विशेष रूप से कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों का कारण बनते हैं। धूम्रपान और तंबाकू के सेवन के कुछ प्रमुख हानिकारक प्रभाव जो कैंसर का कारण बन सकते हैं।फेफड़ों का कैंसर, मुंह और गले का कैंसर, खाने की नली का कैंसर , पेट का कैंसर और गुर्दे का कैंसर होने की संभावना बढ़ जाती है।इस वॉकथॉन का थीम "एक नयी शुरुआत" जो दर्शाता है कि हममें तंबाकू को छोड़ के एक नयी शुरुआत की तरफ आगये बढ़ना है। नारायणा हॉस्पिटल, जयपुर की रेडिएशन ऑन्कोलॉजी की डायरेक्टर डॉ. निधि पाटनी ने कहा, "तंबाकू का सेवन न केवल आपको बल्कि आपके आस-पास के लोगों को भी नुकसान पहुंचाता है। निष्क्रिय धूम्रपान भी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है। कैंसर के अलावा, तंबाकू हृदय रोग, स्ट्रोक, मधुमेह और श्वसन संबंधी कई समस्याओं को भी जन्म देता है। हमारा लक्ष्य लोगों को इन खतरों के प्रति जागरूक करना और उन्हें एक स्वस्थ, तंबाकू मुक्त जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। नारायणा हॉस्पिटल, जयपुर के फैसिलिटी डायरेक्टर बलविंदर सिंह वालिया ने कहा, "इस वॉकथॉन की सफलता वास्तव में एक स्वस्थ जयपुर के लिए हमारे समुदाय के साझा दृष्टिकोण को दर्शाती है। इतने सारे व्यक्तियों को इस उद्देश्य के लिए एक साथ आते देखना प्रेरणादायक था, जो लोगों को तंबाकू छोड़ने और नई पीढ़ियों को इसे शुरू करने से रोकने के हमारे संकल्प को मजबूत करता है।"

■ ढाई सौ से अधिक लोग तंबाकू मुक्त भविष्य के लिए एकजुट हुए

■ वॉकथॉन का थीम "तंबाकू छोड़ के एक नयी शुरुआत" रखा

डोटासरा के अनर्गल और घमंडी बोल लोकतंत्र की मर्यादा का अपमान : दिलावर

जयपुर। स्कूल शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा पर करारा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस नेता गोविंद डोटासरा पूरी तरह संयम और शिष्टाचार की सीमाएं लांघ चुके हैं और इसे तार-तार कर रहे हैं। स्कूल शिक्षा मंत्री ने कहा कि डोटासरा बेतुका, बेसिर-पैर का प्रलाप कर रहे हैं। यह उनकी बौखलाहट है तथा उनकी भाषा में घमंड भरा हुआ है। वे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की लोकप्रियता और कार्यशैली से भयभीत हैं।

दिलावर ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में हमारी सरकार में राजस्थान की जनता की चलती है और राजस्थान के विकास एवं हर व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान के लिए हमारी सरकार काम कर रही है। चाहे वह जल प्रबंधन हो, बिजली की आत्मनिर्भरता, युवाओं को रोज़गार देना हो या फिर पेपर लीक पर कठोर नियंत्रण-हर क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किए जा रहे हैं। भ्रष्टाचार पर निर्णायक प्रहार, अपराधों में गिरावट, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, शिक्षा और राइज़िंग राजस्थान में रिकॉर्ड एमओयू ये सब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की दूरदर्शिता और जनहितकारी सोच का प्रतिफल है।

उन्होंने कहा कि डोटासरा जनता के हित के काम करें और अच्छे विपक्ष की भूमिका निभाएं लेकिन यह भूमिका भी नहीं निभा पा रहे हैं। अगली बार राजस्थान की जनता आपको विपक्ष के लायक भी नहीं छोड़ेगी।

एफ.आई.आर. में पुलिस की भूमिका व जांच पर संशय जताते हुए अदालत ने तथ्यात्मक रिपोर्ट मंगाई

अदालत ने कहा कि जांच के दौरान याचिकाकर्ता को हिरासत में नहीं ले सकती है पुलिस

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट में एक और ऐसा मामला सामने आया है, जहां ऐसा प्रतीत होता है कि पुलिस अधिकारी ही गुंडागर्दी और धमकी देने का काम कर रहे हैं। कोतवाली पुलिस स्टेशन जयपुर सिटी (नॉर्थ) ने वहां के तत्कालीन एस.एच.ओ. राजेश कुमार शर्मा ने देव प्रकाश खंडाका के खिलाफ अपने मालिक की संपत्ति चोरी करने का आरोप लगाते हुए भारतीय न्याय संहिता की धारा 306 के अन्तर्गत एफ.आई.आर. दर्ज की। इस मामले में देव प्रकाश खंडाका ने एफ.आई.आर. को रद्द करने के लिये याचिका दायर की थी, और उल्टा तत्कालीन एस.एच.ओ. और जांच अधिकारी राजेश शर्मा पर आपसी रंजिश और ईर्ष्या के चलते यह एफ.आई.आर. दर्ज कराने के आरोप लगाये।

■ याचिकाकर्ता ने तत्कालीन एस.एच.ओ. और जांच अधिकारी, राजेश कुमार शर्मा, पर रिश्वत लेने के आरोप लगाये, कहा कि ईर्ष्या और आपसी रंजिश के चलते उसके खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज कराई है

■ याचिकाकर्ता ने कहा कि उसकी शिकायत पर एस.एच.ओ. का तबादला भी किया है, परंतु उसे संशय है कि वह मामले अभी भी मिला हुआ है और जांच को प्रभावित भी कर सकता है

इस मामले में याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता सारांश सैनी अदालत में पैरवी के लिये पेश हुए थे। उन्होंने अदालत को बताया कि इस मामले में कोतवाली पुलिस थाने में एफ.आई.आर. 21 अप्रेल 2025 को दायर की थी और याचिकाकर्ता पर आरोप लगाये गये हैं कि उसने उसके मालिक के कानों के झुमके और चांदी का सामान चुराया है। उन्होंने अदालत को इस बात से भी अवगत कराया कि एफ.आई.आर. में वर्णित है कि कथित चोरी छह माह से भी पहले हुई थीं

सारांश सैनी ने अदालत से कहा कि कोतवाली पुलिस थाने के एस.एच.ओ. राजेश शर्मा उनके मुवक्किल से ईर्ष्या रखते हैं और उन्होंने याचिकाकर्ता से सोना मांगा थी, जिस पर मना करने पर राजेश कुमार शर्मा ने उनके खिलाफ एफ.आई.आर दर्ज की। उन्होंने अदालत को बताया कि राजेश कुमार शर्मा ने किसी झुमके और चांदी के सामान के बिल, जिन पर 20 जुलाई 2024 की तारीख है, को आधार बनाते हुए एफ.आई.आर दर्ज की है जिस पर याचिकाकर्ता का कहना है कि इस बिल का एफ.आई.आर. में वर्णित तथ्यों से कुछ लेना-देना नहीं है।

सारांश सैनी ने अदालत को यह भी बताया कि दबाव बनाने को लेकर याचिकाकर्ता की शिकायतों पर राजेश कुमार शर्मा को कोतवाली पुलिस थाने से स्थानांतरण कर दिया गया है, परंतु याचिकाकर्ता को संशय है कि वह इस मामले में मिला हुआ है और उसकी जांच को प्रभावित कर सकता है।

इस मामले की सुनवाई करते हुए उच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ता को आंशिक राहत देते हुए कहा है कि इस थाने के एस.एच.ओ. या जांच अधिकारी, याचिकाकर्ता को इस एफ.आई.आर. के संदर्भ में गिरफ्तार नहीं कर सकते और पब्लिक प्रोसिक्यूटर इस मामले की तथ्यात्मक रिपोर्ट जल्द प्रस्तुत करें। न्यायाधीश प्रवीण भटनागर ने कहा है कि याचिकाकर्ता इस मामले में सहयोग करने में तत्पर हैं। इसलिये इस मामले में अगली तारीख 10 जुलाई 2025 से पूर्व तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश की जाये।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने बीकानेर में शिक्षा निदेशालय का अवलोकन किया

निदेशालय के अधिकारी, कर्मचारी अतिरिक्त संवेदनशीलता से कार्य करें : वासुदेव देवनानी

बीकानेर, (निसं)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोमवार को शिक्षा निदेशालय का अवलोकन किया। उन्होंने माध्यमिक और प्रारम्भिक शिक्षा निदेशक सहित वरिष्ठ अधिकारियों के साथ शैक्षणिक एवं अन्य व्यवस्थाओं पर चर्चा की। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने निर्देश दिए कि निदेशालय के अधिकारी कर्मचारी अतिरिक्त संवेदनशीलता से कार्य करें, जिससे राज्य भर के शिक्षकों और कर्मचारियों की वाजिब आवश्यकताओं और समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण हो सके। उन्होंने शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने पर जोर दिया और इसके लिए सतत तौर पर नवाचार करने की बात कही।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शिक्षा निदेशालय का अवलोकन किया।

- देवनानी ने माध्यमिक और प्रारम्भिक शिक्षा निदेशक सहित वरिष्ठ अधिकारियों के साथ शैक्षणिक व अन्य व्यवस्थाओं पर चर्चा की

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि शिक्षा विभाग द्वारा मेधावी विद्यार्थियों को विधानसभा के अवलोकन के लिए शैक्षणिक भ्रमण पर भेजा जाए। इसके लिए निदेशालय स्तर पर कार्यक्रम निर्धारित हो। स्कूली विद्यार्थियों को विधानसभा की कार्यवाही भी दिखाई जाए, जिससे उन्हें इस प्रकिया की जानकारी हो सके। उन्होंने विधानसभा में आयोजित यूथ पार्लियामेंट और बच्चों से संबंधित अन्य नवाचारों की जानकारी दी। विधानसभा अध्यक्ष ने जिलों में युवाओं के लिए वाचनालय प्रारंभ करने का सुझाव भी दिया और कहा कि इनमें सभी आवश्यक अत्याधुनिक सुविधाएं मुहैया करवाई जाएं, जिससे जरूरतमंद बच्चे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर सकें।

इससे पहले विधानसभा अध्यक्ष ने निदेशालय के समाधान कक्ष का अवलोकन किया। माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी ने समाधान कक्ष में प्रकरण प्राप्त होने से लेकर इसके निस्तारण तक की कार्यप्रणाली के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि समाधान कक्ष के माध्यम से कार्मिकों की परिवेदनाओं के निस्तारण और इसके समयबद्धता में इजाफा हुआ है।

विधानसभा अध्यक्ष ने निदेशालय परिसर में संचालित शिशु पालना गृह (क्रेच) का अवलोकन भी किया और यहां की व्यवस्थाओं को सराहा। साथ ही निदेशालय परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था की प्रशंसा की। इस दौरान विभिन्न कार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने विधानसभा अध्यक्ष का अभिनन्दन किया।

माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने बैठक के दौरान विधानसभा अध्यक्ष को मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान, शाला स्वास्थ्य परीक्षण, एआई बेस्ड ओरल रीडिंग फ्लुएंसी असेसमेंट, दक्षता आधारित आंकलन एवं उपचारात्मक शिक्षण, परीक्षा पे चर्चा, मिशन स्टार्ट कार्यक्रम, एसीपी और एमएसीपी मॉड्यूल में सरलीकरण के लिए किए गए संशोधन और परीक्षा परिणाम की समीक्षा के मानदंड संबधी निर्देशों के बारे में जानकारी दी। इस दौरान प्रारंभिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट, अतिरिक्त निदेशक गोपाल राम बिरदा सहित शिक्षा निदेशालय के अधिकारी मौजूद रहे।

कपासन की फैक्टरी में कृषि विभाग ने कार्रवाई की

कपासन, (निसं)। कपासन के सिंहपुर टोल नाके के पास स्थित सिद्धि विनायक प्राइम केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड फैक्टरी में कृषि विभाग ने जांच की। फैक्टरी में प्रोम खाद बनाने का लाइसेंस होने के बावजूद भूमि सुधारक पदार्थ का निर्माण किया जा रहा था। संयुक्त निदेशक कृषि दिनेश कुमार जागा और उपनिदेशक उद्यान डॉ. शंकरलाल जाट के नेतृत्व में टीम ने सोमवार सुबह फैक्टरी का निरीक्षण किया। फैक्टरी को 2018 से प्रोम खाद बनाने का लाइसेंस मिला हुआ था। प्रोम खाद फास्फोरस और जैविक तत्वों से युक्त होती है।

- 10 हजार से ज्यादा थैले सीज, प्रोम खाद के लाइसेंस पर बन रहा था भूमि सुधारक पदार्थ

जांच के दौरान फैक्टरी में बायो स्टीमुलेटर के 8,940 थैले और भूमि सुधारक के 1,858 थैले मिले। ये थैले 25 और 50 किलो की पैकिंग में थे। फैक्टरी परिसर में रॉक फॉस्फेट, जिप्सम, डोलोमाइट, बेटोंनाइट और बायो कोक जैसे पदार्थ भी पाए गए। कृषि विभाग की टीम ने कार्रवाई करते हुए सभी थैलों को सीज कर दिया। तैयार प्रदार्थों के सैंपल लेकर जांच के लिए लैब भेजे जाएंगे। जांच टीम में उपनिदेशक कृषि प्रेमचंद वर्मा, सहायक निदेशक कृषि विस्तार भगवानसिंह कुंपावत, कृषि अधिकारी रामजस खटीक, हीरालाल सालवी, प्रशांत कुमार जाटोलिया, सहायक कृषि अधिकारी गोपाललाल चाष्टा और कृषि पर्यवेक्षक रतनलाल पूर्बिया शामिल थे।

चलते कंटेनर में आग लगी, पांच स्कॉर्पियो जली

सूरतगढ़, (निसं)। सूरतगढ़-बीकानेर नेशनल हाइवे संख्या 62 पर बिरधवाल से आगे और थर्मल टी पॉइंट के पास एक कंटेनर में एकाएक आग लग जाने से उसमें लदी पांच स्कॉर्पियो गाड़ियां जलकर खाक हो गई। हादसा उस वक्त हुआ जब कंटेनर बीकानेर की ओर से 6 स्कॉर्पियो गाड़ियां लेकर सूरतगढ़ की ओर आ रहा था। पीछे से एक अन्य वाहन चालक ने कंटेनर से धुआं निकलता देख चालक को बताया तो उसने तुरंत ही ट्रक को सड़क से उतारकर खाली स्थान पर खड़ा कर दिया। इस दौरान वहां से गुजर रहे लोगों और चालक ने कंटेनर में रखी एक स्कॉर्पियो गाड़ी को बाहर निकाल लिया। लेकिन शेष पांच गाड़ियां आग की चपेट में आ गई। घटना की सूचना राजियासर पुलिस थाना को दी गई। इसके साथ ही सूरतगढ़ से फायर टेंडर भी मौके पर पहुंचा। आग बढ़ती देख थर्मल से भी दमकलों को बुलाया गया, जिन्होंने करीब ढाई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

राजियासर थाना के सहायक उप निरीक्षक हनुमान प्रसाद मीणा ने बताया कि रात करीब 10 बजे मिली सूचना पर वे जाप्ते सहित मौके पर पहुंचे। मगर तब तक कंटेनर को आग ने पूरी तरह अपनी चपेट में ले लिया था। गनीमत रही कि घटना में कोई घायल नहीं हुआ वहीं, प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कंटेनर के एक टायर में आग लगी थी, इसके बाद वह आग फैलती चली गई। आगजनी के बीच कंटेनर के अंदर गेट के पास खड़ी स्कॉर्पियो गाड़ी को समय पर उतार लिया गया मगर बाकी गाड़ियां अग्निकांड की चपेट में आ गई।

ई-रिक्शा से हेरोइन व नशीली टैबलेट की तस्करी, दो गिरफ्तार

हनुमानगढ़, (निसं)। यहां नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए तस्कर नित नए तरीके ईजाद कर रहे हैं, ताकि पुलिस की पकड़ में न आ सकें। सदर थाना पुलिस ने ई-रिक्शा के माध्यम से चिट्टा व नशीली टैबलेट की तस्करी करते दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 63 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) व 16 हजार प्रतिबंधित नशीली टैबलेट बरामद की है। खास बात यह कि तस्करों ने ई-रिक्शा में बनाई गई खुफिया जगह में चिट्टा व नशीली टैबलेट छुपा रखी थी, लेकिन वे पुलिस को चकमा नहीं दे पाए। पुलिस ने दोनों तस्करों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार सदर थाना प्रभारी एसआई अजय कुमार गिरधर के नेतृत्व में गठित टीम रात को गश्त कर रही थी। गश्त के दौरान पुलिस टीम ने श्रीगंगानगर रोड स्थित पालेवाली ढाणी के पास नाकाबंदी शुरू की। नाकाबंदी के दौरान पुलिस टीम ने एक ई-रिक्शा को रुकवाया तो उस पर दो जने सवार थे। ई-रिक्शा सवारों की गतिविधियां संदिग्ध नजर आने पर पुलिस ने पूछताछ की तो इनकी पहचान अजय कुमार अरोड़ा (48) पुत्र इंद्रजीत अरोड़ा व अजय कुमार लोहार (25) पुत्र राजकुमार लोहार के रूप में हुई। तलाशी के दौरान दोनों के पास कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली, लेकिन ई-रिक्शा की तलाशी ली तो उसमें बनाई गई खुफिया जगह में छुपाकर रखा चिट्टा (हेरोइन) व प्रतिबंधित प्रेगाबलिन की 16 हजार नशीली टैबलेट मिली। पुलिस ने हेरोइन व नशीली टैबलेट बरामद कर मौके से दोनों व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की सूचना पर औषधि नियंत्रण विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने नशीली टैबलेट औषधि नियंत्रण विभाग के अधिकारियों के सुपुर्द कर दी। औषधि नियंत्रण विभाग की ओर से दोनों तस्करों के खिलाफ अलग से ड्रग्स एवं कॉस्मेटिक एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है। सदर पुलिस थाना में एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज प्रकरण की तफ्तीश जंक्शन थाना प्रभारी लक्ष्मण सिंह राठौड़ कर रहे हैं। पुलिस तस्करों से पूछताछ कर यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि वह ई-रिक्शा के माध्यम से कब से मादक व नशीले पदार्थों की तस्करी कर रहे थे और किससे चिट्टा व नशीली टैबलेट खरीदकर लाते थे।

- पुलिस ने 63 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) व 16 हजार प्रतिबंधित नशीली टैबलेट बरामद की

पांच विषयों की मॉडल उत्तर कुंजी जारी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सीनियर साइंटिफिक ऑफिसर (गृह विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2024 के अंतर्गत डीएनए डिवीजन, साइबर फॉरेंसिक डिवीजन, नारकोटिक्स डिवीजन, फिजिक्स डिवीजन एवं टॉक्सिकोलॉजी डिवीजन विषय की मॉडल उत्तरकुंजियां आयोग की वेबसाइट पर जारी कर दी है। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आयोग के मुख्य परीक्षा नियंत्रक आशुतोष गुप्ता ने बताया कि उक्त विषयों की परीक्षाओं का आयोजन 12 से 15 मई तक किया गया था। यदि किसी भी अभ्यर्थी को इन मॉडल उत्तरकुंजियों पर कोई आपत्ति हो तो निर्धारित शुल्क के साथ 4 से 6 जून को रात्रि 12:00 बजे तक अपनी आपत्ति ऑनलाईन दर्ज करवा सकता है।

सोने-चांदी की दुकानों में चोरी करने वाली गैंग का खुलासा, तीन गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की पारोली थाना पुलिस ने सोने-चांदी की दुकानों में चोरी करने वाली गैंग का खुलासा कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों से पूछताछ में कई अहम जानकारियां मिली हैं।

थाना अधिकारी प्रभाती लाल मीणा ने बताया कि प्रार्थी विनोद कुमार संचेती ने 24 दिसंबर 2024 को रिपोर्ट दी थी। उन्होंने बताया कि रात 12 बजे से सुबह 4 बजे के बीच अज्ञात चोरों ने दुकान का शटर और चैनल गेट तोड़कर अंदर घुसकर काउंटर से सोने-चांदी के जेवर चुरा लिए। इस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। चोरी की बढ़ती वारदातों को देखते हुए पुलिस अधीक्षक भीलवाड़ा धर्मेन्द्र यादव के आदेश पर और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहपुरा राजेश आर्य के निर्देशन में विशेष टीम बनाई गई। टीम का नेतृत्व पुलिस उप अधीक्षक कोटड़ी रविन्द्र यादव और थानाधिकारी प्रभाती लाल मीणा ने किया। साथ ही टीम में प्रभाती लाल, गोपाल सिंह, शेतान सिंह, बजरंग लाल, भागीरथ, श्योपाल, शिवराज, प्रवीण, रामावतार और सुशील कुमार शामिल थे। टीम ने घटनास्थल के आसपास के 200 सीसीटीवी कैमरों की जांच की। फुटेज के आधार पर आरोपियों के भागने के रास्तों की पहचान की गई। बीटीएस डेटा का विश्लेषण कर आरोपियों तक पहुंच बनाई गई तथा पुलिस थाना बेंगु, जिला चित्तौड़गढ़ में दर्ज प्रकरण में गिरफ्तार आरोपी सुनील कंजर से पूछताछ की गई। उसने अपने साथियों के साथ पारोली में ज्वैलर्स की दुकान में चोरी करना कबूला। इसके बाद पुलिस ने सुनील कंजर, राकेश कंजर और बॉबी देवल कंजर को न्यायिक अभिरक्षा से लेकर पूछताछ की। तीनों आरोपियों ने 24 दिसंबर की रात पारोली में दो दुकानों के चैनल गेट और शटर लोहे की सरियों से तोड़कर अंदर घुसने और जेवर चुराने की बात कबूली। जाते समय कोठाज कस्बे से पिकअप भी चुरा ले गए थे। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों से पूछताछ जारी है।

- तीनों आरोपियों ने 24 दिसंबर 2024 को पारोली में दो दुकानों से जेवर चुराने की बात कबूली
- पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास के 200 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के आधार पर आरोपियों के भागने के रास्तों की पहचान की

पुलिस के अनुसार सुनील कंजर (35) निवासी मंडावरी, थाना बेंगु, जिला चित्तौड़गढ़, बॉबी देवल कंजर (20) निवासी मंडावरी, थाना बेंगु, राकेश कंजर (35) निवासी भंवरिया खुर्द, थाना बेंगु को गिरफ्तार किया है। तीनों ही आरोपियों को पुलिस ने कड़ी सुरक्षा के बीच बस स्टैंड स्थित ज्वैलर्स की दुकान की मौका तस्दीक करवाई। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ बस स्टैंड पर चोरों को देखने हेतु जमा हो गई। थानाधिकारी मीणा ने बताया कि थाना स्तर पर अन्य चोरों की निगरानी भी जारी है।

करंट से लाइनमैन के झुलसने का मामला तूल पकड़ने लगा

भीलवाड़ा, (निसं)। मांडल थाना क्षेत्र में निजी मोबाइल कंपनी नेटवर्क टावर से रिटर्न करंट से लाइनमैन झुलसने का मामला अब तूल पकड़ने लगा है। ग्रामीणों के साथ स्थानीय मांडल विधायक उदयलाल भड़ाना भी धरने पर बैठे हैं। जीवलिया बस स्टैंड स्थित मोबाइल टावर के पास चार दिन से ग्रामीणों का प्रदर्शन जारी है।

जानकारी के अनुसार पिछले दिनों लाइनमैन बिहारी लाल शर्मा जीवलियां गांव में विद्युत लाइन को बंद कर ठीक कर रहा था, लेकिन निजी कंपनी की गलती से लाइनमैन करंट की चपेट में आने से झुलस गया था, जिसको भीलवाड़ा के महात्मा गांधी अस्पताल में भर्ती कराया वहां से हालत गंभीर होने पर अन्य अस्पताल में शिफ्ट किया गया। जैसे ही घटना की सूचना मिली ग्रामीणों में एवं ब्राह्मण समाज में रोष व्याप्त हो गया। ग्रामीण 25 लाख के मुआवजे की मांग कर रहे हैं। धरने को समर्थन देने आए विधायक उदयलाल भड़ाना ने मांडल थानेदार राजपाल सिंह पर मामले को दबाने का आरोप लगाया। विधायक ने कहा कि अगर कार्रवाई नहीं करना चाहते हैं तो थानेदार यहां से दूसरे थाने में ट्रांसफर करा ले। परिजनों ने मोबाइल टावर के कार्मिकों पर कठोर कार्रवाई करने व पीड़ित को मुआवजा दिलाने की मांग है।

भाजपा सांसद मन्नालाल रावत ने सांसद राजकुमार रोत पर निशाना साधा

राजकुमार रोत की बाप पार्टी एक लुटेरी गैंग : सांसद रावत

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के भाजपा सांसद डॉ. मन्नालाल रावत ने कहा कि भारत आदिवासी पार्टी (बाप) लूटेरी गैंग बन गई है। ये गैंग लोगों में भ्रम फैला रही है और इनके एक विधायक के रिश्वत लेते पकड़े जाने के बाद तो इन्होंने बेईमानी का इतिहास रच दिया। सोमवार को उदयपुर में अपने एक साल के कार्यकाल पर प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक सवाल के जवाब में सांसद रावत ने कहा कि बाप पार्टी एक षड्यंत्र है जो बाहरी तत्वों से प्रेरित है। हिंदू समाज, जनजाति समाज, क्षेत्र का विकास, शिक्षा, महिलाओं की गरिमा, युवाओं को आगे बढ़ने की ताकत सबको रोकता हुआ मालूम होता है। सांसद ने कहा कि ये लोग पत्थरबाज बना रहे हैं। आदिवासी हिंदू नहीं है ऐसा नेरेटिव फैला रहे हैं। वो अंग्रेजों और पादरी वेरियर एल्विन का बिछड़ा हुआ छूटा हुआ नेरिटेव है उसे आगे बढ़ा रहे हैं। सांसद ने कहा कि ये पूरी तरह से फ्रॉड है, लुटेरी गैंग है, गैंग की वजह से ये काम कर रहे हैं।

उन्होंने बांसवाड़ा-डूंगरपुर सांसद राजकुमार रोत पर भी निशाना साधा और कहा कि वे संसाधन और पैसे लेकर बैठ गए। उन्होंने आरोप लगाया कि सांसद उनके दूसरे विधायक, प्रधान, सरपंच से वसूली करवा रहे हैं। इनका एक नमूना सामने है कि बागीदौरा विधायक जयकृष्ण पटेल रिश्वत लेते पकड़े गए हैं मुझे लगता है उन्होंने बेईमानी का इतिहास रचा है। एक अन्य सवाल के जवाब में सांसद ने कहा कि किताबें, शोध और अनुसंधान बताते हैं कि पादरी वेरियर एल्विन को नेहरू ने अपना सलाहकार बनाया था। संस्कृति को हानि पहुंचाने के लिए जो काम किया जा रहा है, वह पूरी तरह अराष्ट्रीय है। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर एक सवाल पर सांसद ने कहा कि इस विषय पर केवल वोट की राजनीति नहीं हो। इसमें देश पहले होना चाहिए। कांग्रेस और उनके कुछ साथी वो अपना नेरेटिव बढ़ाने के लिए वह सब कुछ भूल जाते हैं कि देश सबसे पहले है देश की सुरक्षा कीमती है।

सूने मकानों के ताले तोड़ चोरी करने का आरोपी गिरफ्तार

सीकर, (निसं)। सीकर की उद्योग नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए रात के समय सूने मकानों के ताले तोड़कर चोरी करने के मामले में कोतवाली थाना क्षेत्र के एक हिस्ट्रीशीटर बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी से चोरी किए गए सोने-चांदी के जेवर और नगदी भी बरामद की है।

पुलिस में जानकारी देते हुए बताया कि 28 मई को मुबारीक हुसैन, निवासी तल्हा मस्जिद, रेलवे फाटक नंबर-2 (सीकर) ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि 26 मई की रात दो से तीन बजे के बीच अज्ञात चोर ने उनके घर में सेंध लगाकर दो तोला सोने का हार, मंगलसूत्र, पांच सोने की अंगूठियां, पांच चांदी की अंगूठियां, छह जोड़ी पायल, छह जोड़ी छल्ले और 20 हजार कैश चुरा लिए। जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी और आरोपी को पकड़ने के लिए टीम का गठन किया। इस दौरान पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास के करीब 100 सीसीटीवी फुटेज खंगाले और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की पहचान की। 31 मई को पुलिस ने जीवन महाविद्यालय के पास चोरी की फिराक में घूम रहे मोहम्मद जाकिर (36), निवासी खोखरान मोहल्ला, अंबेडकर सर्किल (सीकर) को धर दबोचा। पूछताछ में आरोपी ने चोरी की वारदात को अंजाम देना कबूल किया।

फैक्टरी में सिलेण्डर ने आग पकड़ी, महिला झुलसी

आग ने खड़े टेंपो को भी अपनी चपेट में ले लिया।

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल थाना क्षेत्र के आरजिया गांव में गजक बनाने की फैक्टरी में सिलेंडर ने आग पकड़ ली। आग से महिला बुरी तरह से झुलस गई। वहीं इस हादसे में महिला के साथ डेढ़ साल की मासूम बाल-बाल बच गई। सिलेंडर के आग लगने के बाद अफरा-अफरा तफरी का माहौल हो गया और भीलवाड़ा से आई दमकल से आग पर काबू पाया गया।

फैक्टरी मालिक ने बाहर से दरवाजे बंद कर मामले को दबाने का प्रयास किया। वहीं झुलसी महिला को भीलवाड़ा शहर के निजी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती करवाया। महिला के चारों हाथ पैर जल गए हैं। महिला के भाई ने इस घटना के बारे में बताया फिलहाल महिला की स्थिति नाजुक है। वहीं सूत्रों के अनुसार गैस सिलेंडर ने आग पकड़ने के बाद वहां पास में खड़े टेंपो को भी अपनी चपेट में ले लिया, देखते ही देखते टेंपो भी जलकर खाक हो गया। परिसर में आसपास कई सामान भी जलकर खाक हो गए। दमकल वाहन की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। वहीं फैक्टरी संचालक द्वारा इस मामले को दबाने के प्रयास किया जा रहे हैं।

- हादसे में महिला के साथ डेढ साल की मासूम बाल-बाल बच गई
- झुलसी महिला को भीलवाड़ा शहर के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया

गरीब वंचित वर्ग के उत्थान के लिए विभागीय अधिकारी हमेशा कटिबद्ध रहें : बागड़े

भीलवाड़ा, (निसं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि गरीब वंचित वर्ग के उत्थान के लिए विभागीय अधिकारी हमेशा कटिबद्ध रहें। जिले के अंतिम छोर तक बैठे प्रत्येक वंचित एवं पात्र व्यक्ति को विकास कार्यक्रमों व योजनाओं से लाभान्वित करें। राज्यपाल बागड़े सोमवार को दो दिवसीय भीलवाड़ा दौरे के दौरान कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला स्तरीय बैठक में अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। राज्यपाल ने केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं एवं वंचित वर्ग के सामाजिक एवं आर्थिक रूप से उत्थान के लिए प्रगतिरत कार्यक्रमों की समीक्षा की।

बैठक को संबोधित करते हुये बागड़े ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत वंचित रहे शेष पात्र लोगों को आवास हेतु ऋण स्वीकृत कराएं, साथ ही गर्मी के मौसम में तापमान को कम करने के लिए हरियालो राजस्थान अभियान के तहत तय लक्ष्यों के अनुरूप पौधे लगाएं एवं पूर्व में लगाए गए पौधों में से वर्तमान में जीवित पौधे कितने हैं, उनका रेंडम सर्वे करवाया जाए। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ने वाली सड़कों की जानकारी ली एवं निर्देशित किया कि वर्तमान में डामरीकरण से शेष रही सड़कों को सांसद/विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास योजना या अन्य मद से बजट उपलब्ध करवाकर आगामी समय में सड़के बनाई जाए ताकि ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को परिवहन में आसानी हो। उन्होंने जल जीवन मिशन योजना की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी शत प्रतिशत हर घर जल कनेक्शन करना सुनिश्चित करें।

जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े का पौधा भेंट कर स्वागत किया।

- राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने भीलवाड़ा दौरे के दौरान कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक ली

राज्यपाल बागड़े ने शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि राष्ट्र के विकास के लिए शिक्षा बेहद अहम है। शिक्षा का स्तर ओर भी ज्यादा बढ़ाया जाए इसके लिए जिन विद्यालयों में नामांकन कम है, वहां शिक्षा के प्रति परिवारजनों को जागरुक कर नामांकन बढ़ाएं। उन्होंने कृषकों, दुग्ध उत्पादकों, स्ट्रीट वेंडर, श्रमिकों सहित अन्य को केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से अब तक वंचित रहे पात्र लोगों को जल्द लाभान्वित करने के निर्देश दिए। राज्यपाल बागड़े ने समीक्षा करते हुए कहा कि प्रत्येक ग्राम में नल व विद्युत कनेक्शन की आपूर्ति हो। कोई भी व्यक्ति इन मूलभूत सुविधाओं से वंचित न रहे इसके लिए मूलभूत सुविधाओं का विस्तार करना सुनिश्चित करें।

बैठक प्रारंभ होने से पहले जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने राज्यपाल के आगमन पर पौधा भेंट कर स्वागत अभिनंदन किया। बैठक में जिला कलेक्टर ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से राज्यपाल बागड़े को भीलवाड़ा जिले के भौगोलिक व प्रशासनिक परिदृश्य , इतिहास एवं विभागीय योजनाओं की प्रगति से अवगत करवाया। बैठक में सांसद दामोदर अठावाल, शहर विधायक अशोक कोठारी, जहाजपुर विधायक गोपीचंद मीणा, जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू, पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह, अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश मेहरा व प्रतिभा देवटिया सहित समस्त विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

श्रेयस अय्यर का हालिया शानदार प्रदर्शन टेस्ट टीम में जगह ना मिलने से प्रेरित है। उनके जैसा प्रदर्शन करने वाले अन्य खिलाड़ियों को मौका मिला है।

- रिकी पोंटिंग

ऑस्ट्रेलियाई पूर्व कप्तान, इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट टीम में जगह नहीं मिलने को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

राजीव शुक्ला

आईपीएल 2025 का फाइनल मुकाबला पहले कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में खेला जाना था लेकिन बाद में इसे अहमदाबाद शिफ्ट कर दिया गया। जिसके बाद वेस्ट बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बीसीसीआई पर निशाना साधते हुए इस फैसले को राजनीतिक करार दिया है। जिसके बाद बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने अब इस पर बयान दिया है। राजीव शुक्ला ने कहा है कि, जो मैच शिफ्ट किए गए हैं उसमें किसी भी तरह की राजनीति नहीं देखी जानी चाहिए। किसी राजनीतिक भावना से ये फैसला नहीं लिया गया है।

क्या आप जानते हैं ?... पंजाब किंग्स को मुंबई से 33 में से 17 मैच में हार का सामना करना पड़ा है। 2022 से उसने 5 में से 3 मैच जीते हैं। क्वालिफायर-2 में मुंबई 2 मैच जीती है और 2 हारी है।

बेंगलुरु और पंजाब अपना पहला आईपीएल खिताब जीतने उतरेगी

अहमदाबाद, 2 जून। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आसीबी) और पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) मंगलवार को अपने पहले आईपीएल खिताब की तलाश में नरेंद्र मोदी स्टेडियम की दूधिया रोशनी में इतिहास रचने की उतरेगी। आरसीबी नौ साल बाद फाइनल में वापस आई है अभी भी अपने पहले खिताब की तलाश है। जबकि पंजाब किंग्स 2014 में अपने पहले प्रदर्शन के 11 साल बाद दूसरी बार फाइनल में पहुंची है। ऐसे में दोनों टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला होने की उम्मीद है।

रजत पाटीदार की आरसीबी इस सीजन में पंजाब को दो बार हरा चुकी है, जिसमें क्वालीफायर वन में आठ विकेट से मिली शानदार जीत भी शामिल है। इस मैच में जोश हेजलवुड (तीन विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों ने पंजाब किंग्स को 101 रनों पर ढेर कर दिया। उसके बाद मात्र 10 ओवरों में लक्ष्य हासिल कर एकतरफा अंदाज में मुकाबला जीत लिया था। आरसीबी की धड़कन विराट कोहली इस सीजन में शानदार फॉर्म में हैं।

15 पारियों में 146.53 के स्ट्राइक रेट से 614 रन बनाने वाले कोहली को एक बार फिर आरसीबी की बल्लेबाजी की कमान संभालने के लिए चुना गया है। पिछले मैच में 27 गेंदों पर 56 रन बनाने वाले फिलिप साल्ट ने धमाकेदार शुरुआत दी है। जबकि पाटीदार खुद मध्यक्रम में स्थिर उपस्थिति बनाए हुए हैं। इसी के साथ मयंक अग्रवाल, क्रुणाल पांड्या और जितेश शर्मा ने बहुमूल्य योगदान रहा है। रोमारियो शेफर्ड और टिम डेविड ने भी शानदार प्रदर्शन किया है। जोश हेजलवुड की वापसी ने आरसीबी गेंदबाजी इकाई को मजबूत किया है, जिसमें अनुभवी भुवनेश्वर कुमार और स्पिन जोड़ी सुयश शर्मा और यश दयाल का अच्छा सहयोग रहा है।

पंजाब किंग्स ने क्वालीफायर वन में मिली बड़ी हार से उबरते हुए दूसरे क्वालीफायर में मुंबई इंडियंस को पांच विकेट से हराकर अपना आक्रामक प्रदर्शन दिखाया है। इस मैच में कप्तान श्रेयस अय्यर ने 41 गेंदों पर नाबाद 87 रन बनाकर आगे बढ़कर नेतृत्व किया। पंजाब का शीर्ष क्रम पूरे सीजन में शानदार फॉर्म में रहा है। प्रभसिमरन सिंह (523 रन) और प्रियांश आर्य (451 रन) ने लगातार तेज शुरुआत दी है। जॉश इंगलिस ने तीसरे नंबर पर आकर रनों की गति दी है, जबकि अय्यर मध्यक्रम में 175 के शानदार स्ट्राइक रेट से 597 रन बनाकर अहम भूमिका निभा रहे हैं। नेहल वढेरा, मार्कस स्टोइनिस और शशांक सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह पंजाब के शानदार बल्लेबाजी स्वरूप को दिखाती है। वहीं गेंदबाजी की बात की जाये तो मार्को जेनसन के बाहर होने के बाद, काइल जैमीसन ने अर्शदीप सिंह (18 विकेट) के साथ मिलकर तेज गेंदबाजी विभाग में कदम रखा है। युजवेंद्र चहल की वापसी ने उनके स्पिन आक्रमण को मजबूत हुआ है।

नरेंद्र मोदी स्टेडियम की पिच इस सीजन में बड़े स्कोर वाली रही। यहां पहली पारी का औसत 177 रहा है और पिछले तीन मैचों में 200 रन का आंकड़ा पार हुआ है। आईपीएल 2025 के दौरान इस मैदान पर खेले गए आठ मैचों में से छह पहले बल्लेबाजी करने वाली टीमों ने जीते हैं। यहां टॉस की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। पिच की बात की जाये तो इससे शुरुआत में बल्लेबाजों के लिए मददगार होने की उम्मीद है, जबकि शाम को धीमे गेंदबाजों को मदद मिल सकती है। दोनों पक्षों के पास खिताब के सूखे को खत्म करने का मौका है।

बीसीसीआई के कार्यवाहक अध्यक्ष बन सकते हैं राजीव शुक्ला

नई दिल्ली, 2 जून। बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी का कार्यकाल इस साल जुलाई में समाप्त होने वाला है। विश्व कप विजेता ऑलराउंडर 70 वर्ष के हो जाएंगे। बीसीसीआई संविधान के अनुसार, 70 वर्ष की आयु तक पहुंचने के बाद कोई व्यक्ति पदाधिकारी नहीं रह जाता है। सूत्रों के अनुसार मौजूदा बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला सितंबर में होने वाली वार्षिक आम बैठक से पहले तीन महीने के लिए अंतरिम अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाल सकते हैं।

एजीएम के दौरान, सांसद और पूर्व आईपीएल अध्यक्ष शुक्ला बीसीसीआई अध्यक्ष के रूप में पूर्ण कार्यकाल के लिए खड़े हो सकते हैं। शुक्ला वर्तमान में क्रिकेट बोर्ड के उपाध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। राजीव शुक्ला इस प्रतिष्ठित पद के लिए किसी नए

व्यक्ति के निर्वाचित होने तक अध्यक्ष के कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे। बिन्नी को 2022 में बीसीसीआई अध्यक्ष के रूप में चुना गया था, क्योंकि उन्होंने सौरव गांगुली से पदभार संभाला था। दिग्गज तेज गेंदबाज ने 27 टेस्ट और 72 वनडे में देश का प्रतिनिधित्व किया है, जिसमें उन्होंने कुल 124 विकेट लिए हैं। उन्होंने भारत की ऐतिहासिक 1983 विश्व कप जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिसमें आठ पारियों में 18 विकेट लेकर टूर्नामेंट के सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे थे। इस बीच, राजीव शुक्ला ने 2020 से बीसीसीआई के उपाध्यक्ष का पद संभाला है। उन्होंने 2017 तक उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) के सचिव और 2018 तक इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अध्यक्ष के रूप में भी काम किया है। इस साल की शुरुआत में देवजीत सैकिया को बीसीसीआई सचिव नियुक्त किया गया था, उन्होंने जय शाह की जगह ली थी, जो आईसीसी के चेयरमैन बन गए थे। सैकिया निर्विरोध चुने गए थे।

स्टुअर्ट ब्रॉड होंगे द. अफ्रीका के सलाहकार कोच

केपटाउन, 2 जून। दक्षिण अफ्रीका ने विश्व टेस्ट चैंपिनशिप के फाइनल से पहले इंग्लैंड के पूर्व गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड को टीम का सलाहकार कोच नियुक्त किया है। 38 वर्षीय ब्रॉड नौ जून को अभ्यास के दौरान सलाहकार के रूप में काम करेंगे। एशेज 2023 के आखिर में रिटायर होने के बाद ब्रॉड की कोचिंग में पहली भूमिका होगी। 11 जून को लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया खिलाफ शुरू होने वाली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए दक्षिण अफ्रीका की तैयारी में मदद करेंगे। ब्रॉड नौ जून होने वाले अभ्यास सत्र में टीम के साथ जुड़ेंगे। ब्रॉड ने 167 टेस्ट मैचों में 604 विकेट लिए। उन्होंने अपने टेस्ट करियर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे अधिक 153 विकेट लिये है।

बड़े मौकों पर संयम से अच्छे प्रदर्शन की संभावना बढ़ जाती है : श्रेयस

अहमदाबाद, 2 जून। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि बड़े मौकों पर जब आप संयम रखते है तो आपके अच्छे प्रदर्शन की संभावना बढ़ जाती है। आईपीएल के दूसरे क्वालीफायर में मुम्बई इंडियंस को पांच विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनाने के बाद पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस ने कहा कि मुझे बड़े मौको पर खेलना अच्छा लगता है, मैं हमेश अपने साथियों से कहता हूं जब आप बड़े मौको पर संयम रखते हैं तो आपके अच्छा प्रदर्शन करने की संभावना बढ़ जाती है।

उन्होंने कहा कि आरसीबी के खिलाफ हार के बाद हमने इस पर अधिक बात नहीं की कि हमने कहां गलती की। हमें पता है कि हमने इस सत्र कैसा क्रिकेट खेला है। भले ही कुछ खिलाड़ियों को बड़े मौको पर खेलने का अनुभव नहीं है लेकिन वे साहसी हैं। युवा और अनकैप्ड खिलाड़ियों अय्यर ने कहा कि मैं उन्हें अधिक निर्देश नहीं देता, बस उन्हें उनके अंदाज़ में खेलने देता हूं। उनमें जो निडरता है, वही मुझे पसंद है। भले ही अनुभव कम हो, लेकिन उनके पास विचार होते हैं और वो उन्हें साझा भी करते हैं। आखिर में उन्होंने कहा कि मैं अभी इसी पल में हूं, इस जीत का आनंद उठा रहा हूं। लेकिन काम अभी आधा ही हुआ है।

8वीं हाजी गनी बाबा स्मृति लीग कम नॉकआउट क्रिकेट प्रतियोगिता कैन्डलविक, एमी व जयपुरिया क्रिकेट एकेडमी जीती

जयपुर, 2 जून। आठवीं हाजी गनी बाबा स्मृति लीग कम नॉक आउट क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत कुशाग्र ओझा, 67 रन नाबाद (49 गेंद, 5 चौके व 5 छक्के) की मदद से कैन्डलविक क्रिकेट अकेडमी ने आर.डी. क्रिकेट अकेडमी को 7 विकेट से हराकर 2 अंक अर्जित किये। दूसरे मैच में अयान खान, 23/4 विकेट, आयुष आमेरिया 64 रन नाबाद तथा नावेद खान 51 रन नाबाद की मदद से एमी क्रिकेट अकेडमी ने शिवा अकेडमी को 10 विकेट से हराकर 2 अंक अर्जित किये। तीसरे मैच में जयपुरिया क्रिकेट अकेडमी के रोहन राजभर 55 रन, अमन शेखावत के 51 रन के अर्द्ध शतकों की मदद से रेलवे क्रिकेट अकेडमी को 42 रनों से हराकर 2 अंक अर्जित किये।

डी गुकेश ने विश्व नंबर-1 मैग्नस कार्लसन को हराया

स्टवान्गर (नॉर्वे), 2 जून। नॉर्वे शतरंज 2025 के छठे राउंड में विश्व चैंपियन डोमाराजू गुकेश ने विश्व नंबर वन शतरंज खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को शानदार मुकाबले में मात दी। भारतीय ग्रैंडमास्टर और मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश ने नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में पूर्व विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन को उनके ही देश में हराकर बड़ी जीत दर्ज की। खेल में एक समय

कार्लसन का पलड़ा भारी लग रहा था, लेकिन गुकेश ने कार्लसन की खामियों का फायदा उठाते हुए बाजी पलटकर क्लासिकल मैच में शानदार जीत हासिल की। गुकेश की इस जीत के साथ ही टूर्नामेंट में दोनों खिलाड़ियों का स्कोर बराबर 1-1 हो गया है। नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में यह दूसरी बार है जब किसी भारतीय खिलाड़ी ने क्लासिकल प्रारुप में विश्व चैंपियन कार्लसन को मात दी हो। इससे पहले आर. प्रग्गनानंदा ने इसी टूर्नामेंट में कार्लसन को हराया था।

रुद्रांश व सुमेधा ने स्वर्ण जीते

चांगवोन (दक्षिण कोरिया), 2 जून। डब्ल्यूएसपीएस वर्ल्ड कप के तीसरे दिन सोमवार को 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत स्पर्धा के पुरुष वर्ग में रुद्रांश खंडेलवाल और महिला वर्ग में सुमेधा पाठक ने स्वर्ण पदक जीते। आज यहां विश्व निशानेबाजी पैरा स्पोर्ट्स विश्वकप में हुई प्रतियोगिता के तीसरे दिन 10 मीटर एयर पिस्टल महिला व्यक्तिगत स्पर्धा में सुमेधा पाठक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण और सृष्टि अरोड़ा ने रजत पदक जीता।

मैक्सवेल ने एकदिवसीय क्रिकेट को कहा अलविदा

सिडनी, 2 जून। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के दिग्गज ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने सोमवार को एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया। मैक्सवेल ने आज फाइनल वर्ड पॉडकास्ट के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि वर्ष 2022 में पैर टूटने के बाद से वह एकदिवसीय क्रिकेट में असहज महसूस कर रहे थे। इससे टीम को नुकसान पहुंच रहा था। इसलिए मैंने एकदिवसीय क्रिकेट को छोड़ने का फैसला किया। हालांकि वह अंतरराष्ट्रीय टी-20 क्रिकेट के उपलब्ध रहेंगे। मैक्सवेल ने कहा, मुझे लगा कि मेरे शरीर की प्रतिक्रिया टीम को नुकसान पहुंचा रही है। मैंने इसको लेकर मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली से बात की। हम दोनों के बीच 2027 विश्वकप को लेकर चर्चा हुई, मैंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि मैं तब तक खेल पाऊंगा। अब समय है कि इस जगह के लिए किसी अन्य खिलाडी को तैयार किया जाए।

क्लासेन ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया

केपटाउन, 02 जून। दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर-बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने सोमवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की। क्लासेन ने आज सोशल मीडिया मंच पर अपने संन्यास की घोषणा की। क्लासेन ने पिछले वर्ष टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। अब उन्होंने एकदिवसीय और टी-20 से भी संन्यास ले लिया है। उन्होंने वर्ष 2018 में दक्षिण अफ्रीका के लिए क्रिकेट में पदार्पण किया था। क्लासेन ने सोशल मीडिया मंच इंस्टग्राम पर लिखा, यह मेरे लिए दुखद दिन है क्योंकि मैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूर रहने कि घोषण कर रहा हूं।

आरसीए पाली जिला सीनियर कॉल्विन शील्ड टीम की 4-5 जून को ओपन चयन ट्रायल आयोजित करेगा

जयपुर, 2 जून। राजस्थान क्रिकेट संघ एडहॉक कमेटी संयोजक जयदीप बिहाणी के अनुसार आरसीए के तत्वाधान में आगामी दिनांक 7 जून से आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली पाली जिला क्रिकेट संघ टीम के चयन हेतु आरसीए द्वारा ओपन चयन ट्रायल का आयोजन किया जायेगा। आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य विमल शर्मा के अनुसार जिला क्रिकेट संघ की टीम के लिए ओपन चयन ट्रॉयल आरसीए पर्यवेक्षक की उपस्तिथि में जिला केन्द्रों पर आयोजित की जायेगी व टीम का चयन आरसीए द्वारा अधिकृत चयनकर्ता करेंगे।

चयन ट्रायल में भाग लेने हेतु खिलाडियों को निम्नलिखित मूल दस्तावेज साथ लाना आवश्यक है :-कंप्यूटर जनरेटेड जन्म प्रमाण पत्र (अनिवार्य) बोनाफाइड प्रमाण पत्र (अनिवार्य) पिछले तीन वर्षों की शिक्षा की अंकतालिका (अनिवार्य) आधार कार्ड / वोटर आईडी / ड्राइविंग लाइसेंस / पासपोर्ट। पाली जिला क्रिकेट टीम ओपन चयन ट्रायल की दिनांक, स्थान व आर सी ए द्वारा अधिकृत चयनकर्ता का नाम, स्थान, शुचये क्रिकेट एकेडमी, जनता कालोनी, विजय आदर्श स्कुल के पास, 4 - 5 जून 2025 सुबह 7 बजे होगी। चयनकर्ता में विलास जोशी व जाकिर हुसैन, पर्यवेक्षक, सुशील जैन होंगे।

आरसीए ने सुनील भंडारी को पाली जिला कॉल्विन शील्ड टीम हेतु आरसीए द्वारा आयोजित होने वाली चयन ट्रायल के कार्यों व्यवस्थाओं व आरसीए ऑफिशल्स के सहयोग हेतु कोर्डिनेटर नियुक्त किया है। चयन ट्रायल में भाग लेने वाले खिलाडियों में से जिला टीम में चुने गए प्रतिभावान खिलाड़ी ही राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय सीनियर कॉल्विन शील्ड क्रिकेट प्रतियोगिता में खेल सकेंगे।

हिन्दुस्तानी कप मैच रेलवे ग्राउंड पर 17 अगस्त से

जयपुर, 2 जून। जयपुर के रेलवे ग्राउण्ड पर रेलवे हिन्दुस्तानी कप क्रिकेट मुकाबला 17 अगस्त को खेला जाएगा। इस मैच के आयोजक और रेलवे टीम के कोच शब्बीर हुसैन ने बताया कि मैच की तैयारियां अभी से शुरू कर दी हैं। ये मुकाबला प्रदेश के पूर्व और वर्तमान क्रिकेटरों के एक साथ मिलने का बड़ा अवसर होगा।

एक बार फिर से प्रदेश के पूर्व और वर्तमान क्रिकेट सितारे साथ नजर आएंगे। शब्बीर ने बताया कि भारतीय बीसीसीआई के पूर्व कोषाध्यक्ष किशोर रूंगटा और राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के पूर्व डिप्टी प्रेसिडेंट डॉ. बिमल सोनी ने हिन्दुस्तानी कप का अनावरण किया। शब्बीर ने कहा कि 17 अगस्त को होने वाले मैच में प्रदेश के पूर्व और वर्तमान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को आमंत्रित किया जाएगा। शब्बीर हुसैन रेलवे ग्राउण्ड पर पूर्व में गुरु पूर्णिमा कप, रफाकत कप, सद्भावना कप और एकता कप जैसे आयोजन कर चुके हैं। टूर्नामेंट के मैच रंगीन पोशाक व सफ़ेद बॉल से खेला जायेगा। टूर्नामेंट में सभी खिलाडियों को स्मृति चिन्ह, बेस्ट बेट्स मेन, बेस्ट बॉलर, बेस्ट विकेट कीपर व मैन ऑफ दी सीरीज का अवार्ड दिया जायेगा। इस मैच को और सफल बनाने में पूर्व विज्जी टॉफी खिलाड़ी सुरेन्द्र पाल सिंह एवं पूर्व सीनियर खिलाड़ी अखिलेश चतुर्वेदी व यश गौड मेहनत कर रहे है। विनोद माथुर, पूर्व रणजी खिलाड़ी बिमल रॉय सोनी व उदयपुर से आ रहे स्पोर्ट्स काउंसिल के पूर्व स्पोर्ट्स ऑफिसर एवं सीनियर कोच शाकिर हुसैन भी हिस्सा लेंगे। साथ में ही सीनियर खिलाड़ी जहीर खान भी अपने खेल के हुनर दिखाएंगें। उदयपुर से निखिल डो आ शेर सिंह, किशन चौधरी भीलवाडा से शैलेन्द्र गहलोत अजमेर से खान भी खेलेंगे।

आईपीएल के क्वालीफायर-2 में धीमी ओवर गति के लिए अय्यर, हार्दिक पर जुर्माना लगा

अहमदाबाद, 2 जून। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के दूसरे क्वालीफायर मैच में धीमी गति से ओवर करने के लिए पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर और मुम्बई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या पर जुर्माना लगाया गया है। रविवार रात अहमदाबाद में खेले गए आईपीएल 2025 के क्वालिफायर दो बारिश के कारण मैच दो घंटे के बाद शुरु हुआ था। दोनों टीमों की ओर से धीमी ओवर गति के कारण मैच और अधिक देरी से खत्म हुआ। इस सत्र में पंजाब किंग्स की दूसरी बार धीमी ओवर रेट की गलती हुई इसलिए उसके कप्तान श्रेयस अय्यर पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। मुम्बई इंडियंस की ओर से इस तरह की तीसरी गलती होने के कारण हार्दिक पंड्या पर 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।

पर्पल कैप अपने नाम कर सकते हैं जोश हेजलवुड

नई दिल्ली, 2 जून। आईपीएल 2025 का फाइनल मैच 3 जून को पंजाब किंग्स और आरसीबी के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने के लिए प्रसिद्ध कृष्णा को पर्पल कैप मिलने की पूरी संभावना है, लेकिन अगर आईपीएल 2025 के सीजन में जो अब तक नहीं हुआ वो काम अगर एक गेंदबाज ने कर दिखाया तो फिर पर्पल कैप प्रसिद्ध कृष्णा से छिन भी सकती है। इस समय पर्पल कैप की रेस में सिर्फ आरसीबी के पेसर जोश हेजलवुड जीवित हैं। हालांकि, उनके लिए ये काम आसान नहीं होने वाला है।

दरअसल, जोश हेजलवुड अभी पर्पल कैप से दूर हैं, लेकिन उन्होने एक करिश्मा कर दिखाया तो पर्पल कैप उनके सिर पर सजी

होगा। जोश हेजलवुड को पर्पल कैप हासिल करने के लिए कुछ ऐसा करना होगा, जो आईपीएल 2025 में अब तक सिर्फ दो बार हुआ है। जोश हेजलवुड को पर्पल कैप हासिल करने के लिए आईपीएल 2025 के फाइनल में कम से कम पांच विकेट चटकाने होंगे। अगर वे 4 विकेट भी चटकाते हैं और कम रन देते हैं तो भी वे पर्पल कैप की रेस में अच्छे औसत की वजह से प्रसिद्ध कृष्णा से आगे निकल जाएंगे।

प्रसिद्ध कृष्णा ने 15 मैचों में आईपीएल 2025 में जीटी के लिए 25 विकेट निकाले थे। उनकी टीम का सफर एलिमिनेटर में खत्म हो गया था। वहीं, दूसरे नंबर पर 24 विकेटों के साथ नूर अहमद, तीसरे नंबर पर 22 विकेटों के साथ ट्रेंट बोल्ट और चौथे नंबर पर 21 विकेटों के साथ जोश हेजलवुड हैं। जोश हेजलवुड अगर पंजाब किंग्स के खिलाफ पारी में कम से कम 4 विकेट 30 से कम रन देकर या फिर कितने भी रन देकर 5 विकेट निकालते हैं तो वे प्रसिद्ध कृष्णा को पछाड़ देंगे, जिनका औसत 19.52 का है।

वरिष्ठ खेल प्रशासक हनुमान सिंह की 20वीं पुण्य तिथि पर विशेष : हनुमान सिंह ने हैंडबॉल के साथ जयपुर फुटबाल को भी नया जीवन दिया था

जयपुर, 2 जून। दो दशक हो गए हनुमान सिंह को गुजरे लेकिन राजस्थान के खेल जगत में उनकी यादें आज भी खेलप्रेमियों के दिलों में बसी हुई हैं। मंगलवार को उनकी 20वीं पुण्यतिथि के मौके पर राजस्थान हैंडबाल संघ और पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों द्वारा उन्हें श्रद्धा के साथ याद किया जाएगा। राजस्थान खेलों का एक ऐसा प्रशासक प्रदेश खेल जगत के बीच नहीं रहा, जिसने अपनी पूरी जिंदगी खिलाड़ियों के हित के लिए लड़ने में लगा दी थी। हनुमान सिंह राजस्थान हैंडबॉल व फुटबॉल संघ के अध्यक्ष थे। फुटबॉल में वे अपने पद से संतुष्ट नहीं थे, लेकिन हैंडबॉल जैसे अलोकप्रिय खेल को उन्होंने सूबे में लोकप्रिय खेलों के सूची में ला दिया था। आज से 20 वर्ष पहले गुरुवार की रात 2.00 बजे दिल का दौरा पड़ने से इस दुनिया को अलविदा कह गए। हनुमान सिंह ही वो शख्स थे, जिन्होंने हैंडबाल को राजस्थान में पहचान दिलाई। सत्तर के दशक में हैंडबाल भारत में आया और करीब चार दशक पूर्व हनुमान सिंह इस खेल से जुड़े। जयपुर जिला संघ के सचिव के रूप में खेल जगत में शुरुआत की लेकिन उनकी आयोजन क्षमता ने उन्हें धरि-धीरे बुलंदियों पर पहुंचा दिया। 25 साल के उनके अध्यक्ष कार्यकाल में कभी ऐसा मौका नहीं आया, जब किसी ने उन पर उंगली भी उठाई हो। वे खिलाड़ियों के लिए कॉर्पोरेट खेल संघ बनाना चाहते थे, जिसमें काफी अच्छा बजट हो और खिलाड़ियों को सुविधाएं मिलें। उन्होंने खिलाड़ियों को दौरे में अच्छी खुराक दी, अच्छी ड्रेस उपलब्ध कराई और जब कभी मेजबानी का उनको मौका मिला तो खिलाड़ियों को उन्होंने इतने इनाम दिए कि खिलाड़ियों को उन्हें समेटने के लिए ट्रक लाना पड़ता था। अगर कोई खिलाड़ी दुख में है तो यह विपदा हनुमान सिंह की थी, अगर कोई खिलाड़ी बीमार हो तो उसका इलाज और यहां तक कि दिवंगत हो गया हो तो उसके परिवार को लाखों की मदद। कुछ अरसे पहले हैंडबॉल के मशहूर खिलाड़ी अमृत नाहटा का निधन हो गया था। हनुमान सिंह ने अपने स्वयं के बल पर उनके लिए एक लाख रुपए से ज्यादा इकट्ठे किए और उनके पुत्र को नौकरी दिलवाई। गुरुवार को उनके निधन से पूर्व उन्होंने चाहा था कि मैं यह चैक मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से नाहटा की विधवा को दिलवाना चाहता हूं। 53 वर्षीय हनुमान सिंह न सिर्फ खिलाड़ियों की मदद करते थे, बल्कि सामाजिक कार्य में भी पीछे नहीं रहते थे। उन्होंने 75 हजार रुपए इकट्ठा करके जयपुर के कैंसर हॉस्पिटल को दिए। वे ऐसे अनुशासन प्रिय थे कि उनकी टीम में जयपुर के संभ्रांत घरों की लड़कियां खुले रूप से जयपुर के बाहर खेलने जाती थीं और आज तक कोई शिकायत नहीं हुई। इनमें मशहूर खेल प्रेमी योगी दुर्लभजी की लाड़ली भी शामिल थीं। हनुमान

सिंह से खेल जगत के कई पदाधिकारी नाराज भी थे। उन्होंने ही प्रताप पुरस्कार व वशिष्ठ पुरस्कार के निर्णायक मंडल की बैठक में साफ तौर पर कहा था कि मैं खिलाड़ियों के स्तर के आधार पर अवार्ड दूंगा। यही वजह थी कि जब उन्हें लगा कि कोई भी कोच वशिष्ठ पुरस्कार के योग्य नहीं है तो उन्होंने साफ कहा कि किसी को भी नहीं दिया जाना चाहिए और इसका सभी ने समर्थन किया था। हनुमान सिंह भारतीय हैंडबॉल संघ के उपाध्यक्ष रह चुके थे और चीन समेत कई देशों में टीम के मैनेजर बनकर जा चुके थे। भारतीय खेल जगत में उनकी जीवटता की साख थी। वसुंधरा राजे की सरकार बनने के बाद यह माना जा रहा था कि वे खेल परिषद के अध्यक्ष मनोनीत किए जाएंगे, लेकिन शायद खेल जगत के भाग्य में एक ऐसे प्रशासक की भूमिका नहीं लिखी थी जो खिलाड़ियों को तरजीह देते थे न कि अधिकारियों को। वे कहा करते थे कि अगर मैं कभी अध्यक्ष बन गया तो ऐसे आमूल-चूल परिवर्तन करूंगा कि खेल जगत खिलाड़ियों के नाम से जाना जाएगा, न कि अधिकारियों के नाम से। ऐसे खेल अधिकारी विरले ही पैदा होते हैं। राजस्थान खेल जगत को इससे बड़ा नुकसान शायद ही कभी हुआ हो। वरिष्ठ खेल प्रशासक हनुमान सिंह के असामयिक निधन पर राजस्थान खेल जगत में शोक की लहर दौड़ गई थी। उनके निवास पर पार्थिव शरीर पर पुष्प चढ़ाने के लिए लगभग प्रत्येक खेल संघ के पदाधिकारी मौजूद थे। हनुमान सिंह का खेलों व खिलाड़ियों से जुड़ाव किसी से छिपा नहीं था, इसलिए उनके निधन पर सभी को शोक था। क्रिकेट संघ के पूर्व सचिव किशोर रूंगटा और हनुमान सिंह में काफी पुराने संबंध थे और वे हमेशा खिलाड़ियों के हित के बारे में सोचा करते थे। हनुमान सिंह ने अपने दौर में खेल आयोजनों की ऐसी झड़ी लगाई थी कि जयपुर में क्षेत्रीय और अलग-अलग वर्गों की राष्ट्रीय हैंडबाल प्रतियोगिताओं के साथ दक्षिण एशियाई हैंडबाल का ऐतिहासिक आयोजन कर दिखाया। तब भारत और पाकिस्तान के बीच रिश्ते सौहार्द्रपूर्ण नहीं थे लेकिन हनुमान सिंह ने बावजूद इसके जयपुर में दक्षिण एशियाई हैंडबाल में बांग्लादेश के साथ पाकिस्तान टीम को भी खिला कर लोगों को अचंभित कर दिया था। 2005 में उनके निधन के बाद से राजस्थान में हैंडबाल की कमान उनके बेटे यशप्रताप सिंह और तेजराज सिंह संभाले हुए हैं। पिता के नक्शे कदम यश प्रताप ने भी कई अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की जयपुर में शानदार मेजबानी की है। हनुमान सिंह हैंडबाल के साथ फुटबाल से भी जुड़े रहे। बदतर हालात में पहुंची जयपुर फुटबाल को नया जीवन देने के लिए वह जयपुर जिला फुटबाल संघ के अध्यक्ष बने और बाद में राजस्थान फुटबाल संघ के उपाध्यक्ष बने। उन्होंने जयपुर और जोधपुर की संयुक्त मेजबानी में कई वर्षों पश्चात राष्ट्रीय जूनियर फुटबाल प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया। इसी का नतीजा था कि वह राजस्थान फुटबाल में भी अपनी छाप छोड़कर इसके अध्यक्ष भी रहे। हनुमान सिंह राजस्थान खेल जगत की एक ऐसी शख्सियत थे जिन्होंने स्वार्थ को छोड़ खेलों के हित में कोई भी कदम उठाने से कभी परहेज नहीं किया। अन्य खेल संघों ने उनके इस कदम को सरकार विरोधी कदम बताकर उन पर उंगलियां भी उठाई, मगर उन्होंने खेलों के व्यापक हित को कभी नजरंदाज नहीं किया।

हनुमान सिंह टोंक जिले की टोडारायसिंह तहसील के मुंडिया कलां मोहल्ले के ठाकुर पृथ्वी सिंह के सबसे बड़े पुत्र थे। उनका जन्म 28 अगस्त 1951 को जयपुर में हुआ था। उनके माता-पिता दोनों ही विद्वान और धार्मिक थे। हनुमान सिंह ने छोटी उम्र से ही नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया, अक्सर विभिन्न खेलों में अपनी टीम का नेतृत्व करते थे। सरकारी सेवा में आने के बाद भी वे क्रिकेट, फुटबॉल, बास्केटबॉल, हैंडबॉल, कबड्डी, बैडमिंटन आदि खेलों में भाग लेते हुए खेलों में सक्रिय रहे। उनकी नेतृत्व क्षमता इस बात से स्पष्ट होती है कि 1982 में मात्र सात कर्मचारियों के साथ उन्होंने विभागीय तकनीकी कर्मचारी संघ का गठन किया, जो आज राज्य का सबसे मजबूत कर्मचारी संगठन है। हनुमान सिंह एक प्रतिष्ठित कर्मचारी नेता और एक सम्मानित व्यक्ति थे। एक प्रखर वक्ता के रूप में उन्होंने अपने संदेशों को वाक्पटु, स्पष्ट और आकर्षक ढंग से व्यक्त किया। उनके सरल और मधुर व्यक्तित्व ने उनके अद्वितीय गुणों को उभारा, जिससे उन्हें व्यापक प्रशंसा मिली। 1982 में डिपार्टमेंट टेक्निकल एम्प्लाइज यूनियन की स्थापना से स्पष्ट है, जो राजस्थान में सबसे मजबूत कर्मचारी संगठन के रूप में विकसित हुआ है। दो वर्षों तक अध्यक्ष के रूप में कार्य करते हुए, उन्होंने कई चुनौतियों पर विजय प्राप्त की।

मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर 9 जून से देशव्यापी अभियान ''संकल्प से सिद्धि तक'' चलाया जायेगा। इस अभियान की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित की गई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अभियान के विभिन्न कार्यक्रमों को लेकर कार्यकर्ताओं से संवाद किया।

'हर कार्यकर्ता को 5 से 25 जून तक संगठन के अभियानों से जुड़ना होगा'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने प्रदेश कार्यशाला में जून माह के विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में कार्यकर्ताओं से संवाद किया

- **मुख्यमंत्री ने पर्यावरण दिवस, मोदी शासन के 11 वर्ष पर ''संकल्प से सिद्धि'', अभियान, योग दिवस, श्यामा प्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस व आपातकाल के काले अध्याय की 50वीं वर्षगाँठ के कार्यक्रमों में कार्यकर्ताओं से बढ़ चढ़ कर भाग लेने का आव्हान किया।**
- **भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आज विश्व के अधिकांश देश हमारी ओर आशा और उम्मीद की दृष्टि से देखते हैं।**

जयपुर, 2 जून। भाजपा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार की 11 साल की उपलब्धियों के साथ, 9 जून से ''संकल्प से सिद्धि तक'' देशव्यापी अभियान चलाने जा रही है। इस सम्बंध में सोमवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड ने, पर्यावरण दिवस से लेकर आपातकाल की 50वीं वर्षगाठ पर आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में कार्यकर्ताओं से संवाद किया।

मुख्यमंत्री ने कहा, 2014 से पूर्व हमारी अर्थव्यवस्था 11वें पायदान पर थी, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों के कारण आज चौथे नंबर पर आ गई। स्वामी विवेकानंद के इस कथन पर कि 21वीं सदी भारत की होगी, सीएम शर्मा ने कहा कि उस नरेन्द्र ने कहा था, आज ये नरेन्द्र उसे पूरा कर रहा है। हमें सरकार की योजनाओं को जन - जन तक पहुंचाने का काम करना है। संकल्प से सिद्धि तक अभियान में ये कार्य प्रत्येक बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को करने हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बताया कि जून के माह में 5 जून से लेकर 25 जून तक हर कार्यकर्ता को अपने अनुभव के साथ संगठन के अभियानों से जुडना होगा। 5 जून को पर्यावरण दिवस के दिन गंगा दशहरा से वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान से जुड़कर जल स्रोतों को रीचार्ज करने की दिशा में कार्य करना है। 21 जून को विश्व योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में हमारे कार्यकर्ताओं को बढ़-चढ़ कर सहभागिता निभानी होगी। इसके बाद 23 जून को डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर संगोष्ठियां, कार्यशाला आयोजित करने के साथ 25 जून को आपात काल की 50वीं वर्षगांठ पर कार्यक्रम आयोजित कर लोगों तक कांग्रेस के काले अध्याय को पहुंचाने का कार्य करना होगा।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड ने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नए भारत के निर्माण का संकल्प लिया और 11 साल में उन संकल्पों को सिद्ध भी किया। भाजपा के कार्यकर्ताओं को मोदी सरकार के उन संकल्पों को जन- जन तक पहुंचाने का काम करना है। आज विश्व के अधिकांश देश हमारी ओर आशा, विश्वास की दृष्टि से देखते हैं। विश्व के 21 से अधिक देशों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपने देश का सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया है। यह हम सबके लिए गौरवान्वित करने का विषय है।

कार्यशाला में मंच पर भाजपा उपाध्यक्ष सीआर चौधरी, मुकेश दाधीच, सरदार अजयपाल सिंह, नाहर सिंह जोधा, भाजपा महामंत्री श्रवण सिंह बागड़ी, भाजपा प्रदेश मंत्री मिथिलेश गौतम उपस्थित थे। कार्यशाला का संचालन भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं संकल्प से सिद्धि तक अभियान के प्रदेश संयोजक जितेन्द्र गोठवाल ने किया और धन्यवाद ज्ञापन विजेन्द्र पूनिया ने किया।

राम मंदिर में राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व भव्य कलश यात्रा निकाली गई

अयोध्या, 02 जून। अयोध्या में भव्य और दिव्य बन रहे राम मंदिर में विराजमान रामलला के मंदिर में आठ मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा का तीन दिवसीय कार्यक्रम तीन जून से शुरु होगा। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की पूर्व संध्या पर सोमवार शाम महिलाओं द्वारा मंगल कलश यात्रा निकाली गयी। यह यात्रा सरयू तट के संत तुलसीघाट से अपरान्ह चार बजे से

- **3 जून से राम मंदिर परिसर में राम दरबार की 8 मूर्तियों का प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान शुरु होगा।**
- **श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित कई संत, संघ व विहिप के नेता, प्रशासनिक अफसर आदि मौजूद रहेंगे।**

शुरू हुयी और श्रीराम मंदिर परिसर में यज्ञ मण्डप तक पहुंची। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चम्पत राय ने बताया कि रामलला के मंदिर में रामदरबार समेत आठ मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम तीन जून से शुरू होगा। तीन दिवसीय कार्यक्रम सम्पन्न होने के बावजूद राम दरबार को दर्शनार्थियों के लिये खोला नहीं जायेगा क्योंकि इससे निर्माण कार्य में बाधा उत्पन्न हो सकती है, मगर सभी मूर्तियों की विधिवत पूजा-अर्चना शुरू हो जायेगी।

चित्तौड़गढ़ में रिटायर्ड एएसआई के बेटे की गोली मारकर हत्या

सात गाड़ियों में आये 25 बदमाशों ने होटल घेर कर फायरिंग की और बेटे अजय को पहली मंजिल से नीचे फेंका

- **युवक अजय के दोस्तों ने एम्बुलैंस और पुलिस को फोन किया, लेकिन कोई नहीं पहुँचा। वे बाइक पर बैठाकर घायल अजय को अस्पताल ले गये।**
- **कहते हैं कि अजय और हमलावरों के बीच बजरी खनन को लेकर पुराना विवाद चल रहा था। इसी विवाद को हत्या की वजह माना जा रहा है।**

उदयपुर, 2 जून (कासं)। चित्तौड़गढ़ में रविवार देर रात रिटायर्ड एएसआई के बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वह अपने दोस्तों के साथ होटल में खाना खा रहा था। 7 गाड़ियों में सवार होकर पहुंचे 25 लोगों ने होटल को घेर लिया और फायरिंग शुरू कर दी।

घटना कोतवाली इलाके के सेमलपुरा चौराहे पर हुई है, जहां निंबाहेड़ा निवासी अजयराज सिंह झाला (33) पुत्र शिवसिंह झाला (रिटायर्ड एएसआई) अपने तीन दोस्तों ओमकार शर्मा (31), गजेन्द्र सिंह चौहान (24) और शैलेन्द्र सिंह शेखावत (22) के साथ होटल में खाना खा रहा था। इसी दौरान करीब 25 लोग सात गाड़ियों में सवार होकर होटल पहुंचे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सभी हमलावरों ने गमछा बांध रखा था, हालांकि कुछ के चेहरे नजर आ गए थे। उन्होंने होटल को घेरकर अचानक फायरिंग शुरू कर दी। फायरिंग में अजयराज सिंह को गोली लगी और वे नीचे गिर गए। इसके बाद हिस्ट्रीशीटर झोपड़ा निवासी भैरूलाल गुर्जर और डेट निवासी डिग्गी राज सिंह ने अजय को उठाकर होटल की पहली मंजिल से नीचे खेत में फेंक दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, इसके बाद भी गोलियां चलाई गईं और तलवार से अजय की नाक पर वार किया गया। हमलावरों ने जाते समय दो गाड़ियों में आग भी लगा दी।

युवक के दोस्तों ने एंबुलेंस और पुलिस को फोन किया, लेकिन कोई नहीं पहुंचा। इसके बाद तीनों ने अजय को बाइक पर बैठाकर निजी हॉस्पिटल पहुंचाया। वहां कोई डॉक्टर मौजूद नहीं था। एक कंपाउंडर ने देखकर कह दिया कि अजय को बचाया नहीं जा सकता। इसके बाद अजय को फिर से बाइक से जिला अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

एएसपी सरिता सिंह के अनुसार, दोनों पक्षों में क्या विवाद है, इसकी जांच की जा रही है। हिस्ट्रीशीटर और उसके साथियों ने फायरिंग की है। पुलिस की अलग-अलग टीमें बनाकर दबिश दी जा रही है। पुलिस जांच में सामने आया है कि हमले में शामिल झोपड़ा निवासी भैरूलाल गुर्जर गंगरार थाने का हिस्ट्रीशीटर है। इसके अलावा, डेट निवासी ईश्वर सिंह भी हिस्ट्रीशीटर है। इन दोनों के साथ कुलदीप सिंह,मोंटी सिंह,राजपाल सिंह,राहुल और विक्रम सिंह नाम के लोग भी हमले में शामिल है। जानकारी के अनुसार, अजय और हमलावरों के बीच बजरी खनन को लेकर पुराना विवाद चल रहा था। यह विवाद ही हत्या की वजह माना जा रहा है। उसने बताया, वह खाना खाने से पहले नीचे सिगरेट लेने गया था, तभी उसने मौके पर मनोज चौधरी को देखा, जो हमलावरों की रेकी कर रहा था और उसने ही हमलावरों को सूचना दी। घटना के बाद सोमवार सुबह लोग अस्पताल की मोर्चरी के बाहर एकत्रित हो गए और धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने शव लेने से मना कर दिया। परिजनों ने आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी की मांग की है।

दिल्ली हाई कोर्ट ने सरकार से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सकती, क्योंकि उप-समितियों के गठन का निर्णय लिया गया था। अदालत ने आगे कहा, हालांकि यह देखते हुए कि अगली कोविड महामारी अभी खत्म नहीं हुई है, और वास्तव में वर्तमान में सक्रिय है, जैसा कि समाचार रिपोर्टों से स्पष्ट है, 30 मई 2023 की बैठक के बाद यदि कोई कार्रवाई नहीं हुई, तो यह एक गंभीर मुद्दा है।''

अदालत ने यह भी कहा कि यद्यपि यह मानकर चला जा सकता है कि कुछ कदम उठाए गए होंगे और प्रोटोकॉल लागू किए गए होंगे, लेकिन अधिकारियों के लिए यह आवश्यक है कि वे इसे अदालत में रिकॉर्ड पर प्रस्तुत करें।

अदालत ने केन्द्र सरकार के स्थायी वकील को यह निर्देश दिया कि वे व्यक्तिगत रूप से यह सुनिश्चित करें कि केन्द्र सरकार के अधिकारी न्यायिक निर्देशों से अवगत हों और छह सप्ताह के भीतर स्थिति-रिपोर्ट दाखिल करें। अब इस मामले की अगली सुनवाई 18 जुलाई को होगी।

पद रिक्त नहीं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तलाकशुदा कोटे में भाग लिया था। भर्ती की अंतिम मेरिट लिस्ट 6 दिसंबर 2024 को जारी हुई। इसमें याचिकाकर्ता के एससी महिला-तलाकशुदा कोटे की अंतिम कट ऑफ से ज्यादा अंक थे। दस्तावेज सत्यापन के दौरान, उसने अपने तलाक की डिक्री के दस्तावेज दिखा दिए, लेकिन उसे अंतिम कट ऑफ से ज्यादा अंक होने के बाद भी उसकी केटेगरी में नियुक्ति नहीं दी गई। इसे हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा, कि उसके अंतिम कट ऑफ से ज्यादा अंक हैं, लेकिन फिर भी नियुक्ति नहीं दी। इसलिए उसे नर्सिंग ऑफिसर पद पर नियुक्ति दी जाए। याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने पद रिक्त नहीं होने पर याचिकाकर्ता के लिए पद सृजित कर समस्त परिलाभों के साथ नियुक्ति देने के आदेश दिए हैं।

छत्तीसगढ़ में 16 नक्सलियों का आत्मसमर्पण

सुकमा, 02 जून। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में नक्सलियों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान में पुलिस जवानों को बड़ी सफलता मिली, यहां 16 नक्सलियों ने पुलिस अधीक्षक के सामने सोमवार को सामूहिक आत्मसमर्पण कर दिया, इनमें से एक पर तो 25 लाख रूपये का इनाम है।

- **छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में चल रहे नक्सल विरोधी अभियान को मिली यह बड़ी सफलता है। इन 16 में से एक नक्सली पर 25 लाख रु. का इनाम भी है।**

पुलिस अधीक्षक किरण चौहान ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन की नक्सलवादी आत्मसमर्पण पुनर्वास नीति एवं नियद नेल्ला नार योजना से प्रभावित होकर तथा अंदरूनी क्षेत्रों में पुलिस द्वारा लगातार नवीन सुरक्षा कैम्प स्थापित करने और पुलिस के बढ़ ते प्रभाव को देखते हुए नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया।

असम में सेना की छावनी से पाक जासूस गिरफ्तार

सिलीगुड़ी/गुवाहाटी, 02 जून। पूर्वोत्तर क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती देने वाले एक बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए सुरक्षा एजेंसियों ने एक संदिग्ध पाकिस्तानी जासूस को गिरफ्तार किया है।

सेना सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार यह गिरफ्तारी रविवार को असम के जोरहाट ज़िले के लिचुबाड़ी स्थित भारतीय सेना की 41वीं सब एरिया छावनी से की गई। संदिग्ध आरोपी समसुल इस्लाम वर्षों से इस छावनी में वेल्डिंग कर्मचारी के रूप में कार्यरत था और गुप्त रूप से पाकिस्तान के लिए जासूसी कर रहा था।

समसुल इस्लाम की पहचान असम के धुबरी जिले के बिलासीपारा निवासी के रूप में हुई है। वह लंबे समय से सेना परिसर में कार्यरत था और इसी दौरान भारतीय सेना से जुड़ी संवेदनशील और गोपनीय जानकारियों को दुश्मन देश के हैंडलर्स तक पहुंचा रहा था। सूत्रों के अनुसार सुरक्षा एजेंसियों को इस्लाम की संदिग्ध गतिविधियों पर पहले से ही नज़र थी जिसके आधार पर यह कार्रवाई की गई।

- **गिरफ्तार समसुल इस्लाम कई वर्षों से छावनी में बतौर वैल्डिंग कर्मचारी काम कर रहा था।**

सेना की ओर से हालांकि इस गिरफ्तारी पर कोई आधिकारिक बयान अब तक जारी नहीं किया गया है, लेकिन स्थानीय खुफिया सूत्रों की मानें तो समसुल इस्लाम पिछले कुछ समय से दुश्मन देश के संपर्क में था और अत्यधिक संवेदनशील सूचनाओं की लेन-देन में संलिप्त पाया गया है।

इस मामले को बेहद गंभीरता से लेते हुए सुरक्षा एजेंसियों ने समसुल से पूछताछ शुरू कर दी है और उसके फोन, संपर्क सूत्रों और गतिविधियों की गहन जांच की जा रही है। यह आशंका जताई जा रही है कि इस मामले से कई और लिंक सामने आ सकते हैं।

काशी एक्सप्रैस में बम की सूचना

जौनपुर, 02 जून। उत्तर प्रदेश रेलवे के जंघई जंक्शन रेलवे स्टेशन पर सोमवार को काशी एक्सप्रेस ट्रेन में बम की सूचना मिलते ही हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन और पुलिस की टीमें जांच अभियान शुरू कर दीं।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार गोरखपुर से कुर्ला जाने वाली 15018 काशी एक्सप्रेस ट्रेन मे बम की सूचना पर हड़कंप मच गया। जंघई जंक्शन रेलवे स्टेशन पर ट्रेन खड़ी कर चेकिंग की गई। एक घंटे तक मीरगंज थाना की पुलिस आरपीएफ, जीआरपी ने चेकिंग अभियान चलाया, पर कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली, उधर, बम निरोधक दस्ता को प्रयागराज व जौनपुर से बुलाया गया है।

राज्यसभा की आठ सीटों के लिए चुनाव की अधिसूचना जारी

इन आठ सीटों में से 6 तमिलनाडु से हैं और दो असम से

- **इन सीटों के लिए चुनाव 19 जून को होगा, 9 जून तक नामांकन भरे जा सकेंगे तथा 12 जून तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। मुकाबला होने की स्थिति में 19 जून को मतदान होगा।**

नयी दिल्ली, 02 जून। राज्य सभा के लिए असम और तमिलनाडु की आठ सीटों के 19 जून को कराये जाने वाले चुनाव की अधिसूचनायें सोमवार को जारी कर दी गयीं।

अधिसूचनाओं के साथ ही दोनों राज्यों में चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया का काम शुरू हो गया है।

राज्य सभा में असम की इन दो सीटों के वर्तमान प्रतिनिधियों का कार्यकाल 14 जून को और तमिलनाडु की छह सीटों के प्रतिनिधियों का कार्यकाल 24 जुलाई को समाप्त हो रहा है।

चुनाव आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार इन चुनावों के लिए नामांकन-पत्र नौ जून तक भरे जा सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 10 जून को की जायेगी और नाम 12 जून तक वापस लिये जा सकेंगे। आवश्यकता पड़ने पर मतदान 19 जून को सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक कराया जायेगा। इसमें संबंधित राज्यों के विधान सभा सदस्य मतदान करेंगे।

मतगणना मतदान सम्पन्न होने के एक घंटे बाद की जाएगी। आयोग ने कहा है कि मतदान की पूरी प्रक्रिया 23 जून तक सम्पन्न करा ली जाएगी।

आयोग ने असम में चुनाव के लिए राज्य विधानसभा के अतिरिक्त सचिव राजीव भट्टाचार्य को चुनाव अधिकारी तथा विधानसभा के ओएसडी (संयुक्त सचिव) प्रदीप हांडिक को सहायक चुनाव अधिकारी बनाया है।

तमिलनाडु में विधानसभा के अतिरिक्त सचिव, बी सुब्रमण्यम चुनाव अधिकारी तथा विधान सभा के संयुक्त सचिव के. रमेश सहायक चुनाव अधिकारी बनाये गये हैं।

मंदिर से लौट रहे झालावाड़ भाजपा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

थे और लौटते समय कुछ हमलावरों ने उन पर अचानक हमला कर दिया। इस हमले में वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने तत्काल परिजनों को सूचना दी। परिजन मौके पर पहुंचे और उन्हें तुरंत जिला अस्पताल ले गये, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मंडावर थाने के एस आई इशाक मोहम्मद ने बताया कि मामले में कुछ संदिग्ध युवकों को हिरासत में लिया गया है और पूछताछ जारी है। उन्होंने कहा कि घटना के हर पहलू की गहनता से जांच की जा रही है। मृतक के पुत्र अभिषेक मेवाड़ा ने बताया कि उनके पिता प्रतिदिन बालाजी मंदिर दर्शन के लिए जाते थे तथा आज भी वे रोजाना की तरह घर से निकले थे, लेकिन लौटते वक्त उन पर हमला हो गया। हत्या की सूचना मिलते ही जिला अस्पताल में भारी भीड़ जमा हो गई। स्थिति नियंत्रित करने के लिए पुलिस बल तैनात किया है।

'इलाज के लिए घंटों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कराने में ही नहीं, उसकी जान बचाने में भी लापरवाही बरती।''

गांधी ने आगे लिखा, ''जब तक पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिल जाता, हम शांत नहीं बैठेंगे। अपराधियों और लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही होनी चाहिये।''

सोमवार को केन्द्रीय मंत्री नित्यानन्द राय ने कहा, ''एनडीए सरकार बिहार का विकास कर रही है तथा कानून-व्यवस्था कायम रखे हुये है। सरकार किसी भी अधिकारी के दुराचरण का संज्ञान लेती है, कार्यवाही करती है और न्याय करती है लालू-राबड़ी के शासनकाल में, अपराधी और भ्रष्ट लोग बचाये जाते थे। उन्हें सज़ा के बजाय, पुरस्कार मिलते थे। एनडीए भ्रष्ट लोगों के खिलाफ कार्यवाही करती है।''

तमिलनाडु यूथ कांग्रेस ने अपने 'एक्स' हैन्डल पर पोस्ट किया है, ''यह (घटना) नीतीश कुमार सरकार के लिये लज्जा की बात है। एक दलित दुष्कर्म पीड़िता को पीएमसीएच में भर्ती नहीं होने दिया गया। वह घंटों तक एम्बुलैंस में तड़पती रही। .... उसे इलाज नहीं मिला। जब तक राजेश राम तथा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन नहीं किया, तब तक तन्त्र की नींद नहीं खुली। क्या दलित होना और बेटी होना अपराध है?''

कांग्रेस के अनेक कार्यकर्ताओं ने रविवार को न्याय की माँग करते हुये प्रदर्शन किया।

एक प्रदर्शन में बोलते हुये, बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा, ''इस मामले के दो पहलू हैं। पहला, उसके साथ दुष्कर्म हुआ। दुष्कर्म के बाद, उसकी हत्या करने की जघन्य कोशिश की गई। और दूसरा, सरकार ने निष्क्रियता और लापरवाही में कोई कसर नहीं छोड़ी। इलाज में हुये विलम्ब के कारण, उस लड़की की मौत हो गई। इस मामले में, चिकित्सा व्यवस्था की असफलता के लिये सरकार सीधे तौर पर जिम्मेदार है। जाइये और स्वयं देख लीजिये।''

सिक्किम में भूस्खलन से सेना के दो जवान सहित तीन की मौत

गंगटोक, 02 जून। उत्तरी सिक्किम के सुदूर लाचेन के चाटेन क्षेत्र में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में दो सैन्यकर्मी और एक कुली की मौत हो गई तथा छह अन्य लापता हैं।

आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को बताया कि मलबे और कीचड़ में फंसे लोगों को निकालने के लिए बचाव अभियान जारी है। भारतीय सेना के सूत्रों ने बताया कि रविवार शाम करीब सात बजे चाटेन में सेना का शिविर भारी भूस्खलन में बह गया। इसमें दो सैन्यकर्मियों एक कुली की मौत हो गई पर चार को बचा लिया गया। मृतकों की पहचान हवलदार लखविंदर सिंह, लांस नायक मुनीश ठाकुर और कुली अभिषेक लखड़ा के रूप में हुई है। भारतीय सेना ने इन बहादुरों के निधन पर शोक जताया है। रिपोर्ट आने तक मलबे में खोज अभियान जारी था, जिसमें छह कर्मियों के फंसे होने का शक है उन्हें ढूंढा जा रहा है। भारतीय सेना ने प्राकृतिक आपदा में जान गंवाने वाले बहादुरों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

जगन्नाथ मंदिर के भीतरी दृश्य का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु की है

- **वीडियो में मंदिर के नीलचक्र पर झंडा लगाने की प्रक्रिया दिखाई गई है। किसी सुरजीत बिस्वास ने इसे अपने फेस बुक पेज पर अपलोड किया।**
- **पुलिस को शक है कि यह फुटेज ड्रोन से कैप्चर की गई है, पर किसने की है इस पर जांच चल रही है।**

पुरी, 02 जून। देश के चार धामों में से एक ओडिशा में पुरी स्थित विश्व प्रसिद्ध श्री जगन्नाथ मंदिर के भीतरी दृश्यों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

पुरी जिला पुलिस अधीक्षक विनीत अग्रवाल ने संवाददाताओं को बताया कि सिंहद्वार पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस इस बात की जांच करेगी कि ड्रोन का उपयोग करके फुटेज किसने कैप्चर किया और इसे सोशल मीडिया पर कब अपलोड किया गया। मंदिर के किसी भी सेवादार की कथित संलिप्तता की भी जांच की जाएगी और उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जायेगी।

मंदिर के अनुष्ठानों और भीतरी दृश्यों के वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपलोड होने और तेजी से वायरल होने के बाद भगवान जगन्नाथ के श्रद्धालु हैरान रह गए। मंदिर के नीलचक्र पर झंडा लगाने की प्रक्रिया को दिखाने वाली हाल की फुटेज को ऑनलाइन व्यापक रूप से साझा किया गया है।

रिपोर्टों के मुताबिक सुरजीत बिस्वास नाम के व्यक्ति ने पूरी प्रक्रिया को अपने फेसबुक पेज पर अपलोड किया, जहां इस पोस्ट ने काफी ध्यान आकर्षित किया। वीडियो फुटेज से पता चलता है कि पूरा दृश्य ड्रोन कैमरे का उपयोग करके रिकॉर्ड किया गया था। मंदिर के अंदर और आसपास ड्रोन के बार-बार इस्तेमाल से सेवादारों और भक्तों में दहशत फैल गयी है।

गौरतलब है कि राज्य के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने हाल ही में कहा था कि मंदिर के आसपास ड्रोन का इस्तेमाल रोकने के लिए मंदिर परिसर में ड्रोन रोधी तकनीक लगाई जाएगी, हालांकि इसे अभी तक लागू नहीं किया गया है।

मंदिर के वरिष्ठ सेवादार कृष्ण चंद्र खुंटिया ने कहा कि ड्रोन मंदिर के लिए खतरा हैं। उन्होंने बताया कि वीडियो में स्पष्ट रूप से एक सेवादार झंडा बांधते हुए दिखाई दे रहा है। उन्होंने मामले की गहन जांच तथा ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए जल्द से जल्द ड्रोन रोधी उपकरण लगाए जाने की मांग की।

चीफ ऑफ डिफैंस...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सरकारें खरीद नीति में निरन्तरता कायम नहीं रख सकी। हालांकि कई विशेषज्ञ डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार को वायु सेना के आधुनिकीकरण की प्रक्रिया शुरु करने का श्रेय देते हैं। इसमें राफेल डील को आगे बढ़ाना, स्टेट ऑफ आर्ट हैलीकॉप्टर्स जैसे अपाचे और चिनूक खरीदना शामिल है।

एक रिटायर्ड एयर मार्शल ने कहा कि राफेल जेट के लिए ग्राउण्ड वर्क यूपी सरकार ने किया था, जिसमें खर्च पर पारदर्शिता और तकनीक हस्तांतरण पर जोर दिया गया था।

लेकिन गत 11 साल में खासकर मौजूदा सरकार में रक्षा आधुनिकीकरण की गति बहुत ही धीमी है और राफेल डील को लेकर भी कई सवाल उठे, खासकर अचानक बढ़ी कीमतों पर बरती गई अपारदर्शिता और ऑफ सैट्स पर भी भारी अस्पष्टता की वजह से।

पूर्व जनरल मोहन भंडारी ने भारी निराशा जताते हुए इस स्थिति को मोदी सरकार के पास सुसंगत सैन्य-कूटनीतिक रणनीति के अभाव की संज्ञा दी।

उन्होंने कहा, ''हमें अग्रिम पंक्ति के सैन्य नेतृत्व को सावधानी व सुस्पष्टता के साथ प्रशिक्षित करना होगा। रक्षा न केवल युद्ध के लिए मुस्तैद होना चाहिए, बल्कि जनता के साथ संवाद करने में भी माहिर होना चाहिए ताकि ऐसे विवाद टाले जा सकें।''

सीडीएस के स्पष्ट बयान ने भावी टकराव के लिए भारत की तैयारी पर कई राजनैतिक व सामरिक सवाल खड़े कर दिए हैं। खास तौर से सीमा पर बढ़ते खतरों को देखते हुए। भारत स्वदेशी रक्षा उत्पादन व महत्वपूर्ण आयात के बीच संतुलन बिठाने की दिशा में प्रयासरत है, ऐसे में पारदर्शी व दीर्घगामी नीतिगत ढांचे की जरूरत पहले से भी ज्यादा आवश्यक हो गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यह कार्यवाही संविधान के अनुच्छेद 14, 21 तथा 22 के तहत गारन्टीशुदा मौलिक अधिकारों के साफ तौर पर खिलाफ है तथा सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दी गई बाध्यकारी न्यायिक नज़ीरों का उल्लंघन करती है।

याचिका में कहा गया है, ''इन रक्षा-कवचों के बावजूद, ''फॉरेनर्स ट्रिब्यूनल'' के आदेशों की प्रति दिए बिना ही लोग हवालात में डाले जा रहे हैं तथा निर्वासित किये जा रहे हैं, तथा विदेश मंत्रालय द्वारा उनकी राष्ट्रीयता का सत्यापन नहीं किया जा रहा है। इसके अलावा, बहुत से मामलों में तो उन लोगों को अपील या पुनर्विचार के उनके अधिकार की जानकारी भी नहीं दी जा रही है।''

याचिका में इस घोषणा की माँग की गई है कि उचित एवं आवश्यक प्रक्रिया, जिसमें न्यायिक घोषणा, विदेश मंत्रालय द्वारा सत्यापन, तथा उपचार का अवसर देना आदि शामिल हैं, के बिना निर्वासित किया जाना असंवैधानिक है तथा याचिका में एनएचआरसी एवं विधिक सेवा अधिकारियों के माध्यम से प्रभावित लोगों के अधिकारों की रक्षा के विधिक कदम उठाये जाने की माँग की गई है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908